RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 1
नई दिल्ली, रविवार, 3 नवंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

खनन उद्योग का बदलता चेहरा
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

जानलेवा धुंध पर सियासी धार

केंद्र और दिल्ली सरकार आमने-सामने, एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की होड़

तसलीम अहमद। नई दिल्ली

नई दिल्ली और आसपास प्रदूषण के चलते शनिवार को भी धुंध छाई रही। ऐसे ही वातावरण में इंडिया गेट के पास घूमते लोग

जब वायु प्रदूषण ने दिल्ली-एनसीआर का गला पकड़ रखा है। लगातार तीसरे दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गंभर श्रेणी में बना हुआ है और यहां हेल्थ इमरजेंसी घोषित है, ऐसे हालात में केंद्र और दिल्ली सरकार समाधान खोजने के बजाय राजनीतिक बयानबाजी में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगा रही हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने हरियाणा-पंजाब में पराली जलाने से रोकने के लिए केंद्र सरकार की रणनीति पर सवाल उठाए हैं, वहीं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने सीएम पर इस मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शनिवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जावडेकर को पत्र लिखकर पूछा कि आखिर कब तक राजधानी पराली से होने वाले प्रदूषण से त्रस्त रहेगी? केंद्र सरकार के आंकड़े पेश करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पंजाब को 33075, हरियाणा को 11,941 और यूपी को 18,706 मशीनें वर्ष 2018-19 के दौरान दी गईं, ताकि किसानों को पराली न जलानी पड़े। चालू वर्ष 2019-20 के दौरान केंद्र ने इन तीन राज्यों के लिए 24,214, 14,677 और 7418 मशीनों को मंजूरी दी है।

इसी पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि पराली जलने से रोकने के वास्ते तीन राज्यों हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कितनी मशीनों की जरूरत है और केंद्र सरकार ये उपकरण किसानों को सालाना किश्तों में क्यों दे रही है। आखिर केंद्र कितने वर्षों में अपेक्षित संख्या में मशीनें उपलब्ध कराएगा। उन्होंने यह भी पूछा कि जहां कृषि उपकरण दिए गए, क्या उन क्षेत्रों में इनके इस्तेमाल व प्रभाव का आकलन किया गया है? इसी को आधार बनाकर केंद्र पर सुस्ती का आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मोदी सरकार की रणनीति के अनुसार तो प्रदूषण की समस्या से निपटने में 50 से 60 साल लग जाएंगे।

आसमान में छायी जहरीली धुंध ने ऐसे समय राजनीतिक रंग लिया है जब भारत दौरे पर आईं जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल राजधानी में मौजूद हैं। बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भी रविवार को भारतीय टीम के साथ यहां अरुण जेटली (शेष पेज 9)

हवाओं ने जगाई कुछ आस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी और आसपास के शहरों पर छाया प्रदूषण लगातार तीसरे दिन गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। शनिवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 410 दर्ज किया गया। हालांकि एनसीआर के कई हिस्सों में हुई हल्की वर्षा और तेज हवा चलने से प्रदूषण छंटने की उम्मीद है। केंद्रीय वायु प्रदूषण निगरानी एजेंसी सफर के अनुसार पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी शनिवार को 17 फीसद रह गई। शुक्रवार को यह सीजन में सबसे अधिक 44 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

सफर के मुताबिक, पराली जलाने की हिस्सेदारी कम होने और हवा की गति में तेजी और इसकी दिशा बदलने से रविवार को हवा की गुणवत्ता 'गंभीर' से 'बहुत खराब' श्रेणी में आने की उम्मीद है। क्षेत्र में 20-25 किलोमीटर प्रति घंटे तक हवाएं चलने (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्रियों ने की केंद्र से बैठक बुलाने की अपील

पीएनएस। नई दिल्ली/चंडीगढ़

जहरीली धुंध के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप के बीच दिल्ली, पंजाब और हरियाणा की सरकारों ने शनिवार को केंद्र से तुरंत हस्तक्षेप करने और मिलकर इस गंभीर स्थिति ने निपटने के लिए ठोस योजना लागू करने की अपील की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जहां केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर को पत्र लिखकर कहा कि वायु प्रदूषण सिर्फ दिल्ली का नहीं, बल्कि यह पूरे उत्तर भारत का मुद्दा है। इसलिए केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व में इसका समाधान खोजना चाहिए। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी जावडेकर से इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सहित पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कुछ पक्षकारों (शेष पेज 9)

तीस हजारी कोर्ट में भिड़े पुलिस और वकील, 10 जख्मी

अदालत परिसर मे मौजूद पुलिसकर्मी और वकील, जलता वाहन (नीचे)

- वाहन फूंके, घायलों में एसीपी, थाना प्रभारी और अधिवक्ता शामिल
- चार नवंबर को दिल्ली की सभी जिला अदालतों में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान
- वकील की कार पुलिस वैन से छूने के बाद शुरू हुआ था विवाद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तीस हजारी अदालत परिसर में शनिवार दोपहर को एक अधिवक्ता और पुलिसकर्मियों के बीच हुए मामूली विवाद के बाद पुलिस और वकीलों के बीच झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों के अनुसार झड़प में 10 पुलिसकर्मी और कई वकील घायल हो गए। इस दौरान 17 वाहनों में तोड़फोड़ की गई।

पुलिस ने बताया कि घायलों में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी जिला) हरिंदर कुमार, कोतवाली और सिविल लाइंस थाने के प्रभारी और पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) के ऑपरेटर भी हैं। इस बीच, बार एसोसिएशनों ने घटना की निंदा करते हुए चार नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी की सभी जिला अदालतों में एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया।

वकीलों ने पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के साथ बदसलूकी और गोली चलाने का आरोप लगाया। वकीलों के अनुसार झड़प में उनके चार सहयोगी घायल हुए हैं। इनमें एक पुलिस की गोलीबारी में घायल वकील भी शामिल है। हालांकि, पुलिस ने गोली चलाने से इनकार किया।

तीस हजारी बार एसोसिएशन के सचिव जयवीर सिंह चौहान ने को बताया कि एक वकील की कार, पुलिस की जेल वैन को छू गई जिसके बाद वकील और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गई। चौहान ने आरोप लगाया, इसके बाद उन्हें हवालात ले जाया गया और बुरी तरह पीटा गया। थाना प्रभारी आए लेकिन भीतर जाने नहीं दिया गया। मध्य और पश्चिमी जिले के जिला न्यायाधीश, छह अन्य न्यायाधीशों के साथ वहां गए लेकिन वह वकील को नहीं निकलवा पाए। आगे उन्होंने दावा किया कि न्यायाधीश जब जा रहे थे तो 20 मिनट बाद पुलिस ने चार चक्र गोलियां चलाई।

उन्होंने दावा किया कि अन्य वकीलों के साथ बाहर में प्रदर्शन कर रहे एक वकील रंजीत सिंह मलिक पुलिस की गोली से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल वकीलों को सेंट स्टीफन अस्पताल ले जाया गया। चौहान ने आरोप लगाया, पुलिस ने वकीलों के साथ बदसलूकी की। पूरी तरह से पुलिस की (शेष पेज 9)

मौसम

अधिकतम	29.5°C (-1)
न्यूनतम	18.8°C (+4)

बाजार

सेंसेक्स	40,165	
निफ्टी	11,890	
सोना	38,331	/10g
चांदी	46,391	/kg

क्विक न्यूज

पाकिस्तान ने गावों को निशाना बनाकर गोलीबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सैनिकों ने शनिवार को संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर तीन सेक्टरों में भारतीय सेना की अग्रिम चौकियों और गांवों को निशाना बनाकर गोलाबारी की। एक रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया और दोनों ओर से लगभग दो घंटे तक गोलीबारी हुई। प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि भारत में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने सुबह लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर अकारण संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए शाहपुर, किर्नी और कस्बा सेक्टरों में छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार भी दागे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और दोनों ओर से गोलीबारी दोपहर। बजकर 15 मिनट तक चली। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तानी सैनिक इस साल 2100 से अधिक बार नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का उल्लंघन कर चुके है, जिसमें 30 भारतीयों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हुए है।

मप्र में भाजपा विधायक की सदस्यता खत्म

भोपाल। खनन के खिलाफ कार्रवाई करने वाले तहसीलदार को बीच रोड पर रोककर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज करने के मामले में स्थानीय अदालत द्वारा दो साल कैद की सजा सुनाए जाने के दो दिन बाद मध्य प्रदेश विधानसभा ने शनिवार को प्रदेश के पन्ना जिले की पवई विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रहलाद लोधी की सदस्यता खत्म कर दी है। यह जानकारी मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति ने यहां मीडिया को दी। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या पवई के विधायक प्रहलाद लोधी की विधायकी शून्य कर दी गई है, तो इस पर प्रजापति ने कहा, जी हां। इसी के साथ मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के विधायकों की संख्या 108 से घट कर 107 रह गई है, जबकि सत्तारूढ़ कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 115 है।

सोनिया का मोदी सरकार पर हमला

- कहा-आरसीईपी से अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अर्थव्यवस्था में सुस्ती और क्षेत्रीय समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (आरसीईपी) को लेकर शनिवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार आरसीईपी के माध्यम से पहले ही बुरी स्थिति का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है।

पार्टी महासचिवों एवं प्रभारियों की बैठक में सोनिया ने यह आरोप भी लगाया कि अर्थव्यवस्था की खराब स्थिति को स्वीकारने और इसे ठीक करने के कदम उठाने के बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुर्खियां बटोरने एवं आयोजनों के प्रबंधन में व्यस्त हैं। जासूसी प्रकरण को लेकर उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां न सिर्फ गैरकानूनी और असंवैधानिक हैं, बल्कि शर्मनाक भी हैं। बैठक में सोनिया ने कहा, एक नागरिक और जिम्मेदार विपक्ष के सदस्य के तौर पर मुझे भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति देखकर दुख होता है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि सरकार इससे मानने को तैयार नहीं है। गंभीर मंदी को स्वीकारने और समग्र समाधान तलाशने के बजाय (शेष पेज 9)

नए समीकरण की तलाश में सोनिया से मिलेंगे पवार

महाराष्ट्र गतिरोध

- भाजपा अपना रही इंतजार करो की नीति, शिवसेना को मिल रहे मिलेजुले संकेत
- कांग्रेस के सांसद का सुझाव, पार्टी सरकार बनाने के लिए शिवसेना का करे समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर गतिरोध शनिवार को भी जारी रहा। मुख्यमंत्री का पद चाह रही शिवसेना अपना रुख कभी कड़ा कर रही है तो कभी उसमें नरमी दिखा रही है जबकि उसकी सहयोगी भाजपा इंतजार करो की नीति अपना रही है। सहयोगी दलों भाजपा और शिवसेना ने 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनाव में पर्याप्त बहुमत हासिल किया था लेकिन दोनों के बीच सत्ता बंटवारे को लेकर औपचारिक बातचीत शुरू नहीं हुई है। दूसरी ओर राकांपा ने कहा कि उसके प्रमुख शरद पवार सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। वहीं महाराष्ट्र से कांग्रेस के एक सांसद ने सुझाव दिया कि उनकी पार्टी सरकार बनाने के लिए शिवसेना का समर्थन करे। फिलहाल राज्य में नए समीकरण के उभरने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने यहां पार्टी नेताओं वी सतीश और विजय पुराणिक के साथ बैठक की। बाद में जब पाटिल से यह पूछा गया कि क्या कोई हल दिखाई दे रहा है, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार गठन को लेकर वर्तमान के गतिरोध समाप्ति के लिए कोल्हापुर की देवी अम्बाबाई से प्रार्थना की है।

शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक सम्पादकीय में भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार पर उनके इस बयान को लेकर निशाना साधा गया कि यदि सरकार नहीं बनी तो राज्य में राष्ट्रपति शासन लग सकता है। सम्पादकीय में इसे एक धमकी बताया गया। मुनगंटीवार ने कहा कि वह केवल वही कहे रहे हैं जिसका प्रावधान तय समय में सरकार नहीं होने की दशा में संविधान में है। उन्होंने कहा, मैं वन (शेष पेज 9)

ऑपरेशन कमल वीडियो पर कर्नाटक में राजनीतिक उबाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- कांग्रेस ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, येदियुरप्पा सरकार बर्खास्त करने की मांग

कर्नाटक में शनिवार को मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के आवाज वाले कथित वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद राज्य में सियासी घमासान तेज हो गया है। इस वीडियो में येदियुरप्पा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि बागी कांग्रेस-जेडीएस के विधायकों, जिन्हें बाद में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, को गठबंधन सरकार के चुने जाने के दौरान मुंबई में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की निगरानी में रखा गया था। राज्य में भाजपा को सत्ता में लाने के लिए कांग्रेस और जेडीएस विधायकों द्वारा किए गए 'बलिदान' को तवज्जों न देने के लिए पार्टी नेतृत्व के खिलाफ उन्हें नाराजगी जताते हुए भी सुना जा सकता है।

वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को संबोधित एक ज्ञापन प्रदेश के राज्यपाल वजूभाई रूदाभाई वाला को सौंपा, जिसमें उसने येदियुरप्पा सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है।

कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि येदियुरप्पा और शाह ने कर्नाटक में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार को गिराने की भूमिका रची और 15 विधायकों से जबरन इस्तीफा दिलवाया। ज्ञापन के साथ 27 अक्टूबर को हुई भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में येदियुरप्पा से संबंधित वीडियो का पेन ड्राइव भी इसके साथ संलग्न किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमार स्वामी ने कहा कि इस वीडियो से भाजपा की कलई खुल गई और 'अब येदियुरप्पा को खुद सच्चाई बयान करना पड़ेगा।' इस साल जुलाई में कुमारस्वामी की सरकार गिर गई थी और राज्य में येदियुरप्पा के नेतृत्व में नई सरकार का गठन हुआ था।

इस वीडियो में हैरान करने वाली बात यह भी है कि इसमें सिर्फ ऑडियो रिकॉर्ड हुआ है, इसमें सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नहीं दिख रहे हैं। उधर, मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने इन तमाम आरोपों पर कहा कि जिन विधायकों ने इस्तीफा दिया था, वे (शेष पेज 9)

फसलों को सफाचट कर रहा पाक से आया टिड्डियों का दल

राजस्थान, गुजरात और पंजाब के किसान प्रभावित, रोकथाम में लगा विभाग

राजेश कुमार। नई दिल्ली

सीमा पार से इस बार अलग तरह के घुसपैठिए आए हैं और उनके निशाने पर लाखों हेक्टेयर फसल है। भारत और पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान, पंजाब और गुजरात में खेतों में खड़ी फसलों पर टिड्डियों ने हमला बोल दिया है। विभाग द्वारा इन पर नियंत्रण की सारी कोशिशों के बावजूद आंकड़ों के मुताबिक तीन से चार लाख हेक्टेयर फसल इनके हमलों से प्रभावित हुई है। संबंधित विभाग ने करीब 2.36 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को संक्रमण मुक्त करने के लिए 1.50 लाख लीटर यूएलवी फार्म्यूलेशन का छिड़काव किया है और पूरे इलाके की निगरानी कर रहा है।

कृषि मंत्रालय के मुताबिक लोकस्ट वार्निंग आर्गनाइजेशन (एलडब्ल्यूओ, टिड्डी चेतावनी संगठन) बुलेटिन के मुताबिक टिड्डी दल पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आ रहा है और जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, बाहेरवाला, लाठी, नचाना, सूरतगढ़, पोखरण, लखपत, बीकानेर और शाहगढ़ में फसलों को निशाना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक एक उच्चस्तरीय टीम ने हालात का जायजा लेने के लिए भारत और पाकिस्तान की सीमा का दौरा किया है। कृषि राज्य मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने भुज तथा गुजरात के अन्य जिलों को दौरा कर स्थिति का आकलन किया। मंत्रालय ने मई में पंजाब, राजस्थान और गुजरात को टिड्डियों के हमले को लेकर आगाह कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन ने भी राजस्थान को रेगिस्तानी टिड्डियों के हमले को लेकर सतर्क किया था।

अधिकारियों के मुताबिक इस साल फरवरी में रेड सी तट से सूडान और इरीट्रिया में टिड्डियों ने प्रवेश किया और सऊदी अरब तथा ईरान होते हुए पाकिस्तान में पहुंचीं, जहां पर उन्होंने सिंध प्रांत में हमला किया। रेगिस्तानी इलाकों में टिड्डियों पर निगरानी और उन पर नियंत्रण करने वाले विभाग एलडब्ल्यूओ के काम करने के दायरे में राजस्थान और गुजरात तथा हरियाणा और पंजाब के कुछ भाग शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक हालात से निपटने के लिए उसने युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया है।

इससे पहले 1993 में राजस्थान में टिड्डियों ने बड़ा हमला किया था, हालांकि उस समय कितना नुकसान हुआ था इस बारे में इसका कोई सही आंकड़ा नहीं मिल सका था। टिड्डी एक प्रकार के कीड़े होते हैं जो मक्का, गेहूं, जौ, धान, गन्ना, कपास, मूंगफली तथा हरी सब्जियों को निशाना बनाते हैं। ये फसलों को तबाह कर देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टिड्डियों ने इस साल पाकिस्तान में कपास और आम की फसलों को सफाचट कर दिया था। भारत में टिड्डियों की चार प्रजाति पाई जाती है- रेगिस्तानी टिड्डी, प्रवासी टिड्डी, बांबे टिड्डी और वृक्ष टिड्डी। तीन मौसमों में इनका प्रजनन होता है जाड़े में (नवंबर से दिसंबर), वसंत में (जनवरी से जून) तथा गर्मी में (जुलाई से अक्टूबर)। भारत में केवल एक मौसम में इनका प्रजनन होता है और गर्मी में।

बकाया वसूली को एनसीएलटी में किया दावा

पीएसपी के तहत भूमि समर्पण करना चाहता था यूनिटेक, सभी भूखंडों के लिए किया था आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

एनसीएलटी के जरिए प्राधिकरण भी बिल्डर से बकाया वसूलने की जुगत में लगा है। इसके लिए डिफॉल्टर बिल्डरों के खिलाफ क्लेम दायर किए जा चुके हैं। जल्द ही निस्तारण होने की उम्मीद है। उधर, यूनिटेक ने भी बकाए से निजात पाने के लिए पीएसपी पॉलिसी का लाभ लेने का प्रयास किया था लेकिन, न्यायालय में वाद होने के चलते प्राधिकरण ने आवेदनों को निरस्त कर आवंटन रद्द कर दिया।

यूनीटेक पीएसपी के तहत आंशिक भूमि का समर्पण करना चाहता था लेकिन, सर्वोच्च न्यायालय में वाद दायर होने के चलते प्राधिकरण ने सेक्टर-96, 97 व 98 में आवंटित भूमि को पीएसपी के तहत वापस लेने संबंधित अब तक निर्णय नहीं लिया है। इस पर विचार किया जा रहा है। 22 अगस्त 2019 को सेक्टर-113 जीए-1 के लिए किए गए पीएसपी के आवेदन को प्राधिकरण ने निरस्त कर दिया था। इसके अलावा सेक्टर-117 में भी पीएसपी के आवेदन को निरस्त कर कारण बताओ नोटिस जारी किया। बता दें इन आवेदनों को निरस्त करने के बाद ही प्राधिकरण ने सेक्टर-113 स्थित भूखंड को निरस्त कर नीलामी की बात कही है। जल्द ही सेक्टर-117 स्थित भूखंड पर भी प्राधिकरण सख्त निर्णय ले सकता है।

प्राधिकरण के डिफाल्टरों में शामिल आईवीआरसीएल इंफ्रा प्रोजेक्ट लि को सेक्टर-119 में जीएच-2 व सेक्टर-121 में जीएच-5 आवंटित किए थे। बिल्डर पर जीएच-2 भूखंड के एवज में जल शुल्क के रूप में 27 लाख 1 हजार 569 रुपए व समाबढ़ोतरी शुल्क 57 करोड़ 93 लाख 18 हजार 740 रुपए बकाया है। इसी तरह जीएच-5 पर जल शुल्क के रूप में 67 लाख 80 हजार 667 रुपए व समयाबढ़ोतरी के लिए 9 करोड़ 81 लाख 91 हजार 769 रुपए बकाया हैं। इस धनराशि को प्राप्त करने के लिए प्राधिकरण ने एनसीएलटी में क्लेम किया है।

हालांकि दोनों ही मामलों में विचार किया जा रहा है। इसके अलावा सेक्टर-135 जीएच-1 टूडे होम्स इंडिया प्रा लि पर भी जल शुल्क के रूप में 4 लाख 28 हजार व समयाबढ़ोतरी के रूप में 15 करोड़ 34 लाख 71 हजार रुपए बकाया हैं।

बकाया लेने के लिए प्राधिकरण ने एनसीएलटी में क्लेम किया है। विधि विभाग से सलाह-मशविरा कर इस पर आगे की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। प्राधिकरण ने यूनीटेक के सेक्टरी-113 स्थित भूखंड को निरस्त करने के अलावा सेक्टर-107 जीएच-1ए अल्फा बेसलाईन इंफ्रा डवलपर्स प्रा लि के भूखंड को निरस्त किया है।

मरीजों की बीमारी का आंकड़ा रखेंगे जिला अस्पताल के डॉक्टर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● आदेश नहीं मानने पर होगी कार्रवाई

सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे किस मरीजों को कौन सी बीमारी व रोग है इस बात की जानकारी डॉक्टर रखेंगे। इससे तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों को चिन्हित करके स्वास्थ्य निदेशालय को अवगत कराया जा सकेगा। इस संबध में करीब एक सप्ताह पूर्व निदेशालय की ओर से सभी जिला स्तरीय अस्पतालों व सीएचसी-पीएचसी को आदेश जारी किया गया था। जिसके बाद से एक नवंबर से यह व्यवस्था अस्पताल में लागू कर दी गई है।

अब मेडिसिन की ओपीडी में पहुंचे सर्दी, जुकाम, बुखार घबराहट, बेचैनी, वायरल फीवर, जन जनित बीमारी व संक्रामक रोगों की बीमारियों को भी उल्लेख करना होगा। जिसे बाद में सभी मरीजों का आंकड़ा संकलन करने के बाद क्रमश बीमारियों की भी जानकारी मिल सके।

हालांकि इस तरह की व्यवस्था पहले भी लागू की जा चुकी है लेकिन, डॉक्टर मरीजों का ब्योरा नहीं दर्ज करते थे। अब निदेशालय ने ऐसा नहीं करने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई की बात कही है।

संक्षिप्त समाचार

कविनगर रामलीला मैदान में कथावाचन करते विजय कौशल जी महाराज।

सज्जनों को मिलता है ईश्वर का स्नेह

गाजियाबाद। कविनगर स्थित रामलीला मैदान में रामकथा के पहले दिन कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान महिलाओं ने 101 कलश लेकर यात्रा निकाली। इस दौरान एम्स के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य के लिए विशेष जांच शिविर भी लगाया गया था। कथा की महिमा का बखान करते हुए कथा व्यास विजय कौशल जी महाराज ने कहा कि ईश्वर की कृपा सभी को प्राप्त होती है परन्तु आत्म कृपा विरलों को ही प्राप्त होती है और उसका एक ही माध्यम है और वह है सत्संग। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार सूरज की किरणें कांच और कीचड़ दोनों पर पड़ती है परंतु कांच चमकने लगता है और कीचड़ सूख जाता है। उसी प्रकार सज्जन आत्माओं को ही ईश्वर का विशेष स्नेह प्राप्त होता है।

शनिवार को रेलवे के सीनियर सेक्शन ऑफिसर के पद से सेवानिवृति होने के बाद बुके देकर स्वागत करते सहकर्मी।

रेलवे अधिकारी को सेवानिवृत्त पर विदाई

गाजियाबाद। रेलवे के सीनियर सेक्शन ऑफिसर के पद से शनिवार को सेवानिवृत्त हुए सरदार हरचरन जीत सिंह को उनके सहकर्मियों ने विदाई दी। वहीं भूड़ गुरद्वारा पहुंचने पर भाजपा नेता देशराज देसी, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार जोगेन्दर सिंह आदि ने उन्हें बुके देकर उनका अभिनंदन किया और उनके सुखद भविष्य की कामना की।

नशीला पदार्थ पिलाकर कार में महिलाकर्मी से किया गैंगरेप

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● केस दर्ज, पीड़िता का मेडिकल जांच कराया

ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल की महिला कर्मचारी को सैलरी देने का झांसा देकर सुपरवाइजर और उसके एक साथी ने कार में उसे नशीला पदार्थ पिलाकर गैंगरेप किया। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बुलंदशहर निवासी महिला शहर के एक निजी अस्पताल में नौकरी करती है। कुछ दिन पहले उसके परिवार में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इसके चलते वह कुछ दिन ड्यूटी पर नहीं आ पाई। इसके बाद अस्पताल के सुपरवाइजर रवि ने महिला से काम पर आने से मना कर दिया। महिला ने उससे अपना बकाया वेतन मांगा तो उसने उसे अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट स्थित मेट्रो स्टेशन के पास मिलने के लिए बुलाया।

आरोप है कि सुपरवाइजर रवि और उसका एक साथी उसके पास पहुंचे और उसे कार में बैठा लिया। इस बीच आरोपियों ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और कार में ही रेप किया और एकांत में छोड़कर भाग गए। पुलिस ने केस दर्जकर पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया है।

वसुंधरा जोन में नलकूपों से हो रही जलापूर्ति

गाजियाबाद। इंदिरापुरम में शनिवार से गंगाजल की आपूर्ति शुरू हो गई लेकिन, वसुंधरा जोन को अभी भी गंगाजल नहीं मिला है। यहां नलकूपों से ही जलापूर्ति की जा रही है जो पर्याप्त नहीं है।

प्रताप विहार में 100 और 50 क्यूसेक के दो प्लांट हैं। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को गंग नहर से सौ क्यूसेक प्लांट में गंगाजल पहुंच गया। उस प्लांट को चालू कर गंगाजल शोधन करने के बाद शनिवार सुबह इंदिरापुरम को पानी दिया गया। उन्होंने बताया कि कुछ पानी छठ पर्व के चलते हिंडन नदी में छोड़ा गया है। ऐसे में 50 क्यूसेक प्लांट में पानी नहीं भर सका। इससे ही वसुंधरा जोन को भी गंगाजल की आपूर्ति की जाएगी।

नकली एलईडी टीवी बनाने वाले गिरोह के चार शातिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● फर्जी लोगो लगाकर ऊंचे दामों पर बेचते थे

विदेशी कंपनियों का स्टीकर लगाकर नकली एलईडी टीवी बनाने वाले एक गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर उनके पास से 84 एलईडी टीवी तथा नकली स्टीकर आदि बरामद किया है। नगर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सुबह एक सूचना के आधार पर गौरव, प्रेम किशोर, बृजेश कुमार और मोहित नामक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सिंह के अनुसार, पूछताछ के दौरान इन लोगों ने बताया कि वे चीन से एलईडी टीवी के कलपुर्जे मंगवाकर उन्हें नोएडा में असेंबल करते हैं, तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के स्टीकर लगाकर नकली एलईडी टीवी को ऊंचे दाम पर बेचते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 84 नकली एलईडी टीवी बरामद किए जिन पर सैमसंग और सोनी टीवी के फर्जी लोगो लगे थे।

सिंह ने बताया कि ये लोग हरि ओम इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से सेक्टर 10 में एक कंपनी चलाते हैं जहां नकली एलईडी टीवी बनाए जाते हैं। एसपी ने बताया कि गिरोह में और भी शामिल हैं जिनकी तलाश जारी है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए डीएम गंभीर

हापुड़। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रदूषण पर नियंत्रण बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अदिति सिंह ने संबंधित अधिकारियों द्वारा निरंतर पानी का छिड़काव कराकर कार्रवाई की जा रही हैं।

जनपद में भवन निर्माण एवं खनन तथा हॉट मिक्स प्लांट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए उन्हें 5 नवंबर तक बंद करा दिया गया है। इसी क्रम में 10 आतिशबाजी के लाइसेंस निरस्त किए गए तथा 6 ऐसे लाइसेंसी जिनके द्वारा नवीनीकरण हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया था, उनके विरुद्ध थाने के माध्यम से नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं जिले में प्रदूषण पर नियंत्रण रखने को विभागीय अधिकारी भी लगातार कड़ी कार्रवाई कर रहे हैं।

अवैध संबंध के शक में चाकू से गोदकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● वारदात को अंजाम देने के बाद पति फरार

ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कस्बे में एक युवक ने अपनी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि अवैध संबंध के शक में युवक ने पत्नी के शरीर पर चाकू से करीब 15 वार किए। आरोपी पति उसे खून से लथपथ हालत में छोड़कर फरार हो गया। पड़ोसियों ने महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

मूलरूप से उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी संजय अपनी पत्नी फूलमाला और दो बच्चों के साथ सूरजपुर में रहता है। संजय यहां प्लास्टिक के बर्तन आदि बेचने का काम करता है। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को संजय ने अपनी पत्नी को किसी अन्य व्यक्ति के साथ देख लिया था। इसके बाद से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस की जांच में पता चला है कि संजय को शक था कि उसकी पत्नी के किसी से अवैध संबंध हैं।

इस बीच विवाद इतना बढ़ गया कि संजय ने गुस्से में आकर पत्नी पर चाकू से हमला कर दिया। संजय ने पत्नी के शरीर पर चाकू से करीब 15 वार किए जिससे वह लहुलूहान हो गई। आरोपी उसे वहीं तड़पता छोड़कर मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और महिला को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने फूलमाला को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ग्रेटर नोएडा तनु उपाध्याय ने इस संबंध में बताया कि जांच में अवैध संबंध के शक का मामला सामने आ रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद असलियत का पता चल सकेगा।

प्राधिकरण की प्रापर्टी खरीदने का अच्छा मौका

15 नवंबर से ऑनलाइन करने होंगे आवेदन,जीडीए की तैयारी पूरी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

यदि आप शहर में आवासीय प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक हैं तो आपको जीडीए 15 नवंबर से अवसर देने जा रहा है। जीडीए की पांच आवासीय योजनाओं में आप बहुमंजिला इमारतों में अपनी जरूरत के हिसाब से भवन खरीद सकते हैं जिसमें एलआईजी से लेकर एचआईजी तक के फ्लैट शामिल हैं। आगामी 15 नवंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी जिसमें सभी आवेदन ऑनलाइन किए जाएंगे। खास बात यह है कि ज्यादतर भवनों की कीमत आम आदमी की पहुंच के अंदर हैं।

इस संबंध में जीडीए उपाध्यक्ष कंचन वर्मा ने बताया कि कुल पांच आवासीय योजना में जीडीए अपने भवन बेचने जा रहा है। इसमें चंद्रशिला अपार्टमेंट (बहुमंजिला) में एचआईजी (टू बीएचके प्लस स्टडी रूम) के 22, एचआईजी (2बीएचके प्लस 3 बालकनी) 10, एचआईजी (2एचके प्लस 4 बालकनी) के 31, मधुबन बापूधाम योजना में एचआईजी चार मंजिल 116, मिनि एमआईजी (ग्राउंड फ्लोर) 10, मिनी एमआईजी फर्स्ट, सेकंड एंड थर्ड फ्लोर 34, पॉकेट एफ बीएचके 177, कोयल एंक्लेव(बहु मंजिले) में 1 बीएचके 136, 2बीएचके 397 आदि हैं।

ग्रेनो में 18 नंवबर के बाद आवासीय योजना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में फ्लैट और भूखंडों की योजना लेफ्टओवर स्कीम के तहत 18 नवंबर को होने वाली बोर्ड बैठक के बाद आ सकती है। बाजार दर से अधिक मूल्यों के फ्लैट-भूखंडों की कीमत को कम करने के लिए बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। बाजार दर से अधिक मूल्य होने के बाद योजना के सफल होने पर संशय है। उच्च अधिकारियों ने भी इनकी दरों को पुन:निर्धारण करने के लिए कहा है। अब प्राधिकरण की 18 नवंबर को बोर्ड बैठक है। इस बैठक में फ्लैट-भूखंडों की दरों को तय करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। यहां से प्रस्ताव पास होने के बाद आगे काम होगा।

लोनी में एक शख्स की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● मृतक के पुत्र का कुछ लोगों से हुआ था विवाद

लोनी थाना क्षेत्र के आदेश नगर में शुक्रवार देर रात पुराने विवाद को लेकर कयूम (48 वर्ष)पुत्र इनायत अली को पांच लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार कयूम रात को अपने घर पर थे और उनका बेटा राजू भी घर पर था। इसी दौरान पांच युवक वहां पहुंचे और कयूम को गोलियों से भून दिया। गोली लगने से कयूम नीचे गिर पड़े। वारदात के बाद गोलियों की आवाज सुनकर पूरी कॉलोनी में हड़कंप मच गया और लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने कयूम को शाहदरा स्थित गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी मौत हो गई। इस दौरान मृतक का पुत्र किसी तरह जान बचाकर छिप गया। कयूम के पुत्र राजू ने बताया कि दिवाली से पहले उसका कुछ युवकों के साथ झगड़ा हो गया था जिसकी उसने पुलिस में शिकायत भी दी थी। ये लोग उस पर पुलिस से शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बना रहे थे लेकिन, उसने मना कर दिया था। इसके बाद युवकों ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची ने घटना की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

रोक के बावजूद वेब सिटी में चल रहा था निर्माण कार्य

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● प्रशासन की कार्रवाई में 25 लोग गिरफ्तार

शहर की हवा बेहद जहरीली हुई तब प्रशासन एक्शन में आया है। शनिवार को प्रशासन ने सेक्टर 32 स्थित वेब सिटी के प्रोजेक्ट पर चल रहे निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया है। मौके से 25 लोगों को गिरफ्तार कर 2 आरएमसी प्लांट बन्द करा कर पोपलेन को जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि वेब सिटी पर निर्माण कार्य काफी समय से चल रहा था।

दिल्ली एनसीआर में ग्रैप लागू होने के बाद भी वेब सिटी पर निर्माण जारी रहा। रात में निर्माण को बन्द कराए जाने के बाद भी निर्माण कम्पनी काम जारी रखी और क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ जिला पर्यावरणीय समिति आंख बंद किए रही। शुक्रवार को जिले में प्रदूषण का स्तर 500 के पार पहुंचा तब जिलाधिकारी ने अधिकारियों के पेंच कसे। सिटी मजिस्ट्रेट शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि निर्माण कंपनी रात में करीब 100 मजदूरों को लगाकर काम करा रही थी। शुक्रवार रात भी निर्माण जारी था।

जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस में दीक्षांत समारोह

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित जयपुरिया स्कूल ऑफ बिजनेस में शनिवार को 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता समूह के अध्यक्ष शिशिर जयपुरिया ने किया जिसमें मुख्य अतिथि हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लि के प्रबंध निदेशक अचल खरे, जयपुरिया स्कूल ऑफ बिज़नेस के बोर्ड ऑफ गवर्नर के सदस्य विनोद मल्होत्रा वरिष्ठ अतिथि थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों एवं संस्थान के अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित से हुआ। इसके बाद निदेशक ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। चेयरमैन ने दीक्षांत समारोह शुरू करने की घोषणा की तथा स्नातक की डिग्री पाने वाले छात्रों के बैच को बधाई दी।

दीक्षांत समारोह में छात्रा को सर्टिफिकेट देते मुख्य अतिथि।

प्रदूषण गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक : डॉ. दीपा

गर्भ में पल रहे बच्चे का विकास भी हो सकता है प्रभावित, ब्लश प्रेशर भी रहता है ज्यादा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-एनसीआर को कई दिनों से घेरे बैठा स्मॉग गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक है। वायु प्रदूषण के चलते न केवल गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है बल्कि इससे प्री मेच्योर डिलीवरी का भी अंदेशा बढ़ जाता है।

सीएमएस डॉ. दीपा त्यागी।

जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डा. दीपा त्यागी का कहना है कि गर्भ की शुरूआती चरण में प्रदूषण के कई दूरगामी और खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। गर्भवती महिला के ज्यादा प्रदूषित वातावरण में सांस लेने से गर्भ में पल रहे बच्चे का मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है, इसके अलावा उसे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी ज्यादा रहता है।

डा. दीपा बताती हैं कि दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक जोन में पहुंच गया प्रदूषण का स्तर अस्थमा के रोगियों के लिए तो जानलेवा है ही छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गर्भ में पल रहे बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला के प्रदूषित हवा में सांस लेने से गर्भ में पल रहे बच्चे की धड़कन प्रभावित हो सकती है।

इतना ही नहीं बच्चे का वजन सामान्य से कम होने का खतरा भी प्रदूषण के चलते बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आजकल ओपीडी में आने वाली गर्भवती महिलाओं को घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रही हैं। यदि घर से बाहर निकलना ज्यादा जरूरी हो, तभी निकलें और अच्छे मॉस्क का इस्तेमाल करें। घर में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें तो बेहतर है। सीएमएस ने बताया कि गर्भ में पल रहा भ्रूण अपनी मां से ही पूरा पोषण लेता है। अक्टूबर और नवंबर के महीने के दौरान दिल्ली - एनसीआर में वायु काफी प्रदूषित रहती है। इस दरमियान यदि किसी महिला को तीन माह तक का गर्भ है तो उसे प्रदूषण से ज्यादा सचेत रहने की आवश्यकता है।

इस दौरान मां जिस वायु में सांस लेगी, उसमें यदि प्रदूषक तत्व (कार्बन मोनोक्साइड, पीएम-2.5) मौजूद रहेंगे, तो बच्चे को जरूरत के मुताबिक ऑक्सीजन नहीं मिल पाएगी, जिससे उसकी प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है।

जीडीए को 446 करोड़ की चपत लगाने का आरोप

गाजियाबाद। बिल्डर शिप्रा को ज्वाइंटवेंचरकर जीडीए द्वारा एक प्रतिशत एफएआर देने के मामले में भाजपा पार्षद राजेंद्र त्यागी की जनहित याचिका हाईकोर्ट में स्वीकार कर ली गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले में जीडीए और प्रदेश सरकार से तीन सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है।

साथ ही कोर्ट ने शिप्रा एस्टेट लिमिटेड और साया बिल्डर को भी एक सप्ताह के अंदर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। मामले में दोनों बिल्डर को अतिरिक्त एफएआर देकर 446 करोड़ रुपए की जीडीए को चपत लगाने का आरोप लगाया गया है। जीडीए व बिल्डरों के बीच हुए एमओयू की शर्त के मुताबिक नियमों का पालन नहीं किया गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

छठ पूजा : व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया पहला अर्घ्य

● रविवार सुबह को अर्घ्य देने के साथ ही व्रत का होगा समापन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फोटो : रंजन डिमरी

छठ मईया और भगवान सूर्य से सुख शांति और समृद्धि की कामना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालू घाटों पर पहुंचे।

खरना संपन्न होने अगले दिन यानी शनिवार को छठ व्रतियों ने घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और छठी मईया और भगवान सूर्य से परिवार के लिए सुख शांति और समृद्धि की कामना की। रविवार को सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय कठिन निर्जला व्रत का समापन हो जाएगा।

शनिवार सुबह से आईटीओ, न्यू अशोक विहार, गाजीपुर, ओखला, मयूर विहार, द्वारका, बवाना, नरेला, हैदरपुर नहर, नेताजी सुभाष प्लेस समेत अन्य छठ घाटों पर सुबह से ही छठी मइया के कर्णप्रिय और पारंपरिक गीत गूंज रहे थे। छठ घाटों के पर दिल्ली सरकार, नगर निगमों की तरफ से श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए रोशनी, शौचालय, पानी और चिकित्सा की सुविधाएं मुहैया कराई गई थी। अगले दिन छठ मईया और भगवान सूर्य से सुख शांति और समृद्धि के लिए सुबह के बाद की लालिमा आते ही भक्त भगवान का नमन करेंगे और अर्घ्य देंगे। उसके बाद हवन कर बजरी लुटाए। व्रत संपन्न होने पर भगवान का नमन करते हुए व्रत के दौरान गलती के लिए क्षमा मांगा। प्रसाद का वितरण किया गया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा। यह 36 घंटे का कठोर निर्जला व्रत होता है। विधायक संजीव झा ने कहा कि गत पांच साल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छठ के लिए जो काम किया है। उससे स्पष्ट है कि छठ महापर्व और पूर्वांचल के लोगों में उनकी कितनी आस्था है। दिल्ली सीमए के कामों से सबसे ज्यादा पूर्वांचल के लोगों को फायदा हुआ है। वहीं दिल्ली के कई घाटों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के लिए दिल्ली के बाहर से भी कलाकार बुलाये गए थे। पूजा के साथ-साथ लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लुत्फ उठाया। वहीं दिल्ली पुलिस भी सड़कों पर मुस्तैद नजर आई जिस कारण घाट पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हुई।

बुराड़ी घाट पर पहुंचे मुख्यमंत्री केजरीवाल

नई दिल्ली। लोक आस्था के महापर्व छठ का पहला अर्घ्य व्रतियों ने डूबते सूर्य को शनिवार को दिया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल छठ के पावन अवसर पर बुराड़ी स्थित बजरंगी घाट पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भाष्कर की आराधना की और लोगों को छठ महापर्व की बधाई दी। उन्होंने कहा कि छठ का महापर्व आप सभी के परिवार में खुशियां और समृद्धि लेकर आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने श्रृद्धालुओं के लिए सारी सुविधाएं घाट पर की मुहैया कराई हैं। पांच साल पहले दिल्ली में 73 घाट होते थें। अब छोटे-बड़े मिलाकर 1200 घाट कर दिए हैं। आपका एक घर बिहार में है। आप वहां से आए और दिल्ली को अपना घर बनाया। वह चाहते हैं यहां पूजा से संबंधी सारी सुविधा मिलें। उन्होंने कच्ची कॉलोनियों में रहने वालों को साधते हुए कहा कि अनाधिकृत कॉलोनियों में उन्होंने हर तरह की सुविधा दी। इन कॉलोनियों में गली, नाली, पानी व सीवर की लाईनें डाली गई हैं। कुछ कालोनियों में काम अधूरा रह गया है। एक डेढ़ साल में गली, नाली, पानी की लाईन और सीवर लाईन डल जाएगी।

जावडेकर ने टाली तीन बैठकें : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में हेल्थ इमरजेंसी के बीच दिल्ली सरकार ने केंद्र पर तीखा हमला किया है।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामा में स्वीकर किया कि है कि दिल्ली में प्रदूषण की जो स्थिति है उसमें 46 फीसद प्रदूषण पराली जलने के कारण से हो रहा है। शीर्ष अदालत ने जब केंद्र से सवाल पूछा कि उसने पराली की समस्या से निपटने के लिए क्या कदम उठाए तो जवाब में कहा कि किसानों को मशीनें बांटी हैं। केंद्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए सिसोदिया ने कहा कि गत 2 सालों में केंद्र सरकार ने पंजाब और हरियाणा के किसानों को मात्र 63000 मशीनें बाटी हैं जबकि आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा और पंजाब में किसानों की संख्या लगभग 26 लाख है।

जिस रफ्तार से केंद्र सरकार मशीन बांट रही है अगर उसका हिसाब लगाया जाए तो 26 लाख किसानों को मशीन बांटने में केंद्र 50 से 60 साल लगा देगी। तब तक क्या पूरा उत्तर भारत के लोग प्रदूषण की मार झेलने को मजबूर रहेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा उत्तर भारत काले धुएं की मार झेल रहा है। केवल दिल्ली एकमात्र राज्य है जो प्रदूषण से निपटने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। जावड़ेकर के पास हर छोटी से छोटी चीज के लिए तो समय है लेकिन इतनी बड़ी समस्या जिससे पूरे उत्तर भारत के करोड़ों लोग जूझ रहे हैं। उसके समाधान के लिए समय नहीं है।

सिसोदिया ने आरोप लगाया कि पहली बैठक 12 सितंबर को रद्द की गई, दूसरी बैठक 17 अक्टूबर और तीसरी बैठक 19 अक्टूबर को रद्द की गई। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं कि किन राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ बैठकें रद्द की गईं।

बच्चों-बुजुर्गों की बढ़ाई मुसीबत, बढ़े सांस के रोगी

नई दिल्ली। प्रदूषण के कारण गैस चेंबर में तब्दील दिल्ली की आबोहवा में लोगों का दम घुटने लगा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी खतरे में इजाफा हुआ है। दमघोंटू हवा का सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी पड़ा है और दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में सांस और दिल के मरीजों की संख्या में 15 से 20 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया है। एम्स के निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी दीवाली के बाद प्रदूषण के कारण सांस और हृदय रोग विभाग की ओपीडी एवं आपातकालीन सेवा में मरीजों की संख्या पिछले पांच दिनों में 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त एमसीडी और पुलिस कदम उठाए : डीपीसीसी

पीएनएस। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस को राजधानी के सबसे व्यस्त चौराहे आईटीओ पर प्रदूषण से निपटने के लिए और कदम उठाने का दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने निर्देश दिए।

डीपीसीसी के अनुसार आईटीओ पर कई सरकारी कार्यालय और लोक महत्व के संस्थान हैं और व्यस्त समय में यहां यातायात का भारी दबाव रहता है जिससे सड़क पर बहुत अधिक धूल उड़ती है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने एक बयान में कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुंच गई है और इससे निपटने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

डीपीसीसी ने दक्षिण दिल्ली नगर निगम और लोकनिर्माण विभाग को आईटीओ से उच्चतम न्यायालय एवं सराय काले खां की ओर जाने वाली सड़कों की सफाई और पानी का छिड़काव करने वाली मशीनों की तैनाती के आदेश दिए।

प्रदूषण पर सीएम गंभीर नहीं : गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भाजपा नेता विजय गोयल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि वह प्रदूषण को लेकर गंभीर नहीं है।

दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए 57 महीनों में कोई काम किया होता तो आज दिल्ली में हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालत नहीं होते और लोगों को मास्क के सहारे नहीं रहना पड़ता। गोयल ने सम्मेलन में केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि वह कितने गंभीर हैं इसका पता इस बात से चलता है कि केजरीवाल अपने मंत्रियों के साथ उपराज्यपाल के दफ्तर में सोफे पर बैठकर धरना देते हैं। सेन्टर फॉर साइंस एंड इन्वायरमेन्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 90 प्रतिशत प्रदूषण खुद दिल्ली में विभिन्न श्रोतों से होता है। जिसे कम करने के लिए केजरीवाल सरकार ने अभी तक क्या काम किये। यह दिल्ली वाले जानना चाहते हैं।

सम-विषम योजना के दौरान सर्ज प्राइसिंग नहीं लेगी ओला-उबर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चार नवंबर से शुरू हो रही सम-विषम योजना के दौरान ओला-उबर जैसी कैब संचालित करने वाली कंपनियां सर्ज प्राइसिंग लागू नहीं करेंगी।

ओला ने कहा कि वह प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार की पहल में सहयोग देगी। सम-विषम योजना को लागू करने से साझा गतिशीलता की सुविधा को परखने का भी अवसर मिलेगा।

ओला के मुख्य बिक्री एवं विपणन अधिकारी अरुण श्रीनिवास ने कहा, यात्रियों को अधिकतम और निर्बाध सुविधा उपलब्ध कराने के अपने सतत प्रयास के तहत हमने तय किया है कि सम-विषम योजना के दौरान ओला पर बुक की गई कैब के लिए सर्ज प्राइसिंग नहीं होगी।

हम सभी चालकों-साझेदारों, यात्रियों और नागरिकों से अनुरोध करते हैं कि वह इस योजना के तीसरे संस्करण को सफल बनाने के लिए इसमें भागीदारी करें। पिछले महीने उबर ने भी ऐलान किया था कि वह राष्ट्रीय राजधानी में सम-विषम योजना के दौरान सर्ज प्राइसिंग को लागू नहीं करेगी। उबर के प्रवक्ता ने कहा था, हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि योजना के दौरान हमारी ओर से आवाजाही सुगम रहे और हमनें इस दौरान सर्ज प्राइसिंग को निष्क्रिय रखने का फैसला किया है। हम दिल्ली सरकार के कदम का पूर्ण समर्थन करते हैं और इसकी सफलता की कामना करते हैं।

मर्केल ने सौर पैनल का लिया जायजा

द्वारका मेट्रो स्टेशन का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जर्मनी की चांसलर को सौर पैनल के बारे में जानकारी देते मेट्रो के अधिकारी।

जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने शनिवार को द्वारका सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन का दौरा किया जहां उनके देश के सरकारी स्वामित्व वाले विकास बैंक केएफडब्ल्यू द्वारा वित्त पोषित सौर पैनल लगे हुए हैं।

मर्केल ने मेट्रो स्टेशन की छत का दौरा किया जहां दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने उन्हें सौर परियोजना के बारे में जानकारी दी। जर्मनी के इस बैंक ने भारत में स्वच्छ गंगा मिशन सहित कई अन्य परियोजनाओं के लिए उदार ऋणों की पेशकश की है। उन्होंने करीब 30 मिनट स्टेशन पर बिताए और एक ई-ऑटो चालक से बातचीत भी की।

ई-ऑटो के चालक राजकुमार ने कहा कि चांसलर ने उनसे तीन मिनट की बातचीत में वाहन और उनके काम के बारे में पूछा। एक निजी कंपनी द्वारा ऑटो चालकों को ई-ऑटो किराए पर दिया जा रहा है ।

मर्केल के साथ अपनी बातचीत के बारे में राजकुमार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैंने उनसे हाथ मिलाया और उनसे बातचीत की।

मेट्रो की पटरी में दरार दिखी, सेवा प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के इन्द्रप्रस्थ स्टेशन पर पटरी में शनिवार की सुबह दरार दिखने के बाद ब्लू लाइन पर मेट्रो सेवा प्रभावित हुई।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि ब्लू लाइन पर इन्द्रप्रस्थ और प्रगति मैदान स्टेशनों के बीच एक लाइन में वेल्डिंग की खामी दिखी। यह लाइन वैशाली और नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी को द्वारका सेक्टर 21 से जोड़ती है। यह खामी सुबह करीब साढ़े आठ बजे नजर आई। अनुज दयाल ने बताया कि फिलहाल एहतियात के तौर पर उस रेल खंड पर ट्रेनें बेहद धीमी गति से चलाई जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसी खामी मौसम में बदलाव के कारण होती है।

महिला की हत्या के आरोप में तीन युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बाहरी उत्तरी दिल्ली के बवाना इलाके में एक महिला की हत्या करने के बाद उसके शव को सूटकेस में डाल कर फेंकने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान नोएडा के रहने वाले नोमान (30), शकूरपुर गांव के रहने वाले अरमान (26) और न्यू उस्मानपुर के रहने वाले शमशाद (30) के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, महिला का शव 18 अक्टूबर की सुबह बवाना में लावारिस पड़े एक सूटकेस में मिला था। सीसीटीवी फुटेज की जांच में यह खुलासा हुआ कि ऑटोरिक्शा में आ रहे किसी व्यक्ति ने सूटकेस को वहां फेंका था। मृतका की पहचान शकूरपुर गांव की रहने वाली नेहा पटेल के तौर पर हुई है।

पिछले एक महीने से वह किसी लुकमान के साथ रह रही थी। लुकमान के घर के आस पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच में वह और उसके दो भाई अरमान तथा नोमान 17 अक्टूबर और 18 अक्टूबर की दरम्यानी रात में एक ट्रॉली बैग को घसीटते हुए नजर आए। इसके बाद अरमान, नोमान और शमशाद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बताया कि लुकमान के व्यवहार से तंग आकर पटेल उसके साथ रिश्ता खत्म करना चाहती थी।

16 अक्टूबर को दोनों के बीच झगड़ा हुआ जिसके बाद लुकमान और उसके भाइयों ने उसकी हत्या कर दी और उसके शव को बवाना में ठिकाने लगा दिया।

बच्चे का गला कटा शव मिलने से मची सनसनी

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक छह वर्षीय बच्चे का गला कटा शव मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि बच्चा शुक्रवार शाम से घर से लापता था और इस संबंध में अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि एक राहगीर ने सुबह के समय गली के कोने पर पड़े शव को देखा और स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि बच्चे का गला कटा शव उसके घर से लगभग 250 मीटर दूर पड़ा मिला। पुलिस ने कहा कि मामले में शामिल संदिग्धों को पकड़ने के लिए टीमें बनाई गई हैं और हत्या के बीच की वजह का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

स्टेडियम के आसपास पानी का छिड़काव

नई दिल्ली। प्रदूषण के खतरनाक स्तर के बीच रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 क्रिकेट मुकाबला होना है। इसी के मद्देनजर इलाके में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने प्रदूषण के खिलाफ मुहिम छेड़ रखा है। स्टेडियम के आसपास पानी का छिड़काव किया जा रहा है। एसडीएमसी ने इलाके में प्रदूषण को देखते हुए विशेष टीमें बनाई हैं। यहां 9 अतिरिक्त वाटर टैंकर, 2 मैकेनिकल स्वीपर और 35 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इलाके में नजर रखने के लिए 2 नाईट पेट्रोलिंग टीम भी लगाई गई हैं।

25 SILVER JUBILEE
LAL BAHADUR SHASTRI INSTITUTE OF MANAGEMENT, DELHI
Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. of India
ANNOUNCES ADMISSION 2020

POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (GENERAL) FULL TIME (NBA APPROVED)	POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (FINANCE) FULL TIME (NBA APPROVED)
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (RESEARCH AND BUSINESS ANALYTICS) FULL TIME	POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (LOGISTICS AND SUPPLY CHAIN MANAGEMENT) FULL TIME

ADMISSION PROCEDURE
- **Eligibility:** Graduation or equivalent degree in any discipline from a recognized university. Students graduating in 2020 may also apply.
- **Selection:** Shall be based on CAT/Current GMAT Score, Written Ability Test (WAT), Group Discussion, Personal Interview, Academic, Extra-Curricular Achievements and Work Experience.
- **Written Ability Test (WAT), Group Discussion and Personal Interview Centers:** Ahmedabad, Bengaluru, Bhubaneswar, Chandigarh, Chennai, Delhi, Guwahati, Hyderabad, Indore, Kolkata, Mumbai, Patna, Thiruvananthapuram.
- Candidates can apply **either** online at **https://forms.lbsim.ac.in** on payment of Rs.1,250/- **or** through duly filled in application forms available at the Institute for Rs.1,250/-.
- **PLACEMENT:** Consistent strong placement record since the inception of the institute. Refer institute website for more details.
- **HOSTEL:** Lal Bahadur Shastri Hostel available separately for boys and girls.

Last date for applying 15 DECEMBER 2019
AACSB
Apply to: Admission Coordinator
Lal Bahadur Shastri Institute of Management
Plot No.11/7, Sector-11, (Near Sector-11 Metro Station) Dwarka, New Delhi- 110075, Phone: 011-25307700
Email: admission@lbsim.ac.in
Website: www.lbsim.ac.in

डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की कामना

सूर्य देव की प्रतिमा पर व्रतियों का लगा रहा जमावड़ा

आज व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटों के व्रत का करेंगे समापन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुड़गांव में निवास करने वाले पूर्वांचल मूल के लाखों परिवार सूर्य देव के छठ पर्व का आयोजन पिछले 2 दिन से करते आ रहे हैं। आयोजन के तीसरे दिन शनिवार को व्रतधारियों ने छठ पर्व का व्रत रख आयोजन स्थलों पर धार्मिक अनुष्ठान किए। सूर्य देव की प्रतिमा की उपासना भी व्रतियों द्वारा की गई। आयोजन स्थलों पर धार्मिकता का वातावरण बना हुआ दिखाई दिया।

मुख्य आयोजन शीतला माता मंदिर परिसर स्थित ब्रह्म सरोवर पर किया जा रहा है। इसी प्रकार शहर के दर्जनों स्थानों पर भी सरोवरों और घाटों की व्यवस्था कर सेक्टर 4 स्थित फाउण्टेन पार्क, देवीलाल नगर स्थित मन कामेश्वर मंदिर, राजेंद्रा पार्क, सूरत नगर, भीमगढ़ खेड़ी, गुड़गांव गांव, मौंजीवाला कुआं, बजीराबाद, चकरपुर, सिकंदरपुर, मारुति कुंज और साथ लगते आधा दर्जन क्षेत्रों में अस्थायी घाटों की व्यवस्था की गई है। सायं होते-होते सभी व्रतियों ने ब्रह्मसरोवर, घाटों व तालाबों में खड़े होकर भगवान सूर्य की आराधना के साथ डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और अपने परिवारों की सुख-समृद्धि की कामना भी सूर्यदेव से की। व्रतियों में महिलाओं की संख्या भी किसी भी हालत में पुरुषों से कम दिखाई नहीं दी। महिलाएं सूर्य देव से संबंधित लोकगीत भी गुनगुना रही थी।

36 घंटे का निर्जला व्रत

पंडित मुकेश शर्मा का कहना है कि व्रतियों ने छठ पर्व का व्रत गत सायं से ही खरना पूजन कर प्रसाद वितरण के बाद रख लिया था। वे पूरी रात छठ पर्व से संबंधित लोकगीत भी गुनगुनाते रहे और धार्मिकता में अपना ध्यान लगाया। 36 घंटे बाद रविवार प्रात: उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती अपने व्रतों का समापन करेंगे। सूर्य देव को अर्घ्य देने से पूर्व कई धार्मिक अनुष्ठान भी किए जाते हैं। व्रती इनका भी पालन करेंगे। इन सब से परिवारों में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में भी उल्लेख है कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी पर व्रतधारी जलाशयों में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने और परिवार की खुशहाली के लिए उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा चली आ रही है।

स्थानीय लोग कर रहे हैं सहयोग

इस आयोजन में राजनेताओं के अलावा स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में शामिल होते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोग बिहार मूल के परिवारों को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए भी दिखाई दिए। स्थानीय लोग इस आयोजन को पूरा सहयोग कर रहे हैं। शीतला माता मंदिर परिसर में पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति द्वारा छठ पर्व का आयोजन किया गया है। संस्था के कृष्ण कुमार, संत कुमार व संजय सिंह अपनी पूरी टीम के साथ आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं। इस आयोजन में हजारों की संख्या में व्रतियों ने भाग लिया है। संस्था ने व्रतियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा है। ब्रह्म सरोवर में स्वच्छ जल भरा गया है, ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

छठ महोत्सव का विभिन्न क्षेत्रों में आयोजन किया गया है। आयोजकों ने पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों से संपर्क स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग की थी। पुलिस ने जलाशयों व घाटों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया है। सभी आयोजन स्थलों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए, जिनमें महिला पुलिसकर्मियों की संख्या भी अच्छी-खासी दिखाई दी। यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे, इसके लिए शीतला माता मंदिर रोड पर यातयात पुलिस ने पुख्ता व्यवस्था की हुई है।

सोहना में छठ पूजा धूमधाम से की

सोहना। सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में छठ पूजा की गई। सैकड़ों की संख्या में छठ व्रत रखने वाली महिलाओं ने अस्त होते हुए सूरज को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर सोहना विधानसभा कंवर संजय सिंह ने भी भाग लिया। सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम शनिवार की दोपहर बाद सायं पांच बजे से छठ का व्रत रखने वाली महिलाओं ने ढलते सूरज को अर्घ्य दिया। स्टेडियम में बनाया गया कुंड में घुसकर व्रती महिलाओं ने पूजा-अर्चना की। पतियों ने व्रती पत्नियों के साथ पूजा की और अस्त होते हुए सूरज को अर्घ्य दिलाने में सहयोग किया। इस अवसर पर सोहना विधायक कंवर संजय सिंह ने आश्वासन दिया कि अगले साल तक छठ पूजा के लिए सोहना में विशेष जगह दी जाएगी। ताकि कमेटी को बार-बार कुंड बनवाने की आवश्यकता नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

भोंडसी में चला आ रहा धरना 17वें दिन समाप्त

सोहना। भोंडसी में पिछले 16 दिनों से चला आ रहा सती माता मंदिर की सुरक्षा को लेकर धरना शनिवार को समाप्त हो गया। ग्रामीणों ने सोहना-गुरुग्राम के बीच चल रहा सड़क निर्माण में मंदिर तोड़े जाने को लेकर धरना दिया था, लेकिन राष्ट्रीय राज्य मार्ग निर्माण विभाग अधिकारियों के दिए गए आश्वासन के बाद धरना समाप्त कर दिया। गुरुग्राम से सोहना के बीच बन रहा राज्य मार्ग के निर्माण कार्य में भोंडसी स्थित सती माता मंदिर तोड़े जाने की संभावना को लेकर ग्रामीणों ने 17 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना दिया था। ग्रामीणों की मांग थी कि सती माता मंदिर की एक ईंट तक नहीं हटने दी जाएगी। स्थानीय निवासी कपिल राघव ने बताया कि धरना देने का उद्देश्य माता सती मंदिर को सुरक्षित बचाना था। क्योंकि माता सती का मंदिर भोंडसी का सबसे प्राचीन मंदिर और सबसे अधिक अस्था का मंदिर रहा है। अजय का कहना है कि मंदिर की दीवार और परिसर को राज्य मार्ग में किसी भी सूरत में नहीं आने दिया जाएगा। अनुज गुप्ता ने बताया कि विभाग के उच्चाधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि मंदिर की दीवार सुरक्षित रहेंगी। सड़क निर्माण में कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपना धरना समाप्त कर दिया।

विजेंद्र सिंह फौगाट को मिला हरियाणा गौरव शिक्षक अवॉर्ड

गुरुग्राम। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर भीमगढ़ खेड़ी स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत विजेंद्र सिंह फौगाट को सामाजिक संस्था मंथन एक नूतन प्रयास एवं कपिल मुनि कला मंच द्वारा हरियाणा गौरव शिक्षक अवार्ड से पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के संयोजक सुरेश राणा ने बताया कि विजेंद्र सिंह फौगाट को यह पुरस्कार सामाजिक कार्यों बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नारी शिक्षा, जल संरक्षण, स्वच्छता अभियान, शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान व सरकारी शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए दिया गया है। विजेंद्र का कहना है कि कर्मठ शिक्षकों में उत्साहवर्धन के लिए संस्था सराहनीय कार्य कर रही है। सम्मान मिलने से शिक्षकों में नई ऊर्जा का संचार होता है। यह सम्मान शिक्षा के प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित होगा।

छीनाझपटी के आरोपी को पांच साल की कैद

गुरुग्राम। छीनाझपटी के मामले की सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमएम धौंचक की अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 साल की कैद व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माने का भुगतान न करने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। जिला उप न्यायवादी अनुराग हुड्डा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के हेलीमंडी गांव के अभिषेक शर्मा ने इस वर्ष 12 मार्च को जीआरपी थाना गुड़गांव में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह 12 मार्च की सायं गुड़गांव स्थित रेलवे स्टेशन पर हेलीमंडी जाने के लिए प्लेटफार्म नंबर एक पर गाड़ी की प्रतीक्षा कर रहा था और मोबाइल पर अपने पिता से बात भी कर रहा था। तभी एक युवक आया और उसका मोबाइल झपटकर भागने लगा। शोर मचाने पर प्लेटफार्म पर तैनात जीआरपी कर्मियों ने युवक को काबू कर लिया। युवक की पहचान अलवर के जबीर खान के रूप में हुई थी। नायक कोर्ट रविंद्र कुमार ने बताया कि जीआरपी ने कई जीआरपी कर्मियों की गवाही कराई, जिससे आरोपी पर लगे आरोप सिद्ध होना पाते हुए अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 साल की कैद व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुना दी है।

नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन

सोहना। जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से सोहना के नागरिक अस्पताल में आयोजित एक दिवसीय रक्तदान शिविर में आठ रक्त दाताओं ने रक्तदान किया। शनिवार को सोहना के नागरिक अस्पताल में लगे शिविर में आठ लोगों ने रक्तदान किया। डॉक्टर अमित कुमार ने बताया कि रक्तदान के वक्त अगर कुछ चीजों को लेकर सावधानी न बरती जाए तो यह मौत का कारण भी बन सकता है। इसलिए रक्तदान से पहले रक्तदाता की मेडिकल जांच कराई जाती है। ताकि किसी तरह के खतरे की संभावना न रहे। इस अवसर पर डॉ अमित आईसीटीसी काउंसलर दीपक मेहरोलिया, एलटी रचिता ,एलटी योजना व स्टाफ नर्स मौजूद मौजूद रहे।

छह दिवसीय सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन

गुरुग्राम। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) द्वारा उप क्षेत्री कार्यालय परिसर में 6 दिवसीय सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें बीमा निगम से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। बीमा निगम के निदेशक रत्नेश कुमार गौतम ने बताया कि कार्यक्रम में एसपी अग्रवाल, नागर बंसल, मुकेश गर्ग, कुशल, राजबीर व मोहित मुख्य रुप से शामिल हुए। उन्होंने कहा कि देश को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए ईमानदारी से कार्य करना चाहिए। जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदार व निष्ठावान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीमा निगम का कार्य ऑनलाइन होने से नियोक्ता और कर्मचारियों को आसानी हुई है और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आई है। किसी भी संस्थान के हर छोटे से छोटे कर्मचारी के ईमानदार होने से ही उस संस्थान की कार्यप्रणाली सुचारु रुप से कार्य कर सकती है। हर पद पर आसीन कर्मचारी बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों से निगम में व्यवस्था में और सुधार करने के विषय में सुझाव मांगे एवं आवश्यकतानुसार बदलाव का आश्वासन भी दिया।

परचून दुकानदार व उसके भतीजे को चार युवकों ने पीटा

सोहना। बाइक सवार चार युवकों ने परचून दुकानदार और उसके भतीजे से उधार सामान न देने पर मारपीट कर दी। भोंडसी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव महेन्द्रवाड़ा निवासी रिंकू पुत्र प्रेमराज ने पुलिस को बताया कि उसके ताऊ परमीट रोड पर परचून की दुकान करते हैं। शुक्रवार दोपहर 12 चार युवक उसके ताऊ की दुकान पर आए। वे लोग उधार सामान मांग रहे थे। सामान देने से मना करने पर चारों युवक तू-तड़ाक करने लगे। जब उसने विरोध किया तो उन्होंने ने लोहे की रॉढ से मारपीट कर दी। चारों युवक पास के गांव रिठौज के रहने वाले हैं। भोंडसी थाना पुलिस ने रिंकू की शिकायत पर मामला करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

घर में घुसकर मां-बेटी पर जान लेवा हमला

सोहना। भोंडसी में एक लाख रुपये की उधार दी गई रकम वापस मांगने पर मां-बेटी को आरोपियों ने घर में घुसकर पीटा। पीड़ित की शिकायत पर भोंडसी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। भोंडसी निवासी रजनी पुत्री राजबीर ने पुलिस को बताया कि उसका उसके पति से झगड़ा चल रहा है। जिसके कारण वह भोंडसी में अपनी मां-भाई के साथ रह रही है। उसकी मां ने गांव के ही निवासी विनोद पुत्र महेन्द्र को एक लाख रुपये उधार दिए थे। उसकी मां ने विनोद से अपने एक लाख रुपये वापस मांगे तो विनोद देने से इंकार कर रहा है। रजनी ने बताया कि विनोद की बेटी ज्योति उसके पति को उसके खिलाफ भड़काती है। उसके पति से ज्योति ने 50 हजार रुपये और आभूषण भी ले रखे हैं। यह सब उसने ज्योति से मांगे तो उसका पिता, भाई तरुण, बहन नीरू, आरती आदि उनके घर में घुस आए। जिन्होंने उसे और उसकी मां को पीटा। विनोद ने उसकी मां पर चाकू से वार किया।

हादसों को न्योता दे रही वार्ड 7 में खुदी पाइप लाइन की नाली

नूंह। फिरोजपुर झिरका शहर के वार्ड 7 में बसे घरों के सामने नगर पालिका द्वारा करीब महीने भर पहले खोदी गई पाइप लाइन की करीब पांच सौ मीटर की नाली अब भी अधूरी पड़ी हुई है, जिसमें बच्चों के गिरने का डर बना रहता है। इसके अलावा रात के अंधेरे में भी लोगों को इस नाली में गिरने का डर सताता रहता है, लेकिन नपा द्वारा नाली के गड्ढे को दबाने का नाम नहीं लिया जा रहा है।

वार्डवासी समसू, सिरदारी, कबीर, बंटी, बरकत, कासम आदि ने बताया कि लगभग 20 दिन पहले नगरपालिका की ओर से पाइप लाइन की नाली खोदी गई थी। जिसमें से नपा ने नाली का कुछ हिस्सा अधूरा खुला छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि बताया कि हमारे छोटे-छोटे बच्चे यहीं पर खेलते कूदते हैं और स्कूल जाने वाले बच्चे भी इसी नाली के पास से गुजरते हैं। आरोप है कि नपा को इस बारे में कई बार अवगत कराया है, लेकिन नपा के कर्मचारी इस ओर अनदेखी कर रहे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि यदि इस नाली से कोई हादसा हुआ तो उसका जिम्मेदार सिर्फ नपा होगी। वार्ड 7 के लोगों ने खुदी हुई नाली को जल्द दबाने की मांग की है, ताकि किसी तरह का कोई हादसा ना हो।

छात्राओं के लिए और बस चलाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सामान्य बस स्टैंड से गुरुग्राम मैट्रो स्टेशन के लिए बस का इंतजार करते यात्री।

गुरुग्राम-सोहना के बीच छात्राओं के लिए दो बसें चलाए जाने की मांग बढ़ती जा रही है। इसके अलावा सोहना-हुड्डा सिटी सेंटर के बीच बंद बस सेवा दोबारा से शुरू किए जाने की मांग स्थानीय लोग जीएम और हरियाणा सरकार से लिखित में करेंगे।

सोहना व आस पास के ग्रामीण क्षेत्र से रोजाना सैकड़ों बेटियां गुरुग्राम व दिल्ली शिक्षा प्राप्ती के लिए जाती हैं, लेकिन एक मात्र बस चलने से छात्राओं को परेशानी हो रही है। छात्राओं ने अब एक और बस चलाए जाने की मांग की है। सोहना के सामान्य बस स्टैंड प्रभारी को लिखित में शिकायत देते हुए मांग की है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में शिक्षा प्राप्ती के लिए जाने वाली तनीशा का कहना है कि सुबह चलने वाली छात्राओं के लिए स्पेशल बस निकल जाने के बाद अन्य बसों में धक्के खाने पड़ते हैं। गुरुग्राम सेक्टर-14 महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा वंदना का कहना है कि दोपहर के समय में भी गुरुग्राम से दो बसें चलनी चाहिए। बसों में जीडी गोयनका व केआर मंगलम यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्राएं भी सफर करती हैं। जो बेटियों के लिए सबसे सुरक्षित बसें हैं।

सोहना से हुड्डा सिटी सेंटर तक बस सेवा ठप

26 जुलाई से सोहना और हुड्डा सिटी सेंटर के बीच चलने वाली बस सेवाएं ठप पड़ी है। जो छात्राएं दिल्ली शिक्षा प्राप्ती के लिए मेट्रो का सफर करती थीं। उन्हें अब हुड्डा सिटी सेंटर पहुंचने के लिए दो से तीन बार वाहन बदलने पड़ते हैं।

सोहना बस स्टैंड प्रभारी गणेश यादव का कहना है कि छात्राओं के लिए एक और बस चलाए जाने की मांग उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों के समक्ष कई बार रखी है। इसके अलावा सोहना विधायक के समक्ष भी रखी है। उन्होंने बताया कि निगम की बसें भोंडसी तक आ रही हैं, जो सोहना तक आनी चाहिए। ताकि यात्रियों को आसानी से गुरुग्राम जाना व आना हो सके।

एक मुश्त निपटान योजना सरकार का बेहतरीन फैसला : जीएल शर्मा

गुरुग्राम। हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ के चेयरमैन जीएल शर्मा ने प्रदेश के मिल्क प्लांटों को एक मुश्त निपटान योजना के तहत लाभ देने के प्रदेश सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश के मिल्क प्लांटों को फायदा होगा। बता दें कि इस योजना के तहत मिल्क प्लांट के बकाया मिल्क सेस के चक्रवर्ती ब्याज को साधारण ब्याज में बदला गया है। इससे मिल्क प्लांट मालिकों को एक हजार 268 करोड रुपये का लाभ मिलेगा। पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने फैसला कर हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड को मिल्क प्लांटों को मिल्क सेस पर लगने वाले चक्रवर्ती ब्याज को 12 प्रतिशत साधारण ब्याज में तब्दील कर दिया है। इसके बकाया भुगतान के एकमुश्त निपटान करने पर अब मिल्क प्लांट मालिकों को सेस का चक्रवर्ती ब्याज न देकर केवल सेस का भुगतान करना होगा।

मुआवजा माफी के लिए विधायक से मिला किसानों का प्रतिनिधि मंडल

पायनियर समाचार सेवा। फर्रुखनगर

विधायक राकेश दौलताबाद को तीन गांवों के मुबावजा माफी की फाइल सौंपता प्रतिनिधि मंडल।

खंड फर्रुखनगर के ढांणा, बांस कुसला, बांस हरिया आदि तीन गांवों का का एक प्रतिनिधि मंडल शनिवार को सरपंच प्रवीण धनखड़, समाजसेवी सतेंद्र धनखड़ की अगुवाई में बादशाहपुर विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक राकेश दौलताबाद से मिले। प्रतिनिधि मंडल ने विधायक के समक्ष तीनों गांवों की 950 एकड़ भूमि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा किसानों को मुआवजा लौटाने के निर्णय से अवज्ञत कराया और सरकार से किसानों को रहात प्रदान कराने की गुहार लगाई।

विधायक राकेश दौलताबाद ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि किसानों के हक हकूक की लड़ाई लड़ने में वह पीछे नहीं हटेंगे और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटटर से किसानों को मुआवजा माफी की मांग करेंगे। ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। किसानों की मांग को विधानसभा में पूरे जोर-शोर से उठाएंगे ताकि किसानों को न्याय मिल सके।

विधायक राकेश दौलताबाद को करीब ढाई सौ पेज की फाइल सौंपने के बाद सरपंच प्रवीण धनखड़, समाजसेवी सतेंद्र धनखड़, लीलू प्रधान, पूर्णसिंह, मोनू धनखड़, पूर्व सरपंच मूलचंद धनखड़ आदि किसानों ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की जमीन फेस दो, तीन, चार आईएमटी मानेसर के लिए वर्ष 2003/ 2004 में अवॉर्ड करने के बाद किसानों को नहीं के बराबर मुआवजा दिया गया था।

संजय सिंह को मंत्रीमंडल में शामिल करने की मांग

नूंह। तावडू-सोहना विधानसभा से बीजेपी के टिकट पर जीत दर्ज करने वाले संजय सिंह को मंत्रीमंडल में शामिल करने की मांग जिले में तेजी से उठ रही है। लोगों का कहना है कि जिस उम्मीद के साथ लोगों ने संजय सिंह को भारी मतों से जिताया है पार्टी को उसी हिसाब से संजय सिंह को मंत्रीमंडल में शामिल करना चाहिए ताकि इलाके का भरपूर विकास हो सके।

राजपूत करणी सैना के प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर संजय सिंह जिला अध्यक्ष मोनू, जेलदार, देवसेना, मोनू साही, मोहित, धर्मेंद्र साहू, रवि, प्रदीप पहलवान, संजू चेतन, अमन शिवा, अमित कौशल, राजीव सुधीर सहित इलाके के गणमान्य लोगों का कहना है कि इलाके के लोगों ने संजय सिंह को इसलिए जिताया है, कि पार्टी उन्हें किसी बड़े पद से नवाजेगी।

अदालत ने बिजली चोरी का मामला पाया गलत

उपभोक्ता को वापस करें एक लाख 21 हजार 371 रुपये की जुर्माना राशि

गुरुग्राम। बिजली चोरी के मामले की सुनवाई करते हुए सिविल जज हरजोत कौर की अदालत ने महिला उपभोक्ता को राहत देते हुए बिजली निगम द्वारा बनाए गए मामले को गलत पाते हुए उपभोक्ता द्वारा जमा कराई गई एक लाख 21 हजार 371 रुपये की धनराशि को दो माह के भीतर वापस करने का आदेश दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि यदि बिजली निगम निश्चित समयावधि में भुगतान नहीं करता है तो उसे 6 प्रतिशत ब्याज दर से उपभोक्ता को भुगतान करना होगा। उपभोक्ता के अधिवक्ता क्षितिज मेहता से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के गांव इस्लामपुर की संतोष ने वर्ष 2017 की 24 अक्टूबर को बिजली निगम में शिकायत दी थी कि उसका बिजली का मीटर जल गया है उसे बदला जाए, लेकिन बिजली निगम के जेई ने मीटर बदलने की बजाय उपभोक्ता पर ही आरोप लगा दिए कि वह मीटर बाईपास कर बिजली की चोरी कर रही थी और उसके खिलाफ बिजली चोरी का केस बनाते हुए एक लाख 21 हजार 371 रुपये का जुर्माना लगा दिया। उपभोक्ता ने सीएम विण्डो पर भी शिकायत दी थी, लेकिन वहां से भी उसे कोई न्याय नहीं मिला। अधिवक्ता का कहना है कि बिजली निगम ने अदालत में जो गवाह व दस्तावेज पेश किए, उनसे उपभोक्ता पर लगे बिजली चोरी के आरोप सिद्ध नहीं हुए।

30 नवंबर तक कर सकते हैं सोलर पंप का आवेदन : एडीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाले किसानों के लिए अनुदान पर सौर ऊर्जा पंप दिए जा रहे हैं। जो किसान डीजल पंप से सिंचाई कर रहे हैं, उन्हें 3 से 10 एचपी तक के सौर ऊर्जा पंप 75 प्रतिशत अनुदान पर दिए जाएंगे।

डीजल पंप से सिंचाई करने पर किसान का काफी खर्चा होता है और पर्यावरण भी दूषित होता है। इसके अलावा गोशालाओं वाटर यूजर एसोसिएशन, सामूहिक सिंचाई सिस्टम को भी 75 प्रतिशत अनुदान पर सौर ऊर्जा पंप दिए जाएंगे। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक पदम सिंह, ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा 3 एचपी, 5 एचपी, 7.5 एचपी व 10 एचपी के सौर ऊर्जा पंप 75 प्रतिशत अनुदान पर दिये जाएंगे। ये पंप केवल उन्हीं किसानों को दिये जाएंगे जो किसान सूक्ष्म सिंचाई संयंत्र जैसे फव्वारा अथवा ड्रिप से कृषि सिंचाई करते हों और अपने खेत में जमीनी पाइप लाइन दबाकर सिंचाई करते हों। जिन किसानों ने दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम में ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है और सौलर पंप लगवाने को प्राथमिकता दी हुई हो उन किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए जमीन की फर्द, आवेदनकर्ता की फोटो, आधार कार्ड व अन्य एक आईडी स्वयं सत्यापित करके आवेदन करवा सकते हैं।

धान की सरकारी खरीद न होने से किसान परेशान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना की अनाज मंडी में क्षेत्र का किसान अपनी धान की फसल को सरकारी खरीद न होने के कारण औने-पौने भाव में बेचने को मजबूर।

औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर 1000 से 1200 का हो रहा घाटा

सोहना की अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद न होने से किसान अपनी फसल को औने-पौने भाव बेचने को मजबूर हो रहा है। अभी तक मंडी में 1800 क्विंटल धान की आवक हुई है।

एक तरफ प्रदेश सरकार किसानों के हर दुख का साथी बनने का दावा कर रही है। वहीं दूसरी तरफ सोहना की अनाज मंडी में अपनी खून-पसीना से सिंची गई धान की फसल लेकर आ रहे किसान को सरकारी खरीद न होने के कारण धान को औने-पौने में निजी आढ़तियों के हाथों में बेचना पड़ रहा है। किसान को धान की फसल के पैदावार पर खर्च की गई कुल राशि भी वसूल नहीं हो रहा है, लेकिन बेचारा किसान अपनी फसल को सरकारी कीमतों से कम दमों में बेचने को मजबूर है।

क्या कहता है किसान

गांव बालूदा निवासी किसान महेश का कहना है कि स्थानीय आढ़ति उनकी फसल को 2400 से लेकर 2500 रुपये के बीच में खरीद रहा है। जबकि हरियाणा सरकार की तरफ से धान की सरकारी कीमत 3500 के लगभग है। क्षेत्र का किसान अपनी फसल 1000 से 1200 रुपये क्विंटल घाटे में बेच रहा है। किसान रामेश्वर का कहना है कि सोहना में भी धान की सरकारी बोली होनी चाहिए। ताकि क्षेत्र की किसान को उसकी मेहनत का पूरा हक मिल सके।

क्या कहते हैं अधिकारी

मार्केट कमेटी के सचिव राजेन्द्र सिंह का कहना है कि सोहना की अनाज मंडी में कभी-कभी ही सरकारी एजेंसियां धान की फसल खरीदने आती हैं। इस बार तो स्थानीय आढ़त ही धान की निजी स्तर पर खरीद कर रहे हैं। अभी तक 1800 क्विंटल धान की आवक हुई है।

कांग्रेसी विधायक नीरज शर्मा के भाई मुनीष पुलिस हिरासत में

भाजपा प्रत्याशी नगेंद्र भड़ाना के दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भड़ाना के कार्यालय में अज्ञात लोगों द्वारा की गई तोड़फोड़ के मामले में अपराध शाखा सेक्टर 48 ने एनआईटी 86 के विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई मुनीष शर्मा और उनके कुछ समर्थकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। विधायक शर्मा का आरोप है कि सरकार के इशारे पर पुलिस इस मामले को लेकर लगातार उन्हें व उनके समर्थकों को परेशान कर रही है। चुनावी रंजिश का बदला लेने के लिए उन्हें पुलिस के माध्यम से प्रताड़ित करवाया जा रहा है।

क्या है मामला : जवाहर कॉलोनी की 60 फुट रोड पर स्थित भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भड़ाना के कार्यालय के चौकीदार वीरेंद्र ने गत 25 अक्टूबर को थाना सारन में मामला दर्ज करवाया था कि रात को दो कारों पर सवार होकर आए कुछ लोगों ने कार्यालय पर हमला कर दिया। हमलावरों ने कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। इस घटना में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई थी। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी थी। मामले की जांच बाद में अपराध शाखा सेक्टर 48 को सौंपी गई थी।

पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप: एनआईटी 86 के विधायक नीरज शर्मा का कहना है कि 20 अक्टूबर की रात को कुछ लोगों ने उनकी गाड़ियों को रास्ते में रोक लिया और तोड़फोड़ की थी। इसके कुछ देर बाद भाजपा प्रत्याशी नागेंद्र भड़ाना के कार्यालय में भी अज्ञात लोगों द्वारा तोड़फोड़ की गई। घटना 20 अक्टूबर की थी, लेकिन पुलिस ने मामला 25 अक्टूबर को दर्ज किया। पुलिस ने उनके समर्थक की गाड़ी का नंबर दिया था। वह गाड़ी उन्होंने थाने में जमा करवा दी थी। पुलिस ने उनके उस समर्थक को थाने में बुलाकर पीटा और जबरन बयान लिखवाने का प्रयास भी किया। नीरज शर्मा का आरोप है कि पुलिस पिछले चार-पांच दिनों से उन्हें वह उनके समर्थकों को परेशान कर रही है। पुलिस देर रात उनके समर्थकों के घर पर छापेमार कर प्रताड़ित कर रही है। पुलिस सरकार के इशारे पर उन्हें जान-बूझकर प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने डीजीपी से मुलाकात कर स्टेट क्राइम से अपने मामले की जांच करवाने की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग नहीं मानी गई। जबकि भाजपा प्रत्याशी के मामले में पुलिस उनके किसी भी समर्थक को प्रताड़ित कर रही है।

पूछताछ के लिए हिरासत में लिया

अपराध शाखा सेक्टर 48 की टीम उसी दिन से आरोपियों का सुराग लगने का प्रयास कर रही है। छानबीन के दौरान एनआईटी 86 विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा के समर्थक पुलिस के संदेह के घेरे में थे। इसी कड़ी में शनिवार को अपराध शाखा की टीम ने विधायक नीरज शर्मा के बड़े भाई मुनीष शर्मा और उनके कुछ समर्थकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मुनीष शर्मा और उनके समर्थकों से पूछताछ कर रही है। पुलिस प्रवक्त सूबेसिंह ने बताया कि मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने मुनीष शर्मा को पूछताछ के लिए अपने कार्यालय में बुलाया है।

मास्क लगाने के लिए स्कूली बच्चों को किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा विभाग के द्वारा बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए सभी स्कूलों को एक एडवाइजरी जारी की थी कि प्रदूषण के दौरान पांच नवंबर तक स्कूलों में खेल प्रतियोगिता आयोजित न करें और छात्रों को प्ले ग्राउंड में न जाने दें। उन्हें मास्क लगाकर आने के लिए प्रेरित करें और प्रदूषण से बचाव के उपाय बताए। निर्देशों के मद्देनजर अब छात्र स्कूलों में मास्क लगाकर आ रहे है। एत्मादपुर के प्राईमरी स्कूल में ऐसा ही नजारा देखा गया।

यह है एडवाइजरी

एडवाइजरी के मुताबिक खेल प्रतियोगिता और प्ले ग्राउंड में बच्चों को ले जाना बंद कर दिया गया है। स्कूल परिसर में लगे पेड़-पौधों को समय-समय पर पानी देने से लेकर छात्रों को मास्क लगाने के निर्देश हैं। प्रार्थना के दौरान उन्हें प्रदूषण और इससे होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। स्कूल के आसपास रह रहे लोगों को भी कूड़ा या गंदगी न फैलाने के लिए जागरूक किया गया।

इसलिए जारी एडवाइजरी

शहर में 367 के करीब सरकारी और हरियाणा तथा सीबीएसई बोर्ड के करीब 1500 से अधिक प्राइवेट स्कूल है, जिनमें 3.5 लाख से अधिक बच्चे पढ़ाई करते हैं। बढ़ते प्रदूषण के स्तर को देखते हुए सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की तरफ से शहर में स्वास्थ्य अपातकाल घोषित किया है। इसलिए यह एडवाईजरी जारी की गई है।

अधिकारी का कथन

मौलिक शिक्षा अधिकारी शशि अहलावत ने बताया कि स्कूलों में प्रर्थना के दौरान कम से कम 10 मिनट तक प्रदूषण प्रदूषण से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जाएगा। बच्चों को मास्क लगाकर स्कूल आने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हेडमास्टरों को निर्देश है कि वह स्कूल के आसपास लोगों को प्रदूषण के प्रति जागरूक करें।

छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने के लिए सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने छात्र संघ चुनाव तुरंत बहाल कराने के लिए जिले के दो विधायकों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। एबीवीपी के जिला संयोजक माधव रावत ने बताया कि छात्रसंघ चुनाव बहाल करवाने के लिए फरीदाबाद के विधायक नरेन्द्र गुप्ता और तिगांव विधायक राजेश नागर को एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। जो लगातार 365 दिन छात्र हित के साथ-साथ कैंपस में रचनात्मक और सामाजिक जीवन की बेहतरी एवं सुरक्षा को ध्यान में रखकर निरन्तर कार्य करती हैं। हरियाणा में 22 वर्षों बाद हरियाणा सरकार ने छात्रसंघ चुनाव बहाल किए, इस फैसले का विद्यार्थी परिषद ने स्वागत किया।

निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 272/17 (आईडी नंबर 1352/17) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध अंजलि मल्होत्रा के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : स्कोडा 2.0 एएमबी टीडीआई सीआर एटी रजि. नंबर : DL4CNA5501 विनिर्माण वर्ष : 2011
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : वीरेन्द्र यादव ; मोबाइल नंबर: 9205272674
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

निम्नलिखित सम्पत्ति वाद (कॉम) सं. 3/9 (आईडी नंबर 87/2019) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध देवेन्द्र कुमार के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन: मेक: टाटा जेस्ट एक्सएमएस रजि. नंबर: HR26DG5765 विनिर्माण वर्ष: 2017
2. नीलामी की तिथि एवं समय: 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान: गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति: अमरदीप सिंह; मोबाइल नंबर: 9205994227
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीसीटीवी कैमरों के बावजूद आगमन सोसायटी में चोरी

फरीदाबाद। सेक्टर 70 आईएमटी क्षेत्र की आगमन सोसायटी में शनिवार को एक फ्लैट में चोरों ने सेंध लगा दी। चोर फ्लैट से 25 हजार नगद व जेवरात ले गए हैं। सोसायटी प्रबंधन की तरफ से यहां सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे व गार्ड्स भी रखे हुए हैं, किंतु चोरी के वक्त कैमरे बंद थे। सोसायटी के लोगों ने इस घटना पर कड़ा रोष जताया है। पुलिस को शिकायत दे दी गई है। शिकायतकर्ता गौरव शर्मा के मुताबिक वह टी-3 के फ्लैट नंबर 1006 में रहते हैं। किसी जरूरी काम से परिवार सहित बाहर गए थे। शाम को लौटे तो देखा कि फ्लैट के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर सारा सामान फैला पड़ा था। उन्होंने जब सोसायटी के बिल्डर ऑफिस में कैमरे देखें, तो पता चला कि वे किसी ने बंद कर रखे थे। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत बिल्डर से भी की है। सोसायटी यहां अपनी सुरक्षा और गुणवत्ता के लिए महत्व रखती है, लेकिन लापरवाह सिक्योरिटी बिल्डर की तमाम कोशिशों को पलीता लगा रहे हैं। आगमन के निदेशक प्रमोद गुप्ता ने बताया है कि वे इस पूरे मामले में सख्त संज्ञान लेंगे। जो भी लापरवाह होगा, उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शराब ठेके के सेल्समैन की मौत, हत्या की आशंका

फरीदाबाद। गांव मोठूका स्थित शराब के ठेके के एक सेल्समैन का शव गोल्ड फिल्ड कॉलेज के पास पड़ा हुआ था। जबकि मृतक की बाइक उससे काफी दूरी पर पड़ी हुई थी। सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस इसे दुर्घटना का मामला मान कर चल रही है। जबकि मृतक के परिजनों द्वारा हत्या किए जाने की आशंका प्रकट की जा रही है। थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक छांयसा गांव निवासी मनीष उर्फ अमित गांव मोठूका-छांयसा मार्ग पर स्थित एक शराब के ठेके पर सेल्समैन का काम करता था। शुक्रवार की रात को करीब दस बजे ठेका बंद कर वह बाइक पर घर के लिए निकला था, लेकिन वह घर नहीं पहुंचा। परिजन उसके मोबाइल पर फोन करते रहे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिल रहा था। शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि गोल्ड फील्ड कॉलेज के के पास सड़क के किनारे एक युवक मृत पड़ा है। जबकि उसकी बाइक उससे थोड़ी दूरी पड़ी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक की जेब में मिले पहचान संबंधी दस्तावेजों की मदद से परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर मृतक की पहचान छांयसा गांव निवासी मनीष उर्फ अमित के रूप में की। परिजनों ने पहले तो हत्या की आशंका जताई लेकिन बाद में पुलिस के समझाए जाने पर इसे दुर्घटना का मामला मान लिया। पुलिस का मानना है कि किसी अज्ञात वाहन ने रात के समय उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मारी है। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बिजली विभाग उद्योगों को जारी करेगा कनेक्शन

फरीदाबाद। लीन पीरियड के तहत उद्योगों को बिजली निगम कनेक्शन जारी करेगा। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने नए उद्योगों को 500 किलो वाट दिया जाएगा। वहीं पुराने उद्योगों को एक हजार किलो वाट तक लोड को बढ़वाने छुट दी है। इसके लिए उच्च अधिकारियों ने सभी अधीक्षण अभियंता और कार्यकारी अभियंताओं को आदेश जारी किए हैं। जानकारी के मुताबिक बिजली निगम ने लीन पीरियड योजना शुरू की है। सर्दियों में बिजली की मांग कम हो जाती है। लीन पीरियड में उन उद्योगों को बिजली कनेक्शन जारी किए जाते हैं, जिन्होंने पहले कनेक्शन के लिए आवेदन विभाग में किया है। सूत्रों की मानें, तो जिले में ऐसे करीब 150 छोटे-बड़े उद्योग हैं। इन उद्योगों को वर्ष 2019 में बिजली कनेक्शन जारी किया जाएगा। बिजली निगम के एक अधिकारी ने बताया कि नए उद्यमी 500 किलो वाट तक लोड ले सकते हैं। वहीं पुराने अपने बिजली के लोड को एक हजार किलो वाट तक बढ़वा सकते हैं। कनेक्शन जारी करने के साथ ही उपभोक्ता से एक सहमति पत्र भी लिखवाया जाता है। इसके तहत गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने पर उनके कनेक्शन काटे भी जा सकते हैं। बिजली निगम एनआईटी डिवीजन के कार्यकारी अभियंता जितेन्द्र ढुल ने बताया कि बदलते मौसम के कारण बिजली की मांग में कमी आई है। इसके अलावा लीन पीरियड़ के तहत उद्यमियों को कनेक्शन जारी करने के आदेश प्राप्त हुए है। बिजली निगम की ओर से जल्द ही इन आदेशों पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

इनाम का झांसा देकर युवती से 3.5 लाख रुपये ठगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

इनाम में 12 लाख रुपये या टाटा सफारी कार निकलने का झांसा देकर एक अज्ञात व्यक्ति ने बल्लभगढ़ के अहीरवाड़ा निवासी एक युवती से अपने बैंक खाते में करीब साढ़े तीन लाख रुपये डलवा लिए। इसके बाद आरोपी ने फोन बंद कर लिया। धोखाधड़ी का अहसास होने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस को दे दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

थाना शहर बल्लभगढ़ में दर्ज मामले के मुताबिक अहीरवाड़ा में रहने वाली हिमांशी यादव ने अपनी शिकायत में कहा है कि 17 जुलाई को उसके मोबाइल पर एक संदेश आया था, जिसमें लिखा था कि उसने स्नेपडील के लक्की ड्रा में 12 लाख रुपये या टाटा सफारी कार जीती है। कुछ देर बाद नितिन नामक व्यक्ति मोबाइल से फोन कर इस बारे में बात करने लगा। इनाम हासिल करने से पहले वह रजिस्ट्रेशन करवाने की बात कह रहा था। रजिस्ट्रेशन फीस के बदले में उस व्यक्ति ने अपने बैंक खाते में 11 हजार 200 रुपये जमा करवा लिए। इसके उस व्यक्ति के कहने पर उसने 24 हजार रुपये एक अन्य अकाउंट में डाल दिए।

पीड़ित हिमांशी का कहना है कि आरोपी बार-बार नए बहाने बना कर उससे अलग-अलग अकाउंट में रुपये डलवाने लगा। इस तरह से उसने आरोपी के झांसे में आकर अपने पिता से तीन लाख 45 हजार रुपये लेकर अलग अलग अकाउंटों में डाल दिए। संदेह होने पर उसने रुपये लौटाने की मांग की, तो आरोपी ने देने से साफ इनकार कर दिया। परेशान होकर उसने परिजनों की मदद से पुलिस को शिकायत दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

फेसबुक पर दोस्ती कर ठगने वाले तीन नाइजीरियन गिरफ्तार

फरीदाबाद। फेसबुक पर दोस्ती गांठने के बाद उन्हें महंगा गिफ्ट देने का झांसा देकर कस्टम ड्यूटी और अन्य चीजों के नाम पर रुपये ऐंठने वाले तीन नाइजीरियन नागरिकों को अपराध शाखा साइबर सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी सेक्टर आठ में रहने वाले कपिल गुप्ता नामक व्यक्ति से इसी तरीके से करीब 16 लाख रुपये ठग चुके हैड्ड। पुलिस ने इस मामले की जांच के दौरान तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

साइबर सेल के प्रभारी संदीप मोर ने बताया कि सेक्टर आठ निवासी कपिल गुप्ता ने 11 जून] 2019 को थाना सेक्टर सात में यह मामला दर्ज करवाया कि अज्ञात लोगों ने फेसबुक के माध्यम से दोस्ती गांठने के बाद गिफ्ट देने का झांसा देकर अपने बैंक अकाउंटों में 15 लाख 80 हजार रुपये डलवा लिए हैं। इसके बाद पुलिस आयुक्त केके राव के आदेश पर डीसीपी क्राइम राजेश कुमार व एसीपी क्राइम अनिल यादव ने मामले की जांच उन्हें सौंपी थी।

पुलिस ने दिल्ली में रह रहे तीन नाइजीरियन नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान आबुची सैम्युल, मार्टीन ओनियका और चिंगोजिया हाईसेंट के रूप में हुई है। तीनों बिजनेस वीजा पर भारत आए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फेसबुक के माध्यम से दोस्ती गांठते हैं। कुछ दिनों की चैटिंग के बाद वे फोन पर बातचीत शुरू कर देते हैं। इस दौरान वे भरोसा जीतने के लिए कोई सस्ता सा गिफ्ट भी कूरियर के माध्यम से भेज देते हैं। जब पीड़ित पूरी तरह झांसे में आ जाता है, तो वे उसे महंगा गिफ्ट भेजने का झांसा देते हैं। पूरी तरह झांसे में लेकर वे गिफ्ट की कस्टम ड्यूटी भरने और अन्य बहानों से अपने अलग-अलग अकाउंटों में पैसे जमा करवाने शुरू कर देते हैं। पीड़ित को झांसे में लेने के लिए वे कस्टम अधिकारी बनकर भी बात करते थे।

पुलिस प्रवक्ता सूबेसिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। जहां से पांच नवंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। आरोपियों से पूछताछ कर अन्य मामलों को सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है।

हत्या में इस्तेमाल चाकू और सुआ बरामद

फरीदाबाद। हत्या के 18 दिनों बाद आरोपियों ने मृतक के मर्डर में इस्तेमाल चाकू और सुआ का पता बताया। जीआरपी पुलिस ने हथियारों को बरामद कर लिया है।

जीआरपी पुलिस को 16 अक्टूबर को बल्लभगढ़ की अज्जी कॉलोनी के निकट रेलवे ट्रैक के किनारे दीवार के साथ दूषित पानी से राजीव कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय राजकुमार का शव बरामद किया था। पुलिस ने मृतक के पिता रमेश चंद की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज किया था। जीआरपी ने 30 अक्टूबर को इस मामले में विश्वजीत और सोनू उर्फ डेविड को गिरफ्तार किया। ये दोनों राजकुमार के अच्छे दोस्त थे। रंजिश के कारण विश्वजीत और सोनू ने 14 अक्टूबर की रात करीब साढ़े आठ बजे राजकुमार को फोन करके शहनाई गार्डन में बुलाया, जहां दोनों ने राजकुमार पर चाकू व सुआं घोपकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों शव को घसीटते हुए करीब 200 मीटर दूरी पर रेलवे ट्रैक के किनारे रख दिया। हत्या के वक्त सोनू के कपड़ों पर छींटे पड़ गए थे, इसलिए उसने अपने कपड़े उतार कर सिटी पार्क के निकट नाले में फेंक दिए थे और चाकू व सुआं भी पानी में फेंक दिए थे, जिन्हें बरामद कर लिया है।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of **Mr. Subhash** who is purchasing the **Land area measuring 1.40 Marla i.e. 42 Sq. Yds., out of Khewat No. 85, Khatauni No. 91, Must. & Killa No. 486 (9-12), Must 487 (9-8), Situated at Village-Sankhol, Tehsil-Bahadurgarh, District-Jhajjar, Haryana** from **Mrs. Kushum Lata** and further will be mortgaging against the financial assistance from **ROHA Housing Finance Pvt. Ltd.** To comply the requirements of bank/NBFC, we give this public notice that if any person(s) having any objection regarding ownership and/ or creating mortgage of the said property is/are hereby requested to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of this notice, at below address.
Lucem Legal LLP
269, Rama House, Ground Floor, Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II, New Delhi - 49 Contact# 011 - 40046316

निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 70/18 (आईडी नंबर 1043/18) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध सलमान अहमद के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : महिन्द्रा टीयूवी 300 टी6 रजि. नंबर : UP14DC3210 विनिर्माण वर्ष : 2016
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : महेश शुक्ला ; मोबाइल नंबर : 9560908405
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

बिक्री सूचना
निम्नलिखित सम्पत्ति सीएस नंबर 621131/2016 में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध जयपाल सिंह के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : टोयोटा इटिओस जीडी रजि. नंबर : UP16BA6031 विनिर्माण वर्ष : 2015
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : राजीव रंजन ; मोबाइल नंबर : 8584874809
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

निम्नलिखित सम्पत्ति सीएस नंबर 1791/2018 में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध सक्षम कथूरिया के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : ह्युंडई एक्सेन्ट बेस 1.2 रजि. नंबर : UP16DT8933 विनिर्माण वर्ष : 2016
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : कामेश्वर साहू ; मोबाइल नंबर : 9999412874
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

बिक्री सूचना
निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 200/18 (आईडी नंबर 6266/18) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध दीपक अरोड़ा के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : फोर्ड फिगो ड्यूराटोर्क टाइटेनियम 1.4 रजि. नंबर : DL10CG4225 विनिर्माण वर्ष : 2015
2. नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
3. स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
4. सम्पर्क व्यक्ति : वीरेन्द्र यादव ; मोबाइल नंबर : 9205272674
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

बिक्री सूचना
निम्नलिखित सम्पत्ति वाद सं. 44/18 (आईडी नंबर 469/18) में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध सतीश कुमार सिंह के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।
1. आस्ति का वर्णन : मेक : होंडा अमेज़ 1.2 एसएमटी आईवीटी

कारपोरेट जगत में महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कारपोरेट क्षेत्र पर लंबे समय से पुरुषों का वर्चस्व रहा है। अनुकूल कारपोरेट नीतियों के अभाव की वजह से देश में लगभग आधी संख्या में महिलाएं कनिष्ठ एवं मध्य प्रबंधन स्तर पर काम छोड़ देती हैं।

हिमा बिंदू कोटा
(लेखिका एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं)

कारपोरेट क्षेत्र पर लंबे समय से पुरुषों का वर्चस्व रहा है और वो अभी भी उनके पक्ष में ही झुका हुआ है। 2013 में, पुरातन कम्पनी अधिनियम, 1956 में कुछ अति आवश्यक संशोधन किए गए थे, जिनके द्वारा आज के बिजनेस परिदृश्य में लैंगिक समानता के महत्वपूर्ण उपाय किए गए थे। उसके पश्चात, विनियमों में बड़े बदलाव के तहत, कम्पनी बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 2012 में 5 प्रतिशत से बढ़ाकर अक्टूबर में 16.91 प्रतिशत कर दिया गया। प्रमुख डाटाबेस के अनुसार, एनएसई में सूचीबद्ध 1,822 कम्पनियों के बोर्डों में कुल 11,268 निदेशकों में से 1,905 महिलाएं हैं। यद्यपि भारत बोर्डों में लैंगिक विविधता के मामले में प्रगति कर रहा है, यह विश्व मंच पर अभी भी पीछे है। यद्यपि, विश्व स्तर पर कार्यबल में महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है, मगर उसके अनुपात में उच्च नेतृत्व भूमिकाओं में नहीं बढ़ रही है। वैश्विक बोर्ड विविधता ट्रैकर, इगोन ज़ेंडर, के अनुसार, 2018 में, 44 देशों में बड़े कम्पनी बोर्डों में 84.9 प्रतिशत में कम से कम एक महिला को निदेशकों में शामिल किया गया। कुल मिलाकर, अध्ययन के अंतर्गत देशों में सभी निदेशकों में 20.4 प्रतिशत महिलाएं थीं, जो छह वर्ष पूर्व 13.6 प्रतिशत के आंकड़े से ज्यादा है। पश्चिम यूरोप में, बोर्ड में पदासीन महिलाओं की संख्या उसी अवधि में 15.6 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। अंतरराष्ट्रीय विविधता के मोर्चे पर, सर्वेक्षित कम्पनियों में से 72 प्रतिशत कम्पनियों में कम से एक एक गैर राष्ट्रीय सदस्य पाया गया।

जबकि यह अच्छी खबर है कि इस अध्ययन में अब महिलाओं की संख्या निदेशकों में 20.4 प्रतिशत हो गई है, मगर बोर्डों में नेतृत्वकारी पदों पर महिलाओं की संख्या का बढ़ना समान रूप से महत्वपूर्ण है। यह न केवल इसलिए मायने रखता है कि बोर्डों में कुछ पद अन्यों की तुलना में अधिक शक्तिशाली होते हैं बल्कि इसलिए भी क्योंकि बोर्ड नेतृत्व में बहुलता शेष संगठन की विविधता से जुड़ी होती है। कुल मिलाकर, सभी बोर्डों में केवल 5.6 प्रतिशत महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में हैं। लेकिन, लोकप्रिय प्रेस में अकसर सुर्खियां छपती हैं जो कारपोरेट क्षेत्र में विविधता की बात करती हैं जबकि संस्थागत निवेशक अकसर बोर्डों में महिला निदेशकों की मांग करते हैं। पता चला है कि बोर्डों में लैंगिक विविधता से वित्तीय प्रदर्शन बेहतर होता है। विविधता को उदार रूप से मतभेद के रूप में परिभाषित किया जाता है और यह उद्देश्यपरक रूप से रणनीतिक दिशा में जाता है जहां इन मतभेदों का आंकलन होता है। विविधता को समझदारी, स्वीकार्यता एवं मूल्यगत अंतर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो विभिन्न आयु वर्ग, शारीरिक स्वरूप, वर्ग, नस्ल, वंश परम्परा, लिंग, विकलांगताओं, रोजगार या अनुभव, धर्म, व्यक्तिगत शैली आदि में पाए जाते हैं। हमारे कारपोरेट बोर्डों में विविधता व्यक्तिगत के साथ विभिन्न पृष्ठभूमियों के रूप में सामने आती है जो अनेक लाभ प्रदान कर सकती है। जिसमें नए विचार व बेहतर संप्रेषण, बहस व प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सुधार शामिल हैं। अध्ययनों ने दर्शाया है कि समान समूहों की तुलना में विविधतापूर्ण समूह सूचनाओं पर ज्यादा शोर मचाते हैं व उनकी संभावनाएं बेहतर होती हैं। इसके साथ ही, वे ज्यादा वैकल्पिक समाधान पेश करते हैं तथा विभिन्न समस्याओं के लिए पर्यावरणीय दृष्टिकोण से अनेक प्रमाण पेश करते हैं।

बोर्ड रूम में विविधता पर अकादमिक क्षेत्रों व मीडिया में ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। पिछले दशक में लैंगिक विविधता पर गहन विचार किया गया था, तथा अनेक देशों में इस पर अध्ययन हुए हैं, जिनमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, स्पेन, जॉर्डन, ट्यूनीशिया, आइसलैंड व नार्वे शामिल हैं। मुख्य सवाल यह है कि महिलाओं की विविधता से बोर्ड की क्षमता में कैसे सुधार होता है। एक उदाहरण के रूप में, उनकी भूमिका, लक्ष्य तथा समग्र रूप से कारपोरेट प्रदर्शन पर गौर किया जा सकता है।

महत्ववपूर्ण पदों पर महिलाओं की उपस्थिति के अनेक तर्क दिए जाते हैं। बिजनेस के मामले में विविधता बढ़ने से बोर्डरूम में दृष्टिकोणों की विविधता बढ़ती है। महिला निदेशक नए विचार व सामरिक मामले सामने लाकर निर्णयों को प्रभावित करती हैं तथा संगठन की नेतृत्व शैली में परिवर्तन आता है। महिलाओं को रोल मॉडल तथा संरक्षक के तौर पर रखने से उनकी करियर संभावनाएं बेहतर होती हैं। विभिन्न पक्षों में कम्पनी की छवि सुधरती है तथा निदेशक के पदों पर महिलाओं की क्षमता व उपलब्धता बढ़ने से पुरुष निदेशकों की कमी दूर होती है। दीर्घकालीन रूप से कम्पनी की सफलता व प्रतिस्पर्धा में लाभ की स्थिति महिलाओं के विशेष कौशलों से मजबूत होती है जिनमें विविधतापूर्ण कामगारों से समावेशी संस्कृति का विकास तथा महिला मार्केट क्षेत्र में मुनाफा व ज्ञान का विस्तार होता है। संक्षेप में, बोर्ड में महिलाओं की मौजूदगी के अनेक सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं।

लेकिन, विविधता के कारण संप्रेषण में कमी आ सकती है तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया कम प्रभावी हो सकती है। इसके अलावा, टकराव बढ़ने व पक्षपात की संभावना भी होती है। जेंडर के संबंध में शोध से स्पष्ट होता है कि संगठन के निर्णय संज्ञानात्मक आधार पर होते हैं और विभिन्न श्रेणियों के लोगों के मानक व विश्वास उन पर आधारित होते हैं। समूहों के भीतर रचनात्मकता के विकास में लैंगिक विविधता से लाभ होता है लेकिन इसके कारण समूहों में टकराव भी बढ़ सकता है। क्योंकि दूसरों को अलग जेंडर के साथ पहचान स्थापित करने में कठनाई हो सकती है। इस प्रकार लैंगिक विविधता के सकारात्मक व नकारात्मक आयाम निर्णय लेने व बोर्ड में निदेशकों की सलाह प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन, चूंकि बोर्ड गैर परम्परागत समस्याओं से निबटने का काम करते हैं और उनकी बैठक कभी-कभी होती है इसलिए ब्रेन स्टार्मिंग रचनात्मकता, विविध दृष्टिकोणों पर विचार व यथास्थि पर सवाल उठने से कार्यनीतिक टकराव पैदा हो सकते हैं। इससे संचार के अन्य संभावित नकारात्मक प्रभावों से मुक्ति मिल सकती है।

हालांकि, कारपोरेट बोर्डों में लैंगिक विविधता बढ़ना संगठन के लिए अनेक प्रकार से लाभकारी है, लेकिन महिलाओं के प्रति समाज में व्याप्त लैंगिक पूर्वाग्रह एक बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार मुख्य कार्यकारी अधिकारी बोर्ड में महिलाओं को इस विश्वास के कारण नियुक्त नहीं करते हैं कि वे महिला एजेंडा चलाने लगेंगी। इसके साथ साथ सीईओ को उन महिलाओं की नियुक्ति के प्रति आशंका पैदा होती है जो वर्तमान समय में निदेशक पद पर न हों पर उनको पुरुषों से ऐसा कोई डर अनुभव नहीं होता।

प्रमाणों से स्पष्ट होता है कि काम का पूर्व अनुभव महिलाओं के प्रदर्शन के बारे में नकारात्मक प्रभाव दूर करता है। महिलाओं के बारे में पुरुष व महिलाएं दोनों अनुमान लगाती हैं कि उनकी क्षमता कम होगी जो पुरुष प्रभुत्व वाले परिवेश में सामान्य बात है। सफल महिलाओं को लैंगिक भूमिकाओं के मामले में तब तक पसंद नहीं किया जाता जब तक वे अपने नारीत्व या सामुदायिक गुणों को प्रकट न करें। आमतौर से, नेतृत्व की अवधारणा में नायकत्व, शारीरिक व भावनात्मक कठोरता तथा आत्मनिर्भरता के गुण शामिल हैं। नेतृत्व की पुरुषवादी विचारधारा यथास्थिति बनाए रखना चाहती है और वह नेतृत्व की स्थिति में महिलाओं को नहीं देखना चाहती। हालांकि, बोर्ड या कारपोरेट कामकाज में अनुभव आधारित योग्यता में लैंगिक अंतर को कोई स्थान नहीं है, पर महिला निदेशकों को कम महत्वपूर्ण पद दिए जाते हैं तथा पुरुष निदेशकों की तुलना में उनको कम जिम्मेदारियां यह सोचकर दी जाती हैं कि उनकी क्षमता कम है या वे कारपोरेट प्रशासन में कार्यकारी भूमिका निभाने योग्य नहीं हैं।

चूंकि सीईओ का निर्धारण सर्वोच्च निदेशकों द्वारा दी गई भूमिका पर आधारित होता है इसलिए आमतौर से महिलाएं अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में सीईओ की भूमिका के लिए कमतर मानी जाती हैं। इसके बावजूद, महिलाओं को बोर्ड में महत्वपूर्ण स्थान मिल रहे हैं और वे सर्वोच्च पर पर पहुंचने की बाधाएं तोड़ रही हैं।

वैश्विक रूप से, एक तिहाई बिजनेसों में अब भी वरिष्ठ पदों पर महिलाएं नहीं हैं। इस गति से चलने पर महिलाएं 2060 तक पुरुषों की बराबरी पर नहीं आ पाएंगी। भारत में कनिष्ठ व माध्यमिक प्रबंधन स्तर पर लगभग आधी महिलाओं को इसलिए स्थान नहीं मिलता है कि कारपोरेट नीतियां महिला हितैषी नहीं हैं। उद्योग को ज्यादा लैंगिक विविधता सुनिश्चित करने की के लिए दोहरी रणनीति बनानी चाहिए। सर्वोच्च प्रबंधन का दृष्टिकोण तथा सोच स्पष्ट होनी चाहिए ताकि बोर्ड में महिलाओं की स्थिति न केवल संख्या बल्कि क्षमता के हिसाब से भी बढ़ाई जा सके। बोर्ड की संरचना व रणनीति में स्वैच्छिक रूप से विविधता के लक्ष्य निर्धाति किए जाने चाहिए। एक उपयुक्त परिवेश स्थापित करने के बाद सक्षम व योग्य महिलाओं को समुचित शिक्षण-प्रशिक्षण के बाद नेतृत्वकारी भूमिका दी जानी चाहिए तथा उनको आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कारपोरेट को महिलाओं को नेतृत्वकारी स्थिति में लाने के प्रयास करने चाहिए। इस मामले में स्वीडन से सबक लिया जा सकता है जहां सीईओ व मुख्य वित्त अधिकारी के स्तर पर महिलाओं की संख्या 17 प्रतिशत है। यह तभी संभव होगा जब मजबूत व टिकाऊ नेतृत्व विकास कार्यक्रम महिलाओं के लिए मझोले व वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर चलाए जाएंगे।

महिलाओं का बोर्ड में समावेश करना वैश्विक व भारतीय बिजनेसों की समन्वित रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। महिला नेतृत्व को विकसित करने वाली कम्पनियों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर ध्यान देना चाहिए कि महिलारूपी शक्ति का प्रयोग दुनिया में बिजनेस को सर्वोत्तम बनाने के लिए उपयुक्त होगा।

चीन-नेपाल के बीच निरंतर बढ़ती नज़दीकियां

चीन अच्छी तरह जानता है कि नेपाल में व्याप्त अस्थिर राजनीतिक परिवेश में जनोन्मुख नीतियां द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करती रहेंगी, चाहे सरकारें और नेपाल में राजनीतिक सोच जो भी हो।

ऋषि गुप्ता
लेखक जेएनयू में शोधकर्ता हैं।

हाल ही में समाप्त चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की नेपाल यात्रा से नेपाल-चीन संबंधों का नया युग शुरू हुआ है। 1996 में जियांग जेमिन की काठमांडू यात्रा के 23 साल बाद शी जिनपिंग ने नेपाल की यात्रा की। चीनी राष्ट्रपति तथा उनके उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल का नेपाल में जोरदार स्वागत हुआ जो उनकी भारत की दूसरी अनौपचारिक यात्राा पर भारी पड़ा। इसका कारण यात्रा का समय तथा दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई रणनीतिक चर्चा है। 1955 में नेपाल-चीन राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में व्यापक परिवर्तन आए हैं। पहले चार दशक में प्रतीकात्मक रहने के बाद वे इस शताब्दी के पहले दशक में व्यावहारिक बने। अब उनके बीच संबंध रणनीतिक गठबंधन में बदल गए हैं जिसमें सुरक्षा, परिवहन तथा ढांचागत विकास शामिल हैं। चूंकि सुरक्षा को सहयोगी व्यवस्थाओं में सर्वोच्च स्थान मिला है, इसलिए शी की यात्रा पर गहराई से गौर करने तथा उसके विश्लेषण की आवश्यकता है।

चीन ने भूमि, समुद्र व पहाड़ी रास्तों से वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव-बीआरआई की शुरुआत की है। चीन बीआरआई मंच के माध्यम से द्विपक्षीय व बहुपक्षीय सहयोग की पैरोकारी कर रहा है और कुछ मामलों में इसके लाभ बीजिंग को मिले हैं। पिछले वर्षों में नेपाल के बारे में चीन की समझदारी भू-रणनीतिक चुनौतियों के कारण विकसित हुई है और अब वह इन चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास कर रहा है। नेपाल के मामले में चीन के समक्ष दुहरी चुनौतियां हैं। पहला, वह विशेष आर्थिक संबंधों के माध्यम से अपने रणनीतिक संबंध मजबूत करना चाहता है। इसके साथ ही वह भारत के साथ नेपाल के गहरे 'विशेष संबंधों' पर गहरी नजर रखते हुए तिब्बत में स्थायित्व सुनिश्चित करना चाहता है।

दूसरा, नेपाल की पूरी उत्तरी सीमा तिब्बत से लगी है तथा 11,000 से अधिक तिब्बती शरणार्थी नेपाल में रहते हैं। इसलिए बीजिंग को संभावित चीन-विरोधी गतिविधियों का भय है। हालांकि, नेपाल और चीन के बीच कोई औपचारिक रणनीतिक गठबंधन नहीं है तथा परिभाषित द्विपक्षीय रक्षा नीति का अभाव है। लेकिन पिछले पांच वर्षों में दोनों देशों ने सुरक्षा सहयोग शुरू किया है जिसका प्रारम्भ 2017 व 2018 में संयुक्त सैनिक अभ्यास से हुआ है। दोनों देशों की सेनाओं ने खासकर सीमा क्षेत्रों में संभावित आतंकी हमलों से निपटने के लिए आधुनिक युद्ध की तकनीकों व महत्वपूर्ण कौशलों का आदान-प्रदान किया है। हाल ही में लगभग सभी रक्षा संबंधी 'श्वेत पत्र' ने भागते हुए तिब्बतियों तथा नेपाल व भारत में रहने वाले तिब्बतियों को 'आतंकवादी' बताया गया। इस प्रकार संयुक्त सैनिक अभ्यास ने क्षेत्र में चीन-विरोधी गतिविधियों के खिलाफ असहिष्णुता का संदेश दिया है।

राष्ट्रपति शी की काठमांडू यात्रा के दौरान जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि 'दोनों देश एक दूसरे की स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हैं। वे एक दूसरे के प्रमुख सरोकारों का सम्मान करते हुए प्रमुख हितों को परस्पर समाहित करेंगे।' इसमें नेपाल द्वारा 'एक चीन' नीति को अकाट्य समर्थन देने की बात कही गई है। इस प्रकार स्वीकार किया गया है कि ताइवान चीनी क्षेत्र का अभिन्न अंग है और तिब्बत के मामले चीन के आंतरिक मामले हैं। इस प्रकार काठमांडू ने प्रतिबद्धता प्रकट की है कि वह 'अपनी धरती से किसी चीन-विरोधी गतिविधि की अनुमति नहीं देगा।' हांगकांग में जारी हिंसक चीन-विरोधी गतिविधियों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था की मांग की वर्तमान स्थिति में राष्ट्रपति शी ने नेपाल यात्रा का लाभ उठाते हुए विश्व समुदाय को एक कठोर संदेश दिया है। इसका अर्थ है कि 'चीन को या उसके किसी हिस्से को विभाजित करने का प्रयास हताहतों के रूप में सामने आएगा।'

शी की यात्रा के दौरान नेपाल व चीन के बीच कुल 20 दस्तावेजों पर हस्ताक्षर हुए। इन समझौतों में भगिनी-शहरों के बीच अतिरिक्त राजनयिक मिशनों की स्थापना, निवेश सहयोग कार्यकारी समूहों का गठन, नेपाल में चीनी सहायता से ढांचागत विकास, प्रशासन संवर्धन व क्षमता निर्माण में परस्पर सहयोग तथा चीन-नेपाल सीमापार रेलवे परियोजना के बारे में संभाव्यता अध्ययन शामिल हैं। इन 20 समझौतों में चार समझौतों का संबंध सीधे सीमा प्रबंधन में द्विपक्षीय सुरक्षा व्यवस्था से है। चीन के सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूटोरेट व नेपाल के अटार्नी जनरल कार्यालयों के बीच सहयोग तथा बीजिंग से काठमांडू को सुरक्षा उपकरणों की सप्लाई भी इनमें शामिल हैं।

चीन को उम्मीद है कि नेपाल के साथ प्रत्यर्पण संधि भी होगी, लेकिन देश में विपक्षी पार्टियों की आलोचना के बाद प्रधानमंत्री केपी ओली ने अंतिम क्षण समझौते से हाथ खींच लिए। चीन के साथ प्रत्यर्पण संधि का अर्थ होगा कि बीजिंग नेपाली सरकार को तिब्बती शरणार्थियों को चीन-विरोधी गतिविधियों में अपराधी घोषित करने के लिए दबाव डालेगा। इसके कारण 11,000 से अधिक तिब्बतियों का जीवन संकट में फंस सकता है जो कई दशकों से नेपाल में रह रहे हैं।

हालांकि, फिलहाल यह योजना विफल हो गई है, पर चीन को उम्मीद है कि एक दिन नेपाल प्रत्यर्पण संधि की उसकी मांग मान लेगा। यह संयुक्त बयान से स्पष्ट है जिसमें कहा गया है कि बीजिंग 'आपराधिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता समझौते पर हस्ताक्षर से संतुष्ट है और उसकी उम्मीद है कि जल्द ही प्रत्यर्पण संधि हो जाएगी।' यात्रा के फौरन बाद चीन ने काठमांडू को 150 मिलियन आरएमबी की सैनिक सहायता पर सहमति प्रकट की जो 2.4 बिलियन नेपाली रुपये के बराबर है। नेपाली उप-प्रधानमंत्री तथा रक्षा मंत्री ईश्वर पोखराल इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए 19 अक्टूबर को बीजिंग गए। नेपाली रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि यह सहायता मानवीय तथा आपदा राहत कार्यों के लिए है। यह हाल में चीन द्वारा नेपाल को दी जाने वाली सैनिक सहायता में भारी वृद्धि है।

चीन ने 'नेपाली जनता का जीवन स्तर ऊपर उठाने के लिए' काठमांडू को 493 मिलियन डालर सहायता का वादा किया है जो 56 बिलियन नेपाली रुपयों के बराबर है। परोक्ष रूप से यह शी जिनपिंग की शातिर चाल है क्योंकि नेपाली जनता में चीन के प्रति बढ़ता समर्थन उस देश के नीति-निर्माण पर प्रभाव डालेगा। शी ने 'नेपाल यात्रा वर्ष 2020' को समर्थन दिया है जिसकी नेपाली जनता तथा मीडिया ने व्यापक प्रशंसा की है। इससे नेपाल में पर्यटन तथा इस प्रकार अर्थव्यवस्था को प्रगति देने में सहायता मिलेगी। नेपाल के एक दैनिक समाचारपत्र के अनुसार शी ने कहा कि 'चीन नेपाल में नेपाल यात्रा वर्ष 2020 के आयोजन का समर्थन करता है और वह नेपाल में और ज्यादा चीनी पर्यटक आने को प्रोत्साहित करेगा।'

यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन ने समझ लिया है कि नेपाल में बदलते व अस्थिर राजनीतिक परिवेश को देखते हुए व्यापार सहयोग के तात्कालिक परिणाम नहीं निकलेंगे। लेकिन सुरक्षा तथा जनोन्मुख नीतियों को द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ावा देना होगा, भले ही नेपाल में चाहे जो सरकार हो या जनता की राजनीतिक सोच चाहे जो हो। इस प्रकार नेपाल में चीनी प्राथमिकताओं का केन्द्र तत्कालीन सरकार से सहयोग के बजाय सुरक्षा, प्रशासन व जनता के बीच दीर्घकालीन सहयोग को बढ़ावा देना है।

आधुनिक राजनय के बदलते परिवेश में चीन की नेपाल में रणनीति का लक्ष्य ऐसी उपलब्धियां प्राप्त करना है जो उसकी राष्ट्रीय एकजुटता व दक्षिण एशियाई क्षेत्र में रणनीति लाभ प्राप्त करने के प्रति लक्षित हों। इसके लिए बीजिंग ने नरम दृष्टिकोण अपनाया है जिसमें नेपाल की जनता व नौजवानों पर ध्यान देना तथा आसान शर्तो पर कर्ज देना शामिल हैं। नेपाल में लोकतंत्र के विकास के साथ नीति-निर्माण ज्यादा विविधतापूर्ण होता जा रहा है। राजतंत्र के युग में निर्णय लेना केवल राजा के हाथ में था। लेकिन 2008 के बाद लोकतांत्रिक संस्थानों के विकास ने जनता की राय तथा राजनीतिक पूर्वाग्रहों को महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। इनकी मांग है कि चीन की ओर झुकते हुए भी नेपाल भारत के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे। इस प्रकार चीन और नेपाल के बीच बढ़ता सहयोग भारत की क्षेत्रीय उपस्थिति तथा नेपाल के साथ सदियों पुराने संबंधों के समक्ष एक चुनौती है। पिछले पांच वर्ष में भारत-नेपाल संबंधों में ढांचागत चुनौतियां सामने आई हैं जो खासकर 2015 में भारत-नेपाल सीमा पर कथित नाकेबंदी के बाद और गंभीर हुई हैं।

चीन ने दक्षिण एशियाई देशों से ज्यादा द्विपक्षीय आर्थिक व विकासोन्मुख सहयोग प्रदान करने का वादा किया है। यह नई दिल्ली के पड़ोस में बदलते भू-रणनीतिक परिवेश का एक संकेत है। चीन यह भी अच्छी तरह जानता है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में वह सामाजिक-सांस्कृतिक व जनता के स्तर पर संपर्क में सापेक्षत: कमजोर है, जबकि भारत इस संबंध में कहीं ज्यादा बेहतर स्थिति में है। इसलिए चीन के बढ़ते असर से निपटने के लिए नई दिल्ली को एक सामयिक रणनीति विकसित करनी चाहिए जिससे वह नेपाल समेत अपने पड़ोसी देशों में अपनी जमीन बेहतर ढंग से मजबूत कर सके। यदि भारत क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर 'स्थिर शक्ति' का दर्जा पुन: पाना तथा उसे मजबूत करना चाहता है तो उसे इस नई रणनीति पर काम करना होगा।

क्या राष्ट्रपति आपकी जेब में हैं?

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना ने शनिवार को भाजपा नेता सुधीर मुंगंतीवार के उस बयान की आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में अगर सात नवंबर तक सरकार नहीं बनी तो प्रदेश राष्ट्रपति शासन की तरफ बढ़ सकता है। पार्टी ने व्यंग्यपूर्ण तरीके से गठबंधन सहयोगी से पूछा कि क्या राष्ट्रपति की मुहर राज्य में उसके कार्यालय में पड़ी है? प्रदेश में 24 अक्टूबर को आए विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद से ही सत्ता में साझेदारी को लेकर शिवसेना और भाजपा में खींचतान चल रही है। शिवसेना ने भाजपा को चुनौती दी कि वह प्रदेश में अगली सरकार बनाने का दावा पेश करे। प्रदेश में मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल आठ नवंबर को पूरा हो रहा है। शिवसेना की मुख्यमंत्री पद पर भाजपा के साथ साझेदारी की मांग को सरकार

● भाजपा नेता मुंगंतीवार के बयान पर शिवसेना ने सामना में कहा

गठन में मुख्य बाधा बताते हुए मुंगंतीवार ने कहा था, तय समय में एक नई सरकार बनाना होगा या फिर राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करना होगा। अगर तय समय में सरकार गठित नहीं होती है तो राष्ट्रपति शासन लगेगा।

निवर्तमान सरकार में वित्त मंत्री मुंगंतीवार पर हमला बोलते हुए शिवसेना ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति शासन लगाने की धमकी दी है क्योंकि राजनीतिक समीकरण साधने के लिए जांच एजेंसियों के इस्तेमाल जैसे धमकाने वाले हथकंडे महाराष्ट्र में कारगर नहीं है। शिवसेना ने पार्टी मुखपत्र सामना में सवाल उठाया , मुंगंतीवार द्वारा दी गई इस धमकी से आम लोग क्या समझेंगे? इसका मतलब क्या यह है कि भारत के राष्ट्रपति आपकी (भाजपा की) जेब में हैं या राष्ट्रपति की मुहर महाराष्ट्र में भाजपा के दफ्तर में रखी है?

सामना के संपादकीय में शिवसेना ने पूछा, क्या ए लोग यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि महाराष्ट्र में सरकार बनाने में विफल रहने पर भाजपा राष्ट्रपति शासन थोप सकती है। महाराष्ट्र का अपमान, क्या राष्ट्रपति आपकी जेब में हैं? शीर्षक वाले मराठी संपादकीय में मुंगंतीवार के बयान को अलोकतांत्रिक तथा असंवैधानिक बताया गया है। पार्टी ने कहा, यह बयान संविधान और कानून के शासन के बारे में अल्पज्ञान को दर्शाता है। यह धमकी तय व्यवस्थाओं को दर किनार कर चीजों को अपने मुताबिक करने की दिशा में एक कदम हो सकती है। यह बयान लोगों के जनादेश का अपमान है। प्रदेश में 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को 105 सीटें मिली थीं जबकि 288 सदस्ईय सदन में शिवसेना ने 56 सीटें जीती हैं।प्रदेश में सरकार बनाने के लिए 145 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। संपादकीय में आगे लिखा गया है कि जो लोग राष्ट्रपति शासन की बात कर रहे हैं उन्हें पहले प्रदेश में सरकार बनाने का दावा पेश करना चाहिए। इसमें कहा गया है, राष्ट्रपति संविधान में सर्वोच्च प्राधिकार हैं। यह किसी व्यक्ति के बारे में नहीं, देश के बारे में है। देश किसी की जेब में नहीं है।शिवसेना ने यह भी कहा कि सरकार गठन में जारी गतिरोध के लिए उसे दोष नहीं दिया जाना चाहिए। संपादकीय में कहा गया है, सार्वजनिक जीवन में कोई नैतिकता नहीं बची है। दिलचस्प बात यह है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने भी शुक्रवार को मुंगंतीवार के बयान को एक तरह की धमकी बताकर उसकी आलोचना की थी।

पटना में शनिवार को तालाब पर छठ पूजा के दौरान प्रार्थना करते भक्त

कांग्रेस सांसद ने महाराष्ट्र में शिवसेना के समर्थन के लिए सोनिया को लिखी चिट्ठी

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में सत्ता में साझेदारी को लेकर भाजपा और शिवसेना के बीच कोई सहमति नहीं बनती दिख रही और ऐसे में कांग्रेस के एक नेता ने शनिवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि अगर शिवसेना अगली सरकार बनाने के लिए प्रस्ताव लेकर आती है तो उसका समर्थन किया जाए।

शिवसेना ने यह पत्र लिखने वाले महाराष्ट्र से राज्यसभा सदस्य एवं कांग्रेस नेता हुसैन दलवई के रुख का स्वागत करने में कोई वक्त नहीं लगाया।दलवई ने याद दिलाया कि शिवसेना ने राष्ट्रपति पद के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रतिभा पाटिल और बाद में प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था। दलवई ने अपने पत्र को उद्धृत करते हुए संवाददाताओं को बताया, शिवसेना और भाजपा अलग हैं। शिवसेना ने राष्ट्रपति पद के लिए प्रतिभा पाटिल और प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था। शिवसेना की राजनीति भाजपा की अतिवादी रुख के विपरीत सर्व समावेशी बन गई है। भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए हमें अवश्य ही शिवसेना का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग भाजपा के बजाय शिवसेना को तरजीह देगा।शिवसेना को समर्थन के मुद्दे पर कांग्रेस बंटी हुई दिख रही है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा (एनडीए) की शिवसेना संस्थापक सदस्य रही है। अ खि ल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव मल्लिकार्जुन खड़गे, सुशील कुमार शिंदे और संजय निरुपम जैसे नेता शिवसेना का समर्थन किए जाने के विरोध में हैं। दलवई के पत्र के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा, दलवई समाजवादी विचारधारा से आते हैं। वह प्रगतिशील मुसलमानों के परिवार से आते हैं। हम उनके रुख का स्वागत करते हैं। लेकिन, शिवसेना ने एक गठबंधन में यह चुनाव लड़ा था और हम अंत तक गठबंधन धर्म का पालन करेंगे। महाराष्ट्र में हाल में हुए चुनावों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। भाजपा को इन चुनावों में 105 सीटें मिलीं जबकि शिवसेना ने 56 सीटों पर जीत हासिल की।प्रदेश की 288 सदस्ईय विधानसभा में बहुमत के लिए 145 विधायकों की जरूरत है।

कहा गया है कि बारिश में भींगना राजनीति के लिए शुभ संकेत

मुंबई। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बारिश होने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने गृह राज्य महाराष्ट्र में हालिया चुनाव परिणामों की पृष्ठभूमि में भाजपा के राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधा। उपनगरीय विले पार्ले में शुक्रवार शाम को एक कार्यक्रम में मंत्री का खुले मंच पर साक्षात्कार हो रहा था। उसी दौरान बारिश शुरू हो गई। गडकरी और साक्षात्कार लेने वाले के लिए दो व्यक्ति छाते पकड़े खड़े रहे। इसी दौरान गडकरी ने चुटकी लेते हुए कहा, जब आप बारिश में भीग जाते हैं, तो आपका भविष्य अच्छा होता है... पत्रकार ऐसा कहते हैं। उनके इस बयान पर दर्शकों में हंसी की एक एक लहर दौड़ गई। मंत्री भी अपनी टिप्पणी पर हंसते दिखे। गडकरी की टिप्पणी राकांपा प्रमुख शरद पवार की सातारा में 21 अक्टूबर को हुई चुनावी रैली के संदर्भ में थी जो लोकसभा उपचुनाव के लिए आयोजित की गई थी। उस रैली के दौरान बारिश होने लगी थी। बारिश में भीगते हुए 79 वर्षीय पवार का एक वीडियो और तस्वीरें वायरल हो गई थीं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों को लगता है कि पवार इस हावभाव से एक राजनीतिक संदेश भेजने में सफल रहे और उपचुनाव में राकांपा के उम्मीदवार ने अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी उदयनराजे भोसले को हराया था। कुल मिलाकर, महाराष्ट्र विधानसभा में राकंपा को 2014 के मुकाबले 13 सीटें ज्यादा मिलीं। उसे कुल 54 सीटों पर कामयाबी मिली।

श्रीनगर में जुमे की नमाज के लिए लगाए सभी प्रतिबंध हटे

एजेंसी। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए जाने के बाद लगातार 90वें दिन भी जनजीवन पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट पाया है। हालांकि शहर के अधिकतर हिस्सों से जुमे की नमाज के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, घाटी में आज लोगों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं है। कश्मीर में जनजीवन थोड़ा सामान्य दिखा। नौहट्टा क्षेत्र में ऐतिहासिक जामा मस्जिद में 13वें सप्ताह भी नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी गई। यहां स्थित नक्काशबंद साहिब मस्जिद खोज-ए-दिगार में भी जुमे की नमाज की अनुमति नहीं थी। अधिकारी ने बताया कि शहर के संवेदनशील इलाकों और घाटी में अन्य स्थानों पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि घाटी में स्थिति अभी शांतिपूर्ण है। सड़कों पर निजी वाहनों और टैक्सियों की आवाजाही भी बढ़ी है। अधिकारी ने बताया कि मुख्य बाजार दिन में बंद रहे। शिक्षण संस्थान भी बंद रहे लेकिन दसवीं और

● लगातार 90वें दिन जनजीवन प्रभावित

बारहवीं कक्षा के लिए बोर्ड परिक्षाएं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हुईं। सरकार पिछले तीन महीने से स्कूलों को खोलने की कोशिश कर रही है लेकिन सुरक्षा चिंताओं के कारण माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार नहीं है। घाटी में लैंडलाइन और पोस्टपेड मोबाइल सेवा शुरू हो चुकी है लेकिन इंटरनेट सेवाएं पांच अगस्त से अब तक ठप्प हैं। ज्यादातर शीर्ष स्तर के अलगाववादी नेताओं को एहतियात के तौर पर हिरासत में ले लिया गया है जबकि दो पूर्व मुख्यमंत्रियों -उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती समेत मुख्यधारा के नेताओं को या तो हिरासत में लिया गया है या नजरबंद कर रखा गया है। अन्य पूर्व मुख्यमंत्री एवं श्रीनगर से लोकसभा के मौजूदा सांसद फारूक अब्दुल्ला को विवादित लोक सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। यह कानून फारूक के पिता एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख अब्दुल्ला ने 1978 में लागू किया था जब वह मुख्यमंत्री थे।

जम्मू कश्मीर के सांबा में अतिक्रमण की गई करीब 16 एकड़ जमीन वापस मिली

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में जम्मू-पठानकोट राजमार्ग के पास अतिक्रमण विरोधी मुहिम में करीब 16 एकड़ अतिक्रमित सरकारी जमीन पर सरकारी नियंत्रण कायम किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मुहिम सांबा के उपायुक्त रोहित खजुरिया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शक्ति पाठक की निगरानी में शुक्रवार को ठंडी खुई के पास राजमार्ग से सटे बागला और पेखारी गांवों में चलाई गई। उन्होंने बताया कि इस कार्य के लिए जेसीबी की तीन मशीनें लगाई गई थीं और मुहिम के तहत सभी अवैध ढांचों को जमींदोज कर दिया गया। मुहिम को पुलिस की सहायता से पूरा किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बागला गांव से 15.12 एकड़ जमीन प्राप्त की गई जबकि पेचारी के पास में अतिक्रमित करीब एक एकड़ जमीन को साफ कराया गया। उपायुक्त ने राजस्व अधिकारियों को वापस मिली जमीन की सीमांकन प्रक्रिया तत्काल शुरू करने का निर्देश दिया। खजुरिया ने चेतावनी दी, जिले में सरकारी जमीन पर किसी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्वाई शुरू की जाएगी।

मंगलुरु में शनिवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के हीरक जयंती वर्ष के दीक्षांत समारोह के दौरान एक छात्रा को आशीर्वाद देते उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू

सदस्यता के लिए कांग्रेस ने बनाया विशेष ऐप

एजेंसी। नई दिल्ली

देश भर में पांच करोड़ लोगों को अपने साथ जोड़ने के लक्ष्य के साथ सदस्यता अभियान शुरू करने वाली कांग्रेस ने इसके लिए एक विशेष ऐप तैयार किया है जिसके तहत वह अपने नए सदस्यों का विस्तृत डेटाबेस तैयार करेगी।

यह डेटाबेस नए सदस्यों के वर्ग और पेशे के आधार पर तैयार किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि इस अभियान में फर्जी सदस्यता से बचने के लिए डिजिटल प्रणाली का सहारा लिया जा रहा है। सदस्यता अभियान से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की ओर से तैयार कराए गए इस ऐप का नाम ऑफीशियल आईएनसी मेम्बरशिप है जिसकी शुरुआत आगामी चार नवम्बर को हो सकती है। इस ऐप को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की मंजूरी भी मिल गई है। यह ऐप तैयार करने वाली टीम के एक पदाधिकारी ने कहा, कांग्रेस भाजपा की तरह मिस्ड कॉल के जरिए नहीं, बल्कि इस ऐप के माध्यम से वास्तविक सदस्य बनाना चाहती है।

● तैयार किया जाएगा विस्तृत डेटाबेस

इस ऐप के जरिए सदस्यता अभियान की शुरुआत सबसे पहले छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गोवा में होगी। फिर देश के दूसरे राज्यों में इसका विस्तार किया जाएगा। इस ऐप के माध्यम से कांग्रेस की सदस्यता लेने वाले व्यक्ति का पहले फोन नम्बर डाला जाएगा और फिर उसकी तस्वीर ली जाएगी। बाद में वर्ग और पेशे के विकल्पों में से संबंधित विकल्प को भरने के बाद उसके सदस्यता फॉर्म को सबमिट कर दिया जाएगा। नए सदस्यों को ऐप में सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और अन्य के तहत अपने वर्ग का उल्लेख करना होगा। कांग्रेस के एक नेता ने कहा, पार्टी अपने सदस्यों का एक विस्तृत डेटाबेस तैयार करना चाहती है। इसलिए इस ऐप के जरिए सदस्यों के वर्ग और पेशे की भी जानकारी ली जाएगी। पार्टी कार्यकर्ता डोर टू डोर संपर्क कर इस ऐप के माध्यम से लोगों को पार्टी से जोड़ेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल की निगरानी में पार्टी व्यापक सदस्यता अभियान चला रही है, जिसके तहत नए पांच करोड़ सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में फर्जी सदस्यता से बचने के लिए ही डिजिटल प्रणाली का सहारा लिया जा रहा है। वेणुगोपाल ने हाल ही में पार्टी नेताओं को महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड को छोड़कर सभी राज्यों में सदस्यता के लिए डोर-टू-डोर अभियान शुरू करने के लिए कहा है। इन तीनों राज्यों में चुनाव के मद्देनजर वेणुगोपाल ने यहां फिलहाल सदस्यता अभियान नहीं चलाने को कहा था। पिछले दिनों महाराष्ट्र और हरियाणा में विधानसभा चुनाव हुए। झारखंड में 30 नवंबर से 20 दिसंबर के बीच पांच चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं।इससे पहले कांग्रेस में सदस्यता अभियान लोकसभा चुनाव से पहले चलाया गया था। पार्टी दावा करती है कि मौजूदा समय में उसके सदस्यों की संख्या करीब तीन करोड़ है।

माओवाद के समर्थन वाले पर्चे बांटने के आरोप में माकपा के दो छात्र कार्यकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी। कोझीकोड (केरल)

माकपा के दो छात्र कार्यकर्ताओं को कथित रूप से माओवाद के समर्थन वाले पर्चे बांटने के आरोप में, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। राजनीतिक दल सरकार के इस कदम का कड़ा विरोध कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पत्रकारिता का छात्र ताहा फजल और विधि का छात्र अलान शुहैब माकपा के शाखा समिति सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को शुक्रवार की शाम पंतीरानकावु से हिरासत में लिया गया। उनसे पर्चे भी जब्त किए गए हैं। शनिवार को दोनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। बताया जाता है कि कुछ पर्चों में अत्तापडी में चार संदिग्ध माओवादियों को मार गिराने की पुलिस कार्वाई की भी आलोचना की गई है। लेकिन, ताहा फजल के एक रिश्तेदार का कहना है कि उनका माओवादी संगठनों से कोई लेना देना नहीं है। विधानसभा में विपक्ष के नेता रमेश चेन्नीतला ने दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के तहत गिरफ्तार करने को लेकर सरकार की आलोचना की और इसे वाम सरकार की क्रूर कार्रवाई बताया।

दो लोग गिरफ्तार, एक कुंतल डोडा पोस्त बरामद

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने श्रीगंगानगर जिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग एक कुंतल डोडा पोस्त बरामद किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि राजियासर पुलिस थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात कार सवार दो लोगों को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 62 पर रोका गया। तलाशी के दौरान कार से डोडा पोस्त बरामद हुआ जिसका वजन एक कुंतल 40 ग्राम है। पुलिस ने इस मामले में राजाराम बिश्नोई (जोधपुर) व रामचंद्र बिश्नोई (बज्जू) को गिरफ्तार किया है।

निर्भया कोष से मानव तस्करी रोधी शाखा और महिला सहायता केंद्र की स्थापना होगी : ईरानी

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने शनिवार को बताया कि निर्भया कोष की मदद से सभी जिलों में मानव तस्करी निरोधी शाखा और प्रत्एक पुलिस थाने में महिला सहायता केंद्र की स्थापना की जाएगी। निर्भया कोष की स्थापना 2013 में की गई थी। यह कदम 16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में हुए नृशंस सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या के बाद उठाया गया था। इसका मकसद महिला सुरक्षा के लिए सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की पहल का समर्थन करना था। ईरानी ने यह घोषणा ट्विटर के माध्यम से की। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करना एवं उनमें सुरक्षा के भाव को बढ़ाना है। उन्होंने ट्वीट किया, निर्भया कोष सभी पुलिस थानों में महिला सहायता केंद्र और देश के प्रत्एक जिले में मानव तस्करी निरोधी शाखा की स्थापना में मदद करेगा। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अंतरविभागीय सहयोग और प्रभावी शासन का उदाहरण है।

ईरानी ने एक अन्य ट्वीट किया, मैं गृहमंत्री अमित शाह जी की शुक्रगुजार हूं जिन्होंने त्वरित हस्तक्षेप और प्रभावी अमल सुनिश्चित कर अपनी तरह की इस पहली पहल को निर्भया कोष के जरिए लागू करवाया। यह महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होगा।

रासेप समझौता किसानों के हितों को निगल जाएगा: प्रियंका

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रस्तावित रासेप मुक्त व्यापार समझौते को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह किसानों के सारे हितों को निगल जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा, देश में आर्थिक मंदी है। हमारा बाजार हमारे किसानों की ज़्यादा मदद करे अभी ए हमारी नीति होनी चाहिए।उस माहौल में रासेप किसान सत्यानाश समझौता साबित होगा। प्रियंका ने आरोप लगाया, ए भारत के किसानों के सारे हितों को निगल जाएगा और उनके उत्पाद बेचने की जगह सीमित हो जाएगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को तीन दिन की यात्रा पर बैंकाक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी यहां 16वें आसियान- भारत शिखर सम्मेलन, 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (रासेप) की तीसरी शिखर बैठक में भाग लेंगे। उनकी यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब एशिया प्रशांत क्षेत्र के 16 देशों के बीच एक वृहद व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मनाने के वास्ते नए सिरे से राजनयिक प्रयास तेज हुए हैं। एशिया प्रशांत क्षेत्र के 16 देशों का यह व्यापार समझौता यदि होता है तो यह दुनिया में सबसे बड़ा मुक्त व्यापार क्षेत्र होगा।

अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा समझता है तो क्या सभी सांसद विदेश दौरे बंद कर दें: सिंघवी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भाजपा की ओर से सवाल उठाए जाने पर शनिवार को पलटवार किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर यह कहते हुए परोक्ष कटाक्ष किया कि अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा एवं सुर्खियों में रहने को महत्वपूर्ण समझता है तो क्या सभी सांसदों को विदेश दौरे बंद कर देने चाहिए ? सिंघवी ने कहा, भाजपा पहले भी सस्ती राजनीति करती आई है। उसने फिर से किसी की निजी यात्रा के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन कर सस्ती राजनीति का एक और उदाहरण दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं का परोक्ष हवाला देते हुए सवाल किया कि अगर कोई व्यक्ति छुट्टियों को बुरा समझता है या विदेश यात्राओं पर सुर्खियों में रहने को महत्वपूर्ण समझता है तो क्या इसका मतलब है कि सभी भारतीयों और सांसदों को यात्राएं बन्द कर देनी चाहिए, छुट्टियां नहीं लेनी चाहिए, पारिवारिक और सामाजिक सम्बंध नहीं रखने चाहिए? एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, अगर सांसदों को कोई सहयोग चाहिए तो विदेश यात्रा का विवरण बताना पड़ता है।

सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए शिवकुमार

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार को सीने और पीठ में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। धन शोधन मामले में जमानत मिलने के बाद हाल ही में वह दिल्ली से लौटे हैं। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को उनकी सेहत के बारे में जानकारी दी। शिवकुमार के निजी सहायक त्यागराज ने पीटीआई..भाषा को बताया, उनका रक्तचाप ज्यादा और शर्करा का स्तर कम था। उनको पीठ और सीने में दर्द की शिकायत थी। इन्हीं कारणों से उन्हें शुक्रवार की शाम शेषाद्रिपुरम के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका इलाज चल रहा है। शुक्रवार को वह कर्नाटक रक्षणा वेदिका की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गए थे जहां उन्होंने चक्कर आने की शिकायत की। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि जेल से लौटने के बाद कांग्रेस नेता विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेते रहे जिसका उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कर्नाटक में सातवीं बार विधायक बने शिवकुमार को तीन सितंबर को पीएमएलए के तहत ईडी ने गिरफ्तार किया था। उन्हें तिहाड़ जेल में रखा गया था और 23 अक्टूबर को उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत दी।

चिकमंलूर में कन्नड़ राज्योत्सव यानी कन्नड़ दिवस पर नृत्य प्रस्तुत करतीं छात्राएं

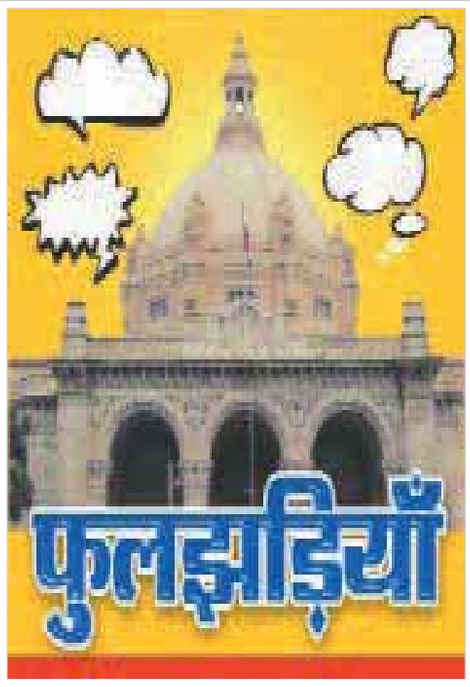

भोले की कृपा

लखनऊ की एक वीआईपी सीट पर हुए उप चुनाव में जीत दर्ज कराने के बाद मास्टर साहब अब मंत्री बनने का ख्वाब देख रहे हैं। राजनीति में आने से पहले वह मास्टर थे। इसलिए अभी उनके निर्वाचन क्षेत्र में अधिकांश लोग उनको मास्टर के नाम से ही जानते हैं। बहरहाल मास्टर जी जो कि भोले का प्रसाद खाकर ही जनता के बीच निकलते हैं उनके चुनाव जीतने के बाद मंत्री बनने की आस उनके अंदर काफी तेजी से जागृत होने लगी है। मास्टर का सोचना है कि अभी तक इस सीट से चुनी गई विधायक प्रदेश में कैबिनेट मंत्री थी और उन्होंने चुनाव भी पिछले चुनाव के मुकाबले अधिक मतों से जीता है और चौथी बार विधायक बनने से उनके अंदर भोले का प्रसाद खाने के बाद आत्मविश्वास और बल पकड़ने लगा है। मित्रों के बीच उन्होंने कहा कि भाईया जो हुआ सब भोले की कृपा और जो होगा वह भी भोले की कृपा से होगा। मंत्री बन गए तो जनता के बीच और तेजी से सेवा करने का मौका मिलेगा। यह कहते हुए माननीय ने अपनी तंबाकू की डिब्बी से मुंह का स्वाद बदला और मुंछों को ताव दिया और समारोह में फीता काटने के लिए चल दिए।

कछुवा स्पीड

अपना शिक्षा विभाग भी हमेशा कछुए की चाल ही चलता है, पर दिक्कत यह है कि यह कछुआ कभी भी रेस में आगे नहीं निकल पाता है। सूबे के मुखिया की प्राथमिकता में शामिल यह विभाग अपनी स्पीड छोड़ने का नाम नहीं ले रहा है। विभाग को तेज तर्रार और युवा मंत्री मिलने के बाद उम्मीद थी कि विभाग की स्पीड में कुछ परिवर्तन होगा पर सारी उम्मीद आस में बोझिल हुई जा रही है। तकरीबन एक माह पूर्व मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर उन विद्यालयों की रिपोर्ट मांगी थी जिनके भवन जर्जर स्थिति में हैं या फिर वहां पर विकास की जरूरत है। मंत्री के फरमान पर अधिकारियों ने भी निर्देश जारी कर दिया। मगर स्थिति यह है कि अभी तक विभाग के पास सभी विद्यालयों की जानकारी नहीं है। अभी अधिकारी तबका रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है जबकि मंत्री सूरत बदलने के लिए बेचैन हैं। अब मंत्री को कौन बताए कि जिस स्पीड से विभाग चलता है उसी स्पीड से चलेगा। अब देखना यह है कि मंत्री का फरमान कितने दिनों में पूरा होता है।

कला की निधि से लबरेज

मीठा-मीठा गप्प, कड़वा-कड़वा थू वाली कहावत अवध के एक अहम जिले के पुलिस कप्तान पर सटीक बैठ रही है। कप्तान साहब जिले में लंबी पारी खेल चुके हैं और किसी की मजाल नहीं जो उनकी कुर्सी हिला पाया हो। जिले में कोई भी गुडवर्क होने पर कप्तान होने के नाते तुरंत बढ़-चढ़कर उसका श्रेय लेने से नहीं चूकते हैं लेकिन मुसीबत यह है कि जब कोई बड़ी वारदात हो जाती है तो बैडवर्क का सेहरा तुरंत मातहतों के सिर मढ़ देते हैं। उनके इस रवैये से मातहत भीतर ही भीतर क्षुब्ध रहते हैं पर अनुशासन की डोर में बंधे कुछ बोल नहीं पाते। मातहत तो मातहत अब उनकी आदत से खाकी वाले महकमे की स्पेशल यूनिट के अफसर भी खुश नहीं हैं। बीते दिनों उनके जिले में एक हिन्दूवादी नेता का राम नाम सत्य कर दिया गया। मामला इतना गंभीर था कि तुरंत भगवा सरकार से लेकर महकमे के आला अफसरान तक सक्रिय हो गए। फिर क्या था कि हत्यारों का सुराग लगाने से लेकर उनकी धरपकड़ के लिए स्पेशल यूनिट लगा दी गयीं। सारी कार्रवाई इन स्पेशल यूनिट के अफसर करते रहे और उसका श्रेय लेने में कप्तान साहब जुटे रहे। खैर कार्रवाई का दबाव इस कदर था कि ये अफसर चुपचाप अपने मिशन में जुटे रहे और कुछ उनके और कुछ गांधीजी वाले प्रदेश की पुलिस की मदद से पूरा केस साल्व हो गया। हाथी निकल जाने के बाद अब केस की सिर्फ पूछ बची है और कप्तान साहब इसके लिए भी इन्हीं एजेंसियों की ओर ताक रहे हैं लेकिन अब इन एजेंसियों के अफसरों ने साफ कह दिया है कि आरोपियों के बचे हुए मददगारों का सुराग लगाने व उनकी गिरफ्तारी की कार्रवाई कप्तान साहब के जिले की पुलिस को ही करनी होगी।

जल बिन मछली...

जिम्मेदारी तो सूबे एक-एक खेत तक पानी पहुंचाने की है लेकिन किस्मत देखिए कि खुद के लिए एक बूंद भी नहीं नसीब हो रही है। अब तो उन्हें देखकर लोग कहने लगे हैं कि नाम बड़े और दर्शन छोटे। बात हो रही है भगवा सरकार के एक वजीर की। अल्पसंख्यक कोटे से बड़े महाराज की टीम में शामिल हुए इन वजीर को ओहदा तो मिल गया है लेकिन जिम्मे काम कुछ भी नहीं है। दरअसल उन्हें जिस महकमे का जिम्मा दिया गया है उसकी कमान महाराज के खास ठाकुर साहब संभाल रहे हैं जिनकी इस समय सरकार में तूती बोल रही है। उनके आगे इन अल्पसंख्यक कोटे वाले वजीर की चलती ही नहीं है। हालांकि अपने को व्यस्त दिखाने के लिए वह रोजाना सुबह टाइम से कार्यालय आ जाते हैं और पूरा दिन बैठे रहते हैं। इसके पीछे एक वजह यह भी है कि अगर घर पर रुकें तो मिलने आने वालों को चाय-नाश्ता कराने की दिक्कत खड़ी हो जाती है। खुद ही कहते हैं कि कम से कम कार्यालय में उन्हें सरकारी चाय-नाश्ता कराकर अपना रुतबा बरकरार रखता हूं।

...मन में न समाय

मेट्रो में चमक बिखेरने को तैयार बैठे अफसरों को ईस्ट वेस्ट कोरिडोर पर ई शासन की हरी झंडी न मिलने से कभी खुशी, कभी गम वाली बेला महसूस हो रही है जबकि पहले लखनऊ में आते ही मेट्रो के अफसरों को मुस्कराओ कि मैं लखनऊ में हूं, खूब भाता था। मेट्रो के पहले कोरिडोर पर पूर्व सरकार ने मेट्रो प्रोजेक्ट को जैसे हाथों हाथ लिया था उसके आदी हो चुके अफसरों को अब नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। अब आलम यह है कि बीते चार माह पूर्व शासन को भेजा ईस्ट वेस्ट कोरिडोर की संशोधित डीपीआर पर कोई पुरसा हाल पूछने वाला नहीं है। बेचारे! मरते क्या न करते, अफसरों ने चिठ्ठियां इतनी भेजी कि अब इनका जवाब भी बड़े घर से न आने पर इन्हें हैरानी नहीं होती। फिलहाल राजधानी में दूसरा कोरिडोर भले ही पिछड़ा हो लेकिन कानपुर रेल कार्पोरेशन का कार्य तेजी में है। उप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड हो चुके लखनऊ मेट्रो पर ठंड शुरू होते ही बर्फीली चादर बिछ चुकी है जो पिघलने का नाम ही नहीं ले रही है। बेचारे बड़े साहब का पूरा जोश भी ठंडा पड़ चुका है। अब दूसरे शहरों के मेट्रो रेल कार्पोरेशन की खुशियों में ही अपनी खुशियां ढूंढने पर मजबूर हैं। हालांकि बड़े साहब का दो वर्ष का विस्तार खुशियां जरूर दे रहा है जो कि अब उन्हें भी बेमानी लगने लगा है।

सरकारी भर्तियों में अब पूरी पारदर्शिता: योगी

सिंचाई विभाग के चयनित अभियंताओं को सीएम ने सौंपे नियुक्ति पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर सवाल खड़े करते हुये कहा है कि उनकी सरकार में योग्यता के आधार पर युवा नौकरी पा रहे है। कही किसी जुगाड़ या जोड़तोड़ की जरूरत नही है। नवजवान बेरोजगारों को पूरी पारदर्शिता के साथ नियुक्तियां मिल रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को लोक सेवा आयोग की मेरिट के आधार पर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के नवचयनित सहायक अभियन्ताओं को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी अभियन्ताओं को छठ पर्व व नियुक्ति की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन आपके जीवन के लिए स्वर्णिम दिन है, क्योंकि आज आप अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मान और स्वावलम्बन की जिन्दगी में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता, जब कोई कार्य पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाता है तो वह कार्य स्वत: बड़ा हो जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नवचयनित अभियन्ता सिंचाई विभाग द्वारा किये जाने वाले विभिन्न कार्यों को पूरी योग्यता और ऊर्जा के साथ संचालित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी अभ्यर्थियों ने देश की नामी संस्थाओं से डिग्री प्राप्त की है। डिग्री प्राप्त करना एक सैद्धान्तिक पक्ष है वहीं अब आप इस डिग्री के माध्यम से व्यावहारिक कार्य क्षेत्र में उतर रहे हैं। अब आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि प्रदेश के किसानों को किस प्रकार से अच्छी और उच्च श्रेणी की सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती इतनी उपजाऊ है कि यहां का किसान पूरी दुनिया का पेट भरने की ताकत रखता है। किसानों को बेहतर तकनीक उपलब्ध करायी जाए। अधिक अन्न उपजाने के लिए फसलों की सिंचाई के लिए जल अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने अयोध्या का जिक्र करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा राम की पैड़ी को हरिद्वार की हर की पैड़ी की तरह स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी एक कृषि प्रधान प्रदेश है। कृषि की बेहतरी के लिए सिंचाई आवश्यक तत्व है। जल जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसके महत्व को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया है। प्रदेश सरकार ने भी राज्य में जलशक्ति मंत्रालय गठित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवचयनित सहायक अभियन्ताओं, गौरव गोयल, यशोधरा बिष्ट, सलमान अहमद, वैभव पाण्डेय, गीता कुमारी, नेहा मिश्रा, तन्वी श्रीवास्तव, सौरभ मालवीय, सूर्य भूषण राय तथा प्रज्ञा राय को प्रमाण पत्र वितरित किए। इससे पूर्व मुख्यमंत्री को उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन की ओर से 54 लाख रुपए का डिविडेण्ड चेक तथा 32 लाख 11 हजार रुपए की धनराशि का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु सौंपा गया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से उत्तर प्रदेश तेजी से बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार ने प्रत्येक भर्ती को पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहली बार मेरिट के आधार पर अभ्यर्थियों को विकल्प भरने का अवसर भी दिया गया। जलशक्ति राज्यमंत्री श्री बलदेव सिंह ओलख ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन टी वेंकटेश, सूचना निदेशक शिशिर, प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन अनूप कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

किसानों को जरूरत की सारी चीजें मुहैया कराने में एग्री जंक्शन व एफपीओ की भूमिका अहम: शाही

● कृषि उद्यमिता ही किसानों के विकास का महामंत्र: लाखन सिंह राजपूत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के लिये खाद्य प्रसंस्करण एवं लाभकारी विपणन की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को एक ही स्थान पर उनकी जरूरत की सारी वस्तुयें मुहैया हो सके, इसमें एग्री जंक्शन एवं एफ पीओ की बहुत बड़ी भूमिका है। साथ ही एग्री जंक्शन एवं एफ पीओ पर किसानों का विश्वास स्थापित हो, और यह विश्वास भविष्य में भी कायम रहेए इस पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। श्री शाही ने यह बात शनिवार को कृषि निदेशालय के प्रेक्षागृह में एग्री जंक्शन एवं एफपीओ संचालकों का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कही।

श्री शाही ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई देते हुये बताया कि एफ पीओ पर सालाना लगने वाला आयकर विगत वर्ष भारत सरकार द्वारा समाप्त कर दिया गया है, जिससे एफ पीओ की वार्षिक आय अब आयकर मुक्त हो गयी है। उन्होंने एग्री जंक्शन एवं एफ पीओ को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताते हुये कहा कि आज कृषि की दिशा बदलने की जरूरत है, जिसके लिये आवश्यक है कि किसान को उसके उत्पाद के समुचित रखरखाव के साथ-साथ उत्पाद का सही मूल्य भी प्राप्त हो। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित मृदा स्वास्थ्य प्रयोगशाला की स्थापना सम्बन्धी योजना का कार्य एग्री जंक्शन को दिये जाने पर विचार किया जा रहा है। प्रयोगशाला की स्थापना की लागत 5 लाख रूपये के सापेक्ष मात्र 1.25 लाख रूपये एग्री जंक्शन संचालक को लगाने होंगे, जबकि 3.75 लाख रूपये का अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जायेगा।

इस अवसर पर मौजूद कृषि राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में कहा कि कृषि उद्यमिता ही किसानों के विकास का महामंत्र है। उन्होंने कहा कि किसानों को अब मांग के अनुसार खेती पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पारम्परिक खेती के स्थान पर बाजार में जिस उत्पाद की मांग सर्वाधिक है, उसकी खेती करके किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, परन्तु वर्तमान बाजार व्यवस्था में उत्पादन या उत्पादकता वृद्धि से किसानों की आय में वृद्धि होगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान रखने वाले युवाओं को अपने ज्ञान का उपयोग किसान के रूप में न करके उद्यमी के रूप में इसका उपयोग करें।

छठ पर्व को स्वच्छता के साथ जोड़ा जाना चाहिए: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छठ पर्व जैसे आयोजनों को हमे स्वच्छता के साथ जोड़ना चाहिए। जब हम भगवान सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं तो हम इस बात का ध्यान रखें कि जल की शुद्धि और जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा के साथ-साथ लोकआस्था के इस महापर्व छठ ने भोजपुरी समाज को सम्मान दिलाया है। आज देश के विभिन्न राज्यों ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में इस पर्व को भव्यता से मनाया जाता है। लोक आस्था का यह पर्व प्रकृति के प्रति हम सबकी भावनाओं को दर्शाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोमती तट पर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भगवान सूर्य की उपासना का यह पर्व सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारे त्यौहारों में संकीर्णताओं को ढूंढ़ने का प्रयास करते हैं, यह पर्व उनकी आँखें खोलने वाला है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी समाज की अपनी एक बड़ी ताकत है। मुझे खुशी है कि पांच बार सांसद रहते हुए मुझे भोजपुरी समाज से बहुत सहयोग मिला है।

उन्होंने कहा कि यह भोजपुरी समाज की ही ताकत है जो देश और दुनिया के साथ जुड़कर समाज को एक नई दिशा दे रही है। यह पर्व हम सबको भारत की राष्ट्रीयता के एक सूत्र में बांधने की प्रेरणा देता है। श्रीयोगी ने कहा कि इस पर्व में निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। प्रकृति के साथ मानव के जुड़ाव का संदेश देने वाला छठ पर्व इसी समृद्ध परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इससे सामाजिक समरसता और सौहार्द में वृद्धि होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान राम के आगमन को हम दीपावली के रूप में मनाते हैं। यह आयोजन सिर्फघरों तक ही सीमित रह गया था। लेकिन जब 2017 में प्रदेश में बीजेपी सरकार आयी तो हमने देश और दुनिया के सामने दीपोत्सव के माध्यम से अयोध्या की एक नई छवि गढ़ने का काम किया। इस साल भी जनसहभागिता के माध्यम से अयोध्या में दीपोत्सव में 6 लाख 11 हजार दीपों को एक साथ जलाकर हमने नया इतिहास रचा। आज अयोध्या के प्रति लोगों की धारणाएं बदल गई है। आज हर तबका दीपोत्सव जैसे अयोजन में जुड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित कुंभ में 25 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कुंभ ने सुरक्षा, सुव्यवस्था, और स्वच्छता का जो मानकर प्रस्तुत किया है यह मानक सभी पर्व और त्योहारों को प्रस्तुत करना चाहिए। महात्मा गांधी ने स्वदेशी और स्वांलबन का जो संदेश हमें दिया है उसे हमें पर्व और त्यौहारों में भी ध्यान रखना होगा। उन्होंने कहा कि नदीए पोखर और नाले जल संरक्षण के माध्यम है। नदी में जल का प्रवाह अविरल होगा तो वह निर्मल भी होगा। हमें प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंत्रियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। इस मौके पर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री बृजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री डा. महेंद्र सिंह, नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन समेत कई मौजूद थे।

लखनऊ में गोमती नदी में छठ पूजा करते श्रद्धालु

भाजपा सरकार में अरबों रुपए का बड़ा घोटाला सामने आया: अखिलेश

● वित्तीय अनियमितता की उच्च स्तरीय जांच हो: सपा प्रमुख

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार भ्रम और भय के सहारे अपनी राजनीति कर रही है। ढाई साल बीत गए भाजपा सरकार ने एक यूनिट विद्युत भी उत्पादित नहीं किया है। आलम ये है कि भाजपा सरकार में अरबों रूपए का एक बड़ा घोटाला सामने आया है। बिजली कर्मचारियों के 16 अरब रूपए एक डिफाल्टर कम्पनी डीएचएफसीएल में लगा दिया गया। इस कम्पनी के आतंकवादी इकबाल मिर्ची और दाऊद से सम्बंध बताए जाते हैं। अब सवाल यह है कि बिजली कर्मचारियों की गाढ़ी कमाई के पैसे कौन लौटाएगा, इस मामले की उच्च स्तरीय जांच हो तभी इस वित्तीय अनियमितता का खुलासा हो पाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के समय घरों में बिजली के मीटर लगाने की शुरूआत हो गई थी अब उसी पर राजनीति कर जनता को बहकाने की योजना पर भाजपा सरकार काम कर रही है। भाजपा सरकार जनता को ठगने के लिए खराब गुणवत्ता वाले मीटर लगा रही है। उपभोक्ता परेशान है, और गलत बिलिंग के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने विद्युत व्यवस्था को तहस नहस करने में कुछ उठा नहीं रखा है। लाइन हानि और बिजली चोरी रोकने में उसकी असफलता जगजाहिर है। इस सरकार ने एक काम यह जरूर किया कि उपभोक्ताओं पर भारी आर्थिक भार लादने में कोई संकोच नहीं किया। भाजपा सरकार ने अभी पिछले दिनों ही बिजली दरों में भारी वृद्धि की जिससे घरेलू अर्थव्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। उन्होंने कहा कि इसमें दो राय नहीं कि भाजपा सरकार ने अपने अब तक के कार्यकाल में सिर्फ जनसामान्य को परेशान करने वाली नीतियां एवं निर्णय ही अपनाए हैं।

बढ़ते प्रदूषण के लिए केंद्र व राज्य सरकार सबसे अधिक जिम्मेदार: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और पार्टी विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि वायु प्रदूषण के कुप्रभाव में भारत की 40 फीसदी आबादी है, यह अत्यंत चिंता का विषय है। इसके लिए दूषित प्रदूषण उगल रहे कारखाने, प्रदूषण फैला रहे वाहन सहित अन्य तो जिम्मेदार हैं ही किन्तु सबसे अधिक जिम्मेदार केंद्र और उत्तर प्रदेश की सरकार है, जिसे बढ़ते हुए बढ़ते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करना था लेकिन या तो वह आंख मूंदे रही या फिर उसके जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्टाचार में डूबकर इसमें सहायक बन रहे हैं।

दोनों नेताओं ने कहा कि शिकागो की शोध संस्था एपिक (एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो अमेरिका) ने शोध करके यह बताया है कि वातावरण में व्याप्त प्रदूषण के कारण प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लोगों के जीवन की औसत आयु में 9.5 वर्ष की कमी आई है । इसी तरह गाजियाबाद मे 10.74 वर्ष, गौतमबुद्ध नगर में 10.66 वर्ष, मेरठ में 10.37 वर्ष, फैजाबाद में 9.47 वर्ष, कानपुर में 8.59 वर्ष, वाराणसी में 7.55 वर्ष, प्रयागराज में 7.08 वर्ष सहित प्रदेश के कई महत्वपूर्ण नगरों के निवासियों के जीवन आयु में कमी आई है । इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के निवासियों की 8.6 वर्ष जीवन आयु औसतन घट गयी है । यद्यपि की पिछले कई वर्षो से प्रदूषण तो बढ़ रहा था किन्तु पिछले 4-5 वर्षो में वायु प्रदूषण में खतरनाक और चौंकाने वाली बढ़ोत्तरी हुई है। नेता द्वय ने कहा कि आज जब लोग जहरीले प्रदूषण की चपेट में है तो केन्द्र और प्रदेश सरकार बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने की बजाय मस्ती में डूबी है।

व्हाट्सएप जासूसी मामले में केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद इस्तीफा दें

नेता द्वय ने कहा कि है कि एक निजी कम्पनी के इस खुलासे के बाद कि निजता के आधार का उल्लंघन करके फेसबुक और व्हाट्सएप पर जासूसी हो रही है, कम्पनी द्वारा इसकी जानकारी माह मई 2019 में ही केन्द्र सरकार को दे दी गयी थी कि काफी समय से यह जासूसी हो रही है । देश में मार्च, अप्रैल और मई 2019 में ही लोक सभा के आम चुनाव हुए थे तो सरकार इस खुलासे के बाद भी क्यूं चुप्पी साधे रही, या फिर जानकारी के बावजूद भी सरकार इस पर रहस्यमय चुप्पी क्यों बनाये रही। क्या इस प्रकरण का सम्बन्ध देश में हो रहे आम चुनाव से था? यह साफ्टवेयर इजराइल में बना था, जिसकी दोस्ती 'मोदी सरकार' और भारतीय जनतापार्टी से जगजाहिर है। जो लोग जासूसी के शिकार हुए हैं, ये वही लोग है जो भारतीय जनतापार्टी और भारतीय जनतापार्टी सरकार के विरोधी विचारधारा के हैं। नेता द्वय ने कहा है कि इसके बाद भी सवालों पर केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मन्त्री रविशंकर प्रसाद की रहस्यमय चुप्पी और संतोषजनक जवाब न दे पाना क्या किसी घटना की तरफ इशारा कर रहा है? जब सरकार को कम्पनी ने मई 2019 में इसकी जानकारी दे दी थी तो देश की जनता को सरकार ने विश्वास में क्यों नहीं लिया? ये सब इशारा करता है कि भारतीय जनतापार्टी सरकार चुनाव के दौरान क्या कर रही थी? या देश की जनता से कुछ छिपा रही थी? क्या यह भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त निजता के अधिकार का उललंघन नहीं है? सरकार ने क्या किसी मजबूरी में इस प्रकरण पर कार्रवाई नहीं की? यह बहुत बड़ा सवाल है जो आम आदमी को सोचने पर विवश कर रहा है। ये अमेरिका के चुनाव में 'वॉटरगेट कांड' की तरह प्रतीत होता है। नेता द्वय ने कहा है कि केन्द्र सरकार इसकी जिम्मेदारी ले और केन्द्रीय सूचना और प्रौद्योगिकी मन्त्री इस्तीफा दें।

राष्ट्रपति कोविंद दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम पहुंचे

एजेंसी। गंगटोक

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अपनी पत्नी सविता के साथ शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर सिक्किम पहुंचे। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआर) की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार राज्यपाल गंगा प्रसाद, मुख्यमंत्री प्रेस सिंह तमांग और वरिष्ठ नागरिक तथा सैन्य अधिकारियों ने लीबिंग स्थित सेना के हेलीपैड पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सलामी गारद का निरीक्षण करने के बाद कोविंद राज भवन के लिए रवाना हुए। आईपीआर की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वह अन्य व्यस्तताओं के बीच रविवार को सिक्किम विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगे।

मैं रबड़ स्टांप प्रशासक नहीं जो सिर्फ दस्तखत करे: बेदी

एजेंसी। नई दिल्ली, पुडुचेरी

पुडुचेरी की उपप्रशासक किरण बेदी ने मुख्यमंत्री वी नारायणसामी द्वारा उन्हें राक्षस कहे जाने के बाद शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह कोई रबड़ स्टांप प्रशासक हैं, जिसका काम सिर्फ हस्ताक्षर करना है। उन्होंने पीटीआई को बताया, मुख्यमंत्री एक प्रशासक को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं जो मामला-दर-मामला के आधार पर उन्हें भेजी जाने वाली फाइलों पर अपने विवेक का इस्तेमाल करती है।

उन्होंने कहा, अगर आप उपप्रशासक से किसी बात पर स्वीकृति चाहते हैं तो आप पहले से ही स्वयं निर्णय नहीं कर सकते हैं। फाइल को अच्छी तरह देखने के दौरान मैं अपने विवेक का इस्तेमाल करूंगी और वे मुझे यह उम्मीद नहीं कर सकते हैं कि मैं इस पर अपने आप हस्ताक्षर कर दूंगी। बेदी ने खुद को राक्षस कहे जाने के विरोध में मुख्यमंत्री वी नारायणसामी के खिलाफ हमला जारी रखते हुए शनिवार को कहा, मुख्यमंत्री असली राक्षसों को नहीं पहचानते, अगर वी चाहें तो असली राक्षसों को पहचानने में मैं उनकी मदद करूंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुडुचेरी में जिस दिन से उन्होंने पदभार संभाला है तब से कांग्रेस सरकार उन्हें अपने इशारे पर चलाना चाहती है। उन्होंने कहा, मुझसे उनकी जो उम्मीदें थीं शुरू से ही वो उनके उलट रहीं। हो सकता है वे इसके उलट व्यवहार के आदी रहे हों। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने उन्हें यह एहसास दिलाया कि वह कोई रबड़ स्टांप प्रशासक नहीं हो सकतीं जो सिर्फ हस्ताक्षर करे , तब उन्होंने उनके खिलाफ अशोभनीय, असभ्य और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। बेदी ने कहा कि इस मुद्दे को वह अपनी मासिक रिपोर्ट में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री

और केंद्रीय गृह मंत्री के सामने उठाएंगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उनके राजनीतिक विरोधी उनके खिलाफ अपमानजनक बयानबाजी कर रहे हैं, पोस्टर चिपका रहे हैं, कार्टून बना रहे हैं और उनकी अशोभनीय कैरिकेचर बनाकर प्रदर्शित कर रहे हैं। वह इससे पहले भी केंद्र और उसके कैबिनेट सहयोगियों से नारायणसामी के खिलाफ शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन अब तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है।

बेदी ने कहा, एक तरफ कांग्रेस सरकार पुडुचेरी के लिए पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग कर रही है तो दूसरी तरफ वे संवैधानिक प्रावधानों के तहत मौजूदा उपप्रशासक को मिले अधिकारों एवं जिम्मेदारियों को स्वीकारना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, केंद्र प्रशासित क्षेत्र अधिनियम और व्यापार एवं वित्तीय शक्तियां नियम के तहत मेरे पद के लिए निहित अधिकारियों और जिम्मेदारियों के साथ मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन करती रहूंगी। उन्होंने कहा कि वह उनके (नारायणसामी के) दुर्व्यवहार के बजाय अपने काम पर कहीं अधिक ध्यान देती हैं। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें राक्षस कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए वह उनकी इस टिप्पणी को असंसदीय, असभ्य, अनुचित, अशोभनीय और अस्वीकार्य बता चुकी हैं। अपने व्हाट्सऐप संदेश में उन्होंने नारायणसामी से केंद्र प्रशासित क्षेत्र में जमीन हथियाने वाले और रंगदारी वसूलने वालों के रूप में मौजूद कई असली राक्षसों की पहचान करने को कहा। उन्होंने कहा कि इन राक्षसों को गुंडा भी कहा जाता है और अब इन पर पुलिस की नजर है। उन्होंने पुडुचेरी के पुलिस महानिदेशक बालाजी श्रीवास्तव द्वारा ऐसे राक्षसों की हिस्ट्री शीट खोलने के आदेश को रेखांकित किया। इसके तहत को ऐसे सभी राक्षसों का काला-चिट्ठा एकत्र कर इसमें उनके साथियों और उनसे लाभ हासिल करने वालों की जानकारी रखने को कहा गया था।

बेदी ने यह भी कहा कि अगर मुख्यमंत्री असली राक्षसों की पहचान करना चाहते हैं तो वह उनकी मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि वह अपने आधिकारिक निवास स्थान राज निवास में खुली शिकायत समाधान प्रणाली के माध्यम से नियमित आधार पर इन राक्षसों के बारे में सुनती आ रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे राक्षस कहना गलत पहचान का मामला है क्योंकि राक्षस पुडुचेरी को जल-सम्पन्न नहीं बनाते और वहां पेड़ नहीं लगाते या भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्वाई करने में तेजी नहीं दिखाते और न ही पुडुचेरी में सीबीआई की एक शाखा खोलने के लिए कहते।

पुडुचेरी में 31 अक्टूबर को कांग्रेस की एक बैठक में नारायणसामी ने बेदी के खिलाफ यह टिप्पणी की थी। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि उनकी सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के बहुत से काम को पूरा करने का भरपूर प्रयास कर रही है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने उपप्रशासक के रूप में एक राक्षस को नियुक्त किया है जो कथित रूप से कई कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में बाधा डालती रहती हैं।

मुकेश कुमार गुप्ता और राजकुमार एलआईसी के प्रबंध निदेशक नियुक्त

एजेंसी। मुंबई

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को बताया कि मुकेश कुमार गुप्ता और राजकुमार ने शुक्रवार को कंपनी के प्रबंध निदेशक के तौर पर कामकाज संभाल लिया। सरकार ने एक आदेश के माध्यम से दोनों को पदोन्नत किया है। गुप्ता पहले एलआईसी में कार्यकारी निदेशक (कार्मिक) थे और केंद्रीय जोन के प्रभारी क्षेत्रीय प्रबंधक के तौर पर सेवाएं दे चुके हैं। कुमार अंतरराष्ट्रीय परिचालन के कार्यकारी निदेशक रहे हैं। एक बयान के अनुसार दोनों की पदोन्नति के बाद कंपनी के प्रबंध निदेशकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। टीसी सुशील कुमार और विपिन आनंद भी प्रबंध निदेशक के रूप में कामकाज देख रहे हैं।

ईडी ने चिदंबरम की जमानत याचिका का विरोध किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय में आईएनएक्स मीडिया धनशोधन मामले में पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी चिदंबरम की जमानत याचिका का शनिवार को विरोध किया। ईडी ने कहा कि उनके (चिदंबरम) द्वारा कथित तौर पर किए गए अपराधों की गंभीरता उन्हें राहत पाने का हकदार नहीं बनाती। 74 वर्षीय चिदंबरम की जमानत याचिका के जवाब में दायर अपने हलफनामे में ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता की, उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनने संबंधी दलील विधि सम्मत नहीं है और उनकी याचिका खारिज किए जाने योग्य है। मामला न्यायमूर्ति सुरेश कैत के समक्ष सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। न्यायमूर्ति कैत ने चिदंबरम की जमानत याचिका पर जांच एजेंसी से जवाब देने को कहा था। चिदंबरम ईडी द्वारा दायर धनशोधन मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद है। उच्चतम न्यायालय ने आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में 22 अक्टूबर को चिदंबरम को जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को चिदंबरम की अंतरिम जमानत याचिका का निस्तारण करते हुए तिहाड़ जेल के अधीक्षक को आंतों से जुड़ी बीमारी क्रोहन से पीड़ित चिदंबरम को स्वच्छ परिवेश, मिनरल वाटर, घर का बना भोजन और मच्छरदानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। जमानत याचिका पर अपने जवाब में ईडी ने कहा कि चिदंबरम द्वारा कथित तौर पर किए गए अपराध की गंभीरता को देखते हुए वह अदालत से राहत पाने के हकदार नहीं है। उन्होंने व्यक्तिगत लाभ के लिए देश के उच्च पद का दुरुपयोग किया। ईडी ने कहा कि उन्हें जमानत दिया जाना न केवल न्यायालय और देश की भ्रष्टाचार पर कोई समझौता नहीं करने की नीति के खिलाफ होगा, बल्कि सभी भ्रष्टाचार के मामलों में एक बहुत गलत मिसाल कायम करेगा। एजेंसी ने कहा कि जांच से इकट्ठा

की गई पर्याप्त सामग्री से पता चलता है कि यह स्पष्ट रूप से धनशोधन का मामला है जिसमें चिदंबरम, उनके पुत्र कार्ति और अन्य की संलिप्तता है। चिदंबरम ने इससे पहले धनशोधन मामले में उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत मांगी थी। हालांकि याचिका को खारिज कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय में फैसले को चुनौती दी गई थी और वहां भी उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया गया था। ईडी ने धनशोधन मामले में चिदंबरम को 16 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। यह मामला 2007 में वित्त मंत्री के रूप में चिदंबरम के कार्यकाल में विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एफआईपीबी) द्वारा आईएनएक्स मीडिया को 305 करोड़ रुपए का विदेशी निवेश प्राप्त करने की मंजूरी में हुई कथित अनियमितताओं से संबंधित है। सीबीआई ने आईएनएक्स मीडिया भ्रष्टाचार मामले में 18 अक्टूबर को दाखिल अपने आरोप पत्र में चिदंबरम और कई अन्य के नाम लिए थे। निचली अदालत ने 21 अक्टूबर को आरोप पत्र पर संज्ञान लिया था और इसके बाद 22 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय ने मामले में उन्हें नियमित जमानत दे दी थी। चिदंबरम ने अपनी जमानत याचिका में दलील दी है कि सीबीआई और ईडी के मामले एक ही वित्तीय लेन-देन से संबंधित हैं और इसलिए दोनों मामलों में अलग-अलग हिरासत में नहीं लिया जा सकता है। याचिका में दलील दी गई है कि मामले में सभी सबूत दस्तावेजी हैं और जांच एजेंसियों के पास हैं इसलिए वह (चिदंबरम) सबूतों से छेड़छाड़ नहीं कर सकते हैं। इसमें दावा किया गया है कि चिदंबरम हमेशा ईडी की पूछताछ के लिए उपलब्ध रहे हैं और एजेंसी के समक्ष पेश हुए हैं।

चंद्रमा पर लैंडिंग का फिर होगा प्रयास

● इसरो प्रमुख ने कहा-चंद्रयान-दो कहानी का अंत नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

इसरो प्रमुख के. सिवन ने कहा है कि चंद्रयान-दो के साथ चंद्रमा पर फतह हासिल करने की देश की कोशिशों की दास्तान खत्म नहीं हो गई है और अंतरिक्ष एजेंसी निकट भविष्य में सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास करेगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने राष्ट्रीय राजधानी आए सिवन ने कहा कि आने वाले महीनों में कई उन्नत उपग्रह प्रक्षेपित किए जाएंगे। सिवन ने दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आप सबने चंद्रयान-दो मिशन के बारे में सुना है। प्रौद्योगिकी के लिहाज से हम सॉफ्ट लैंडिंग में कामयाब नहीं हो पाए लेकिन चंद्रमा की सतह से 300

मीटर तक सभी सिस्टम चलता रहा। उन्होंने कहा, चीजें सही करने के लिए अत्यंत मूल्यवान डेटा उपलब्ध हैं। मैं आश्वस्त कर सकता हूं कि इसरो चीजों को सही करने और निकट भविष्य में सॉफ्ट लैंडिंग के लिए अपने सारे अनुभव, ज्ञान और तकनीकी कौशल का इस्तेमाल करेगा। सिवन से जब पूछा गया कि क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से में लैंडिंग का फिर से प्रयास करेगा, तो उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर। इसरो प्रमुख ने कहा, चंद्रयान-दो कहानी का अंत नहीं है। हमारी योजनाओं में आदित्य एल-। सौर मिशन, इंसान को अंतरिक्ष में भेजने के कार्यक्रम पर काम चल रहा है। आने वाले महीनों में कई उन्नत उपग्रह प्रक्षेपित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिसंबर या जनवरी में छोटा उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) छोड़ा जाएगा। 200 टन वाले सेमीक्रायो इंजन पर जल्द काम शुरू होना है, मोबाइल फोन पर नाविक सिग्नल प्रदान करने पर काम हो रहा है। आईआईटी को भारत में तकनीकी शिक्षा का पावन स्थान बताते हुए सिवन ने कहा कि जब तीन दशक पहले आईआईटी बंबई से वह स्नातक हुए थे तो आज की तरह रोजगार का परिदृश्य इतना जीवंत नहीं था। इसरो प्रमुख ने छात्रों को समझदारी से करियर का विकल्प चुनने की सलाह दी। उन्होंने कहा, एक चीज याद रखिए केवल एक जिंदगी है और करियर के बहुत सारे विकल्प हैं। ऐसी इंडस्ट्री चुनिए जो आपकी दिलचस्पी और लगाव वाला हो। धन के लिए नौकरी चुनने की बजाए खुशी के लिए इसे चुनिए। दीक्षांत समारोह को संबोधित करने के पहले इसरो प्रमुख ने संस्थान में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ (एसटीसी) की स्थापना के लिए आईआईटी दिल्ली के साथ एक करार पर दस्तखत किए। दीक्षांत समारोह में कुल 1217 स्नातकोत्तर और 825 स्नातक छात्रों को डिग्री प्रदान किए के जाने के साथ चुनिंदा पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया गया।

मुर्मू ने किया बारामूला और अनंतनाग का दौरा

एजेंसी। श्रीनगराजम्मू

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल जी सी मुर्मू ने शनिवार को उत्तर कश्मीर में बारामूला और दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग जिले का दौरा किया तथा वहां विकास कार्यों के साथ कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि नए केंद्रशासित प्रदेश का पहला उप राज्यपाल बनने के बाद मुर्मू का घाटी के दो जिला मुख्यालयों का यह पहला दौरा है। बारामूला में एक उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, निर्बाध और सुगम लोक सेवा प्रणाली के लिए सुशासन और सक्षम प्रशासन महत्वपूर्ण हैं। भलीभांति परिभाषित नागरिक संहिता तथा शिकायत निवारण प्रणाली किसी भी कल्याणकारी प्रशासन के आधारस्तंभ हैं। उप राज्यपाल ने दोनों जिलों को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हरसंभव सहायता का वादा किया। इस मौके पर मुर्मू ने बैक टू विलेज कार्यक्रम के तहत चिह्नित ग्राम स्तर के कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता की घोषणा की। उन्होंने सोपोर में शीरवानी हॉल में सभागार के पुनर्निर्माण तथा एसएसपी कार्यालय के नए भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए की अतिरिक्त सहायता की भी घोषणा की। मुर्मू ने बैठक में आगामी सर्दियों के लिए प्रशासन की तैयारियों का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि लोगों को कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने अधिकारियों को सर्दियों से पहले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के आपदा संभावित क्षेत्रों में सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ राहत तथा बचाव केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया।

मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ने की परिवार के तीन सदस्यों की हत्या

पालनपुर। गुजरात के बनासकांठा जिले में मानसिक रूप से बीमार एक व्यक्ति को अपनी मां, पत्नी और दो वर्षीय पुत्र की कथित तौर पर हत्या करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जिले के लखनी तालुका के भकडियाल गांव निवासी भीखा ठाकोर (25) ने अपनी मां जगीबेन (50), पत्नी जेबर (23) और बेटे जिग्नेश की धारदार हथियार से हत्या कर दी और अपने भाई की पत्नी को घायल कर दिया। अगथला पुलिस थाने के उपनिरीक्षक के के पटाडिया ने कहा, आरोपी कथित रूप से इससे नाराज था कि उसे अपने परिवार के सदस्यों से बेरोजगार होने और खेती में भी हाथ नहीं बटाने को लेकर ताने सुनने पड़ते थे।

छत्तीसगढ़ में धान खरीद एक दिसंबर से होगी शुरू

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ में चालू खरीफ सत्र की धान की खरीद एक दिसंबर से शुरु होगी और 15 फरवरी तक चलेगी। राज्य सरकार ने किसानों से 2,500 रुपए क्विंटल की दर से धान खरीद की योजना बनाई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में राज्य मंत्रिमंडल ने खरीद कार्य और चालू विपणन सत्र के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत धान और मक्का की खरीद और उसकी मिलिंग नीति को मंजूरी दे दी। अधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार एक दिसंबर से लेकर अगले वर्ष 15 फरवरी तक प्राथमिक सहकारिता सोसायटियों से धान खरीदेगी। राज्य सरकार ने चालू खरीफ सत्र में किसानों से 2,500 रुपए प्रति क्विन्टल की दर से करीब 85 लाख टन धान खरीद करने की योजना बनाई है। सरकार का इरादा अधिशेष चावल को भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत उपयोग के लिए योगदान करने का है। उन्होंने कहा कि हर पंजीकृत किसान से कम से कम प्रति एकड़ 15 क्विन्टल धान की खरीद की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि यहां यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में बघेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर किसानों के व्यापक हित में धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाकर 2,500 रुपए क्विंटल करने का अनुरोध किया था। इसके साथ ही यह भी कहा गया था कि या फिर प्रदेश को बढ़ी हुई कीमत पर धान खरीद की अनुमति दी जाए।

जर्मनी की चांसलर एंजेला मार्केल नई दिल्ली के द्वारका सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन पर लगे सोलर पैनल को देखने जाते हुए

पेज एक का शेष

जानलेवा धुंध...

स्टेडियम में टी-20 मैच खेलने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने जावडेकर को पत्र में लिखा है कि मर्केल और मास्क पहन कर मैच प्रैक्टिस करते विदेशी क्रिकेटर आखिर भारत की क्या छवि लेकर अपने देश जाएंगे। पत्र के साथ एक हलफनामा जारी करते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एमसी मेहता बनाम भारत संघ के मामले में पिछले माह दायर इस हलफनामे मे केंद्र ने माना है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के लिए पराली जलाने का प्रमुख योगदान है। पलटवार करते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जावडेकर ने कहा कि केजरीवाल प्रदूषण के मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली के बच्चों को पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ भड़का रहे हैं। एक दिन पहले ही केजरीवाल ने स्कूली छात्रों से पराली जलाने से रोकने के लिए दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखने को कहा था। जावडेकर ने कहा कि वायु प्रदूषण ऐसी समस्या है जो पिछले 15 वर्षों में बिगड़ी है और अब नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा इसका निवारण किया जा रहा है। हमने एनसीआर के मंत्रियों और अधिकारियों की अंतर-राज्य बैठकें शुरू कर दी हैं। इससे उलट, उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने आरोप लगाया था कि जावडेकर ने प्रदूषण के मुद्दे पर राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ तीन बार- 12 सितंबर और उसके बाद 17 व 19 अक्टूबर को होने वाली बैठकें स्थगित की हैं। राजधानी में प्रदूषण की समस्या का समधान उनकी प्राथमिकता में नहीं है।

हवाओं ने ...

की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार गाजियाबाद लगातार सबसे प्रदूषिण शहर बना हुआ है। बोर्ड के शाम चार बजे के बुलेटिन के अनुसार यहां एक्यूआई एनसीआर में सबसे अधिक 453 रहा। इसके बाद ग्रेटर नोएडा में 438, नोएडा में 432 और फरीदाबाद में 404 रहा। मामूली राहत के साथ गुणगांव और सोनीपत में क्रमश: 364 और 216 पर दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसारचक्रवात महा और ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में सात और आठ नवंबर को बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि हालांकि हल्की बारिश होगी लेकिन यह जल रही पराली के प्रभाव को कम करने के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगी और प्रदूषकों को भी दूर करेगी।

मुख्यमंत्रियों ने ...

द्वारा प्रदूषण पर कथित राजनीति करने की आलोचना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखी चिट्ठी में पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने भी केंद्र से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने रेखांकित किया है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों की परेशानी से उनका राज्य बेरपरवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पराली प्रबंधन के तहत किसानों को 100 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने के उनके प्रस्ताव पर जवाब नहीं दिया है।

तीस हजारी ...

लापरवाही का मामला है। उन्होंने दावा किया कि करीब डेढ़ घंटे बाद वकील को हवालात से छोड़ दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि झड़प के दौरान एक वाहन में आग लगा दी गई और आठ अन्य वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। आठ बाइकों में भी आग लगा दी गई। दमकल विभाग ने मौके पर 10 गाड़ियों को भेजा। झड़प के बाद घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिसकर्मियों और दंगा रोधी वाहनों को तैनात किया गया। पुलिस ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और झड़प के कारण अदालत परिसर के भीतर फंसे विचाराधीन कैदियों को बाद में पुलिस वाहनों से संबंधित जेलों में पहुंचाया गया। अदालत परिसर के द्वार के सामने बैठकर प्रदर्शन करते हुए वकीलों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने घटना के दौरान गोली चलाई और इसमें संलिप्त कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के अध्यक्ष केसी मित्तल ने कहा, हम तीस हजारी अदालत में पुलिस द्वारा वकीलों पर बर्बर और बिना किसी उकसावे के हमले की कड़ी निंदा करते है। एक वकील की हालत नाजुक है। हवालात में एक वकील को पीटा गया। पुलिस ने घोर लापरवाही दिखाई। उन्हें बर्खास्त करना चाहिए और उनपर मुकदमा चलना चाहिए। हम दिल्ली के वकीलों के साथ खड़े हैं। दिल्ली कांग्रेस प्रमुख सुभाष चोपड़ा पार्टी सदस्यों के साथ अदालत परिसर पहुंचे और झड़प में संलिप्त कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। असम बार काउंसिल की सदस्य खुशबू वर्मा कुछ काम से वहां आई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने उनपर हमला किया। उन्होंने दावा किया, एक भी महिला पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थी।

सोनिया का...

प्रधानमंत्री मोदी सुर्खियां बटोरने और आयोजनों में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के इस रुख की लाखों भारतीय नागरिकों खासकर बेरोजगार युवाओं और किसानों को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। एशिया-प्रशांत के 16 देशों के साथ प्रस्तावित आरसीईपी समझौते का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, सरकार के कई निर्णयों से अर्थव्यस्था को कम नुकसान नहीं हुआ था कि अब वह आरसीईपी के माध्यम से बड़ा नुकसान पहुंचाने की तैयारी में है। इससे हमारे किसानों, दुकानदारों, छोटे एवं मझले इकाइयों पर गंभीर दुष्परिणाम होंगे।

नए समीकरण...

मंत्री हूं। यदि बाघ (शिवसेना का प्रतीक चिह्न) अनावश्यक गुर्रा रहा है और हमें पता है कि उसका संरक्षण कैसे करना है। हम बाघ को साथ लेकर चलेंगे। मुनगंटीवार ने यह भरोसा भी जताया कि राज्य में 10 नवम्बर से पहले नई सरकार बन जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि शपथग्रहण छह या सात नवम्बर को होगा। शिवसेना नेता एवं सामना के कार्यकारी सम्पादक संजय राउत ने कहा कि सरकार बनाना भाजपा का अधिकार है क्योंकि वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा, उसे बहुमत साबित करने के लिए 15 दिन लेने दीजिए। यदि वह बहुमत साबित नहीं कर पाती है तो शिवसेना अपना बहुमत साबित करेगी। राउत ने कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा उससे इनकार किए जाने से ठेस लगी थी जिस पर दोनों सहयोगी दलों के बीच पहले ही सहमति बन चुकी है। उन्होंने कहा, हम जो भी मांग कर रहे हैं उस पर उनके द्वारा सहमति जताई गई थी। राउत ने कहा कि वह भाजपा थी जिसने गठबंधन के लिए कहा था। हमारे अंदर संदेह थे। यद्यपि हमने सोचा कि हमें उन्हें एक मौका देना चाहिए। अब हम कह रहे हैं कि भाजपा को अपने वादे का सम्मान करना चाहिए। उसे स्वीकार करिए जिस पर सहमति बनी थी। राउत ने साथ ही कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य हुसैन दलवई द्वारा कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी को वर्तमान स्थिति के बारे में लिखे गए पत्र का स्वागत किया। मुस्लिम नेता दलवई ने लिखा कि पार्टी को शिवसेना का समर्थन करना चाहिए। दलवई ने अपने पत्र का उल्लेख करते हुए संवाददाताओं से कहा, शिवसेना और भाजपा में अंतर है। शिवसेना ने राष्ट्रपति पद के लिए प्रतिभा पाटिल, प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था। भाजपा के उलट शिवसेना की राजनीति समावेशी बन गई है। भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए शिवसेना का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में मुस्लिमों का एक बड़ा वर्ग भाजपा के मुकाबले शिवसेना को तरजीह देगा। प्रदेश के कुछ और कांग्रेस नेता पहले ही भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए शिवसेना का समर्थन करने की बात कर चुके हैं। यद्यपि राउत ने साथ ही यह भी कहा कि शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था और वह अंत तक गठबंधन धर्म का पालन करेगी। इस बीच राकांपा के वरिष्ठ नेता अजित पवार ने कहा कि उनके पार्टी प्रमुख शरद पवार सोमवार को दिल्ली जाएंगे और वहां कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि यदि शिवसेना भाजपा के बिना सरकार बनाने को तैयार हो तो राकांपा निश्चित रूप से एक सकारात्मक रुख अपनाएगी। उधर महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर असमंजस के बीच मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से यहां उनके आवास पर मुलाकात की। मनसे सूत्रों ने कहा यह एक संक्षिप्त मुलाकात थी जो 10 मिनट तक चली। महाराष्ट्र नव-निर्माण सेना (मनसे) को विधानसभा चुनाव में सिर्फ कल्याण ग्रामीण सीट पर ही जीत मिली। सूत्रों ने कहा, 'अगर भाजपा बहुमत साबित करने में विफल रही तो अन्य दल सरकार गठन के समय एक-एक सीट को जोड़ने की कोशिश करेंगे। इस संदर्भ में राज ठाकरे की पवार से मुलाकात काफी अहम है।'

ऑपरेशन कमल...

गठबंधन सरकार के कार्यकाल से नाखुश थे। इसी वजह से उन्होंने यह फैसला लिया था। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि सात मिनट के वीडियो में सीएम येदियुरप्पा को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना जा सकता है, '17 बागी विधायकों के कारण हम सत्ता में हैं या इनकी वजह से हम 3.5 वर्ष के लिए विपक्ष में होंगे।' जेडीएस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बीएम फारूक ने कहा, 'मैंने यह वीडियो सोशल मीडिया पर देखा। यह एक सबूत है कि भाजपा के शीर्ष नेता ऑपरेशन कमल में शामिल थे और उन्होंने ही गठबंधन सरकार को अस्थिर कर दिया।' वहीं कांग्रेस के नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि आप सभी कांग्रेस और जेडीएस के विधायकों की खरीदफरोख्त से संबंधित बीएस येदियुरप्पा के हाल ही के वीडियो से अवगत हैं। हमने हमेशा कहा है कि भाजपा सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विधायकों की खरीदफरोख्त कर रही है। अब तो सारे संदेह भी खत्म हो चुके हैं। हम सबूतों के साथ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।'

रानी के गोल से मिला ओलंपिक का टिकट

● एफआईएच क्वालीफायर्स : भारतीय महिला हाकी टीम ने अमेरिका 4-1 से हराया

एजेंसी। भुवनेश्वर

कप्तान रानी रामपाल के 48वें मिनट में किए गए गोल से भारतीय महिला हाकी टीम ने अमेरिका के खिलाफ एफआईएच क्वालीफायर्स के दूसरे चरण के मैच में 1-4 से हारने के बावजूद कुल योग में 6-5 से जीत दर्ज करके अगले साल तोक्यो में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपनी जगह पक्की की।

भारतीय टीम ने शुक्रवार को अमेरिका को 5-1 से करारी शिकस्त दी थी लेकिन शनिवार को उसने लचर खेल दिखाया। अमेरिका ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त लेकर कुल स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया था। ऐसे में कप्तान रानी रामपाल ने 48वें मिनट में गोल दागा जो कि महत्वपूर्ण साबित हुआ। भारतीय टीम ने आखिरी क्षणों तक अपनी कुल बढ़त को बरकरार रखा। अमेरिकी टीम की तरफ से अमांडा मैगडान ने दो (पांचवें और 28वें मिनट) जबकि कप्तान कैथलीन शार्की (14वें) और अलीसा पारकर (20वें मिनट) ने एक एक गोल किया। भारतीय महिला टीम ने 1980 में मास्को ओलंपिक में भाग लिया था और इसके 36 साल बाद रियो ओलंपिक खेलों में जगह बनाई थी। इस तरह से वह लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही। भारतीय टीम आत्ममुग्ध दिखी और अमेरिका ने इसका फायदा उठाया। पहले मैच में करारी हार के बाद अमेरिकी टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ मैदान पर उतरी और उसके खेल में भी इसकी साफ झलक दिखी। उसने पहले क्वार्टर में न सिर्फ दबदबा बनाए रखा बल्कि इस बीच दो गोल भी दागे। भारतीयों के पास अमेरिका के लगातार हमलों का कोई जवाब नहीं दिख रहा था। शुक्रवार की तुलना में भारत के लिए परिस्थितियां पूरी तरह से बदली हुई दिख रही थी और उसकी टीम को गेंद पर नियंत्रण रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था। अमेरिका को शुरू में ही दो पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। उसकी टीम ने हालांकि आक्रामक रवैया अपनाए रखा जिसका फायदा उसे पांचवें मिनट में मिला जब मैगडान ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। इसके बाद भी अमेरिका ने दबदबा बनाए रखा और 13वें मिनट में अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। तब अमेरिकी कप्तान शार्की ने रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाकर गोल किया। दूसरे क्वार्टर में भी अमेरिका ने अपना दबदबा बनाए रखा और जल्द ही अपनी बढ़त 3-0 कर दी। पारकर ने डेनिली ग्रेगा के पास पर यह गोल दागा। इसके दो मिनट बाद भारत को लगातार दो पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह इनका फायदा नहीं उठा पाया। इसके तुरंत बाद नवनीत कौर को पीला कार्ड दिखाया गया। ऐसे में अमेरिका ने मैगडान के लिए मौका बनाया और उन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करती दिखी। भारतीय टीम ने इस बीच लय हासिल करने की कोशिश की। भारत ने इस बीच 40वें और 43वें मिनट में पेनल्टी कार्नर भी हासिल किए लेकिन फिर से ए बेकार चले गए। भारत ने चौथे क्वार्टर में वापसी के संकेत दिखाए। स्ट्राइकर रानी ने 48वें मिनट में ढीली गेंद पर गोल करके भारत को महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। अमेरिका को अंतिम हूटर बजने से पहले पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारत ने रेफरल लिया जिससे फैसला बदल दिया गया।

लाहिड़ी और अटवाल दूसरे दौर में खिसके, लेकिन कट में प्रवेश किया

साउथम्पटन (बरमूडा)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी शुरूआती बरमूडा चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में 50वें स्थान पर खिसक गए जबकि अर्जुन अटवाल संयुक्त 40वें स्थान पर पहुंच गए। हालांकि दोनों गोल्फरों ने कट में प्रवेश कर लिया है और दोनों अपने स्थान में सुधार करने की कोशिश करेंगे। लाहिड़ी ने पहले दौर में पांच अंडर 66 का कार्ड और दूसरे दौर में 73 का कार्ड खेला। डेनियल चोपड़ा कट से चूक गए, उन्होंने दोनों दौर में 74 का कार्ड खेला था।

फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में काफी संख्या में स्टेडियम में पहुंचों, लिली ने भारतीयों से कहा

मुंबई। दो बार की विश्व कप विजेता टीम की अमेरिकी फारवर्ड क्रिस्टीन लिली ने शनिवार को भारतीयों से अपील की कि वे अगले साल होने वाले अंडर-17 फीफा महिला विश्व कप फुटबाल में घरेलू टीम के समर्थन के लिए काफी संख्या में स्टेडियम पहुंचे। अड़तालिस वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने कहा, आपने दो साल पहले पुरूष अंडर-17 विश्व कप में काफी सफलता हासिल की और अब यह (महिला) विश्व कप आपके यहां आयोजित किया जा रहा है। बस स्टेडियम में सीट भरिए और इन महिलाओं को दिखा दीजिए कि आप उनका समर्थन करते हैं। अंडर-17 महिला विश्व कप दो से 21 नवंबर तक देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जाएगा। भारत फुटबाल में अच्छा दावेदार बन सकता है। उन्हें समर्थन की जरूरत है, भले ही पुरूष टीम हो या महिला टीम। भारत मेजबानी कर रहा है और लड़कियों को मैदान पर उतरकर अपने प्रशंसकों के लिए खेलने का मौका मिल रहा है। मेजबान देश के तौर पर भारत को टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा।

प्रिया पूनिया का अर्धशतक बेकार

● वेस्टइंडीज ने भारतीय महिला टीम को एक रन से हराया

एजेंसी। नार्थ साउंड

सलामी बल्लेबाज प्रिया पूनिया की अर्धशतकीय पारी भी भारतीय महिला टीम के काम नहीं आ सकी क्योंकि इसके बावजूद उन्हें आईसीसी महिला चैम्पियनशिप के पहले वनडे में वेस्टइंडीज से एक रन से हार का मुंह देखना पड़ा। भारतीय टीम को जीत के लिए 226 रन का लक्ष्य मिला, जिसका पीछा करते हुए प्रिया ने 107 गेंद में 75 रन की पारी के दौरान छह चौके जमाए जबकि शीर्ष में जेमिमा रोड्रिग्स ने 67 गेंद में 41 रन की पारी खेली। लेकिन निचले क्रम से उन्हें सहयोग नहीं मिला जिससे टीम निर्धारित 50 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई और एक रन से चूक गई। इससे पहले स्टेफनी टेलर ने टास जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और उन्होंने 91 गेंद में 94 रन की कप्तानी पारी खेली जिसमें आठ चौके और दो छक्के लगाए। सलामी बल्लेबाज नताशा मैकलीन ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 82 गेंद में 51 रन बनाए जिससे वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को सात विकेट पर 225 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

पूजा ने रजत जीता, साजन कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे

● यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंडर-23 विश्व चैम्पियनशिप

एजेंसी। बुडापेस्ट

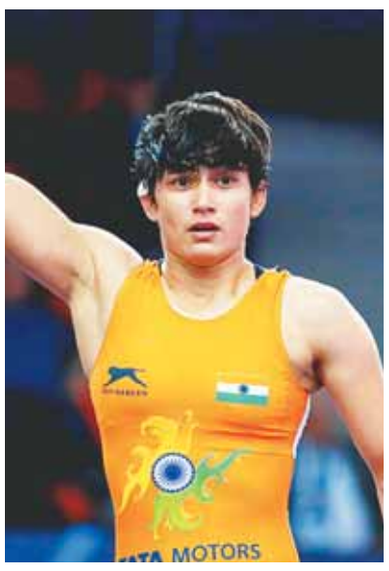

पूजा गहलोत (53 किग्रा) को यूडब्ल्यूडब्ल्यू अंडर-23 विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में जापान की 2017 विश्व चैम्पियन हारूआना ओकुनो से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने भारत को दूसरा रजत पदक दिला दिया।

रविंदर (61 किग्रा) ने इस हफ्ते रजत पदक जीता था। तीन बार के विश्व जूनियर चैम्पियनशिप पदकधारी साजन भानवाल (77 किग्रा) सेमीफाइनल में जापान के कोदाई साकुराबा से 4-5 से हार गए और अब वह शनिवार को कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगे। साजन ने इससे पहले क्वालीफायर में जेसे एलेक्सजैंडर पोर्टर को 6-0 से और प्री क्वार्टर में अजरबैजान के तुनजय वाजिरजादे को 3-1 से हराया था। इसके बाद वह स्वीडन के पेर-अलबीन ओलोफसन पर 6-2 की जीत से सेमीफाइनल में पहुंचे थे। ग्रीको रोमन में अर्जुन हालाकुरकी (55 किग्रा) को क्वार्टरफाइनल में रूस के एमीन नारीमानोविच सेफेरशाएव से 12-14 से हार मिली थी जिसके बाद रेपेचेज दौर में पहुंच गए क्योंकि उनका प्रतिद्वंद्वी फाइनल में पहुंच गया। सुनील कुमार 87 किग्रा में, राजीत 63 किग्रा में और दीपक पूनिया 130 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गए।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Priyanka Patel, D/o. Ramavatar Patel, R/o. Akhetpur, Madhya Pradesh, 484774, have changed my name from Priyanka Patel to Afiyah Maryam on 14.10.2019 for all purposes.
PD(8661)A

CHANGE OF RELIGION

I, Priyanka Patel, D/o. Ramavatar Patel, R/o. Akhetpur, Madhya Pradesh, 484774, have changed my religion from "Hinduism" to "Islam" on 14.10.2019 for all purposes.
PD(8662)A

बिक्री सूचना

निम्नलिखित सम्पत्ति अधोवर्णित के मामले में बकाया राशि की वसूली के लिए "जैसा है जहां है आधार" तथा "जैसा है जो है आधार" पर नीलामी के माध्यम से बेची जाएगी।

1) सीएस नंबर 1012/18 में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध वीरेन्द्र सिंह
आस्ति का वर्णन : मेक : ह्युंडई एक्सेन्ट
रजि. नंबर : UP14FT5924
विनिर्माण वर्ष : 2016
2) सीएस नंबर 2751/17 में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड विरूद्ध विजय कुमार सिंह
आस्ति का वर्णन : मेक : टाटा एस
रजि. नंबर : DL1LW0793
विनिर्माण वर्ष : 2015
नीलामी की तिथि एवं समय : 20-11-2019 पूर्वा. 11.00 बजे से अप. 01.00 बजे तक
स्थान : गोदरा यार्ड, खेवट नंबर 166/1, निकट अतुल कटारिया चौक, ज्ञान देवी स्कूल के पीछे, सुखराली, गुरूग्राम-122022
सम्पर्क व्यक्ति : राजीव रंजन ; मोबाइल नंबर : 8584874809
बिक्री की शर्तें
उक्त आस्ति का यहां ऊपर विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं ज्ञान के अनुसार वर्णित किया गया है, जो तथापि, उक्त विवरण में किसी त्रुटि, मिथ्याकथन अथवा विलोपन के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे। अतएव इच्छुक प्रतिभागी/प्रतिभागियों से उनके अपने हित में अनुरोध है कि वे बोली देने से पहले उक्त आस्ति और उससे संबंधित अन्य विवरण के बारे में अपनी संतुष्टि कर लें।
इच्छुक बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के पक्ष में दिल्ली में देय डीडी/पीओ के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
सफल अनुमोदित बोलीदाता को बिक्री राशि पे ऑर्डर/डिमांड ड्राफ्ट/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से अनुमोदन की तिथि से 5 दिन के भीतर जमा करनी होगी।
इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त दृष्टिबंधित वाहन के विस्तृत विवरण तथा निरीक्षण के लिए आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्रथम तल, एसडी टावर, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नंबर-7, रोहिणी, सेक्टर-8, नई दिल्ली-110085 पधार सकते हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **वसीम पुत्र** जमशेद **निवासी:** ई-284 शाहबाद डेरी, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 292/17 धारा 457/380/411/34 भा0 द0 सं. थाना-कोतवाली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तार के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **वसीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **वसीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 292/17 धारा 457/380/411/34 भा0 द0 सं. थाना-कोतवाली, दिल्ली** के अभियुक्त **वसीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.12.2019** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री. प्रज्ञा गुप्ता
महानगर दंडाधिकारी-12, कमरा नं. 21,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/573/N/19

कार्यालय ग्राम पंचायत बिजाहरी विकास खण्ड सासनी जनपद हाथरस

पत्रांक मीमो/ग्राम पंचायत/वित्तआयोग मद/टेन्डर/2019-20 **अति अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक 01.11.2019

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतुर्थ राज्य वित्त/14वां वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2016-17 में उपलब्ध धनराशि से कराए जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम के सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु मोहर बंद निविदाएं दिनांक 07.11.2019 को दिन के 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जो उसी दिन सांय 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल, समय एवं वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा निवेदा की वैधता मूल तिथि से मानी जाएगी। निविदा की शर्त निम्नवत निर्धारित की जाती हैं:-

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत बिजाहरी से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 06.11.2019 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किए जा सकते हैं ।
2. निविदा पत्र के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर नगद अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बंद होगी, जमा करनी होगी
3. सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदाएं मान्य नहीं होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. निविदा दरों की वैधता 3 माह अधिकतम होगी इसके लिए निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडिशियल स्टांप पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करते हुए 10 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी।
6. बिलो के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एवं रॉयल्टी आदि की कटौती की जाएगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौंसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होंगे।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र सं.	कार्य का नाम	लागत लाख में	जमानत राशि	निविदा मूल्य	समय अवधि
1	महमूद के घर से सरदार जी के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	197399	3948	250+G.S.T.	3 माह
2	बहादुर के घर से करन सिंह के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	113498	2270	250+G.S.T.	3 माह
3	आगरा रोड से सुदेश चौहान के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	687636	13752	250+G.S.T.	3 माह
4	शीतल सैंगर के घर से गोपाल पण्डित के घर तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	316067	6321	250+G.S.T.	3 माह
5	आगरा रोड से छेदीलाल के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	230946	4619	250+G.S.T.	3 माह
6	सतेन्द्र उपाध्याय के घर से रामस्वरूप के घर तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	281248	5625	250+G.S.T.	3 माह
7	अमर सिंह के घर से पप्पू तौमर के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	108802	2176	250+G.S.T.	3 माह
8	हरी सिंह के घर से श्वेता सिंह के प्लॉट तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	192150	3843	250+G.S.T.	3 माह
9	अशोक चौधरी के घर से अवधेश शर्मा के घर तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	99035	1980	250+G.S.T.	3 माह
10	राम अवतार की दुकान से अशोक चौधरी के घर तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	190921	3818	250+G.S.T.	3 माह
11	रामस्वरूप के घर से रिषी के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	141530	2830	250+G.S.T.	3 माह
12	पराग डेरी के अन्दर टीन शैड (चारा कुन्दी सहित) निर्माण कार्य	176608	3532	250+G.S.T.	3 माह
13	सुधा सेंगर के घर से मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	106489	2130	250+G.S.T.	3 माह

प्रधान
ग्राम पंचायत बिजाहरी

सचिव
ग्राम पंचायत बिजाहरी

दमघोंटू धुंध के बीच आज होगा मुकाबला

- दमखम दिखाने उतरेंगे भारत और बांग्लादेश
- पहला टी20 मैच फिरोजशाह कोटला पर

एजेंसी। नई दिल्ली

कोटला पर अंधेरा

पिछले दो दिन से न विश्व कप की तैयारियों की चर्चा है और ना ही शाकिब अल हसन के बाहर होने के बाद की परिस्थितियों को लेकर आकलन, बहस बनी हुई है दिल्ली की दमघोंटू धुंध जिसमें भारत और बांग्लादेश रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में दमखम दिखाकर अगले साल आस्ट्रेलिया में होने वाले टूर्नामेंट के लिए खुद को परखने के प्रयास की शुरुआत करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है और यहां तक कि स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं लेकिन पूर्व के कटु अनुभवों के बावजूद बीसीसीआई की रोटेशन नीति के तहत फिरोजशाह कोटला को मिला यह मैच आयोजित किया जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ दो साल पहले इसी तरह की परिस्थितियों में यहां टेस्ट मैच खेला गया था और तब श्रीलंकाई ही नहीं भारतीय खिलाड़ियों को भी परेशानी हुई थी। इस बार भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस तरह के खतरनाक हालात में खेलकूद की किसी भी गतिविधि में शामिल होने से स्पष्ट मना किया है। भारत और बांग्लादेश दोनों देशों के क्रिकेटरों को विश्वास है कि वे इस तरह की परिस्थितियों से निबटने में सफल रहेंगे। बांग्लादेश के कोच रसेल डोमिंगो साफ कर चुके हैं कि उनके खिलाड़ियों के लिए यह बहुत बड़ा मसला नहीं है भले ही उनकी टीम मास्क लगाकर अभ्यास कर रही थी। भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भी कहा कि एक बार मैदान पर उतरने के बाद यह कोई मुद्दा नहीं रह जाएगा। नियमित कप्तान विराट कोहली को विश्राम दिए जाने के बाद रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम बांग्लादेश पर अपनी बादशाहत कायम रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। भारत ने इन दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए सभी आठ टी20 मैचों में जीत दर्ज की है। ऐसे में अपने स्टार खिलाड़ी शाकिब पर प्रतिबंध लगने के कारण पंगु बने बांग्लादेश के खिलाफ विजय अभियान जारी रखने में भारत को ज्यादा दिक्कत नहीं आनी चाहिए। रोहित के साथ शिखर धवन पारी का आगाज करने उतरेंगे लेकिन कोहली की अनुपस्थिति में भारत के पास विश्व कप को ध्यान में रखकर तीन टी20 मैचों की इस श्रृंखला में मध्यक्रम में प्रयोग करने का अच्छा मौका होगा। कोहली की अनुपस्थिति में केएल राहुल तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं और भारतीय कप्तान की वापसी के बाद वह स्वाभाविक है कि धवन के लिए चुनौती पेश करना चाहेंगे। संजू सैमसन की टीम में वापसी हुई है और तीसरे नंबर के लिए वह भी अच्छे विकल्प हैं लेकिन उन्हें सीधे मौका मिलेगा इसकी संभावना कम है। श्रेयस अय्यर और मनीष पांडे के लिए भी यह श्रृंखला महत्वपूर्ण है। उन्हें दिखाना होगा कि कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय मध्यक्रम कमजोर नहीं है। दोनों को अपनी पिछली श्रृंखलाओं में खास मौके नहीं मिले थे। मध्यक्रम में हालांकि ऋषभ पंत पर सभी की निगाहें रहेंगी जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेले थे। पंत यह जानते हैं कि उन्हें विकेट के आगे और विकेट के पीछे दोनों भूमिकाओं में उम्मीदों पर खरा उतरना होगा क्योंकि सैमसन विकल्प के तौर पर टीम में मौजूद हैं। हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा की अनुपस्थिति में आलराउंडर शिवम दुबे के पास खुद को साबित करने का यह बेहतरीन मौका है। दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज और बाएं हाथ के बल्लेबाज दुबे की बिग हिटर बनने की क्षमता की भी यह परीक्षा होगी। अगर वह टीम में जगह बनाते हैं तो भारत दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर और खलील अहमद में से किन्हीं दो तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। स्पिन विभाग में युजवेंद्र चहल की फिर से वापसी हुई है। राहुल चाहर के रूप में टीम में एक अन्य लेग स्पिनर है। चहल वनडे विश्व कप के बाद से टीम से बाहर थे और अब वह अपनी जगह मजबूत करने पर ध्यान देंगे। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उन्हें शाकिब की बड़ी कमी खलेगी जिन्हें भ्रष्ट संपर्क की सूचना नहीं देने के कारण आईसीसी ने दो साल के लिए निलंबित कर रखा है। बांग्लादेश के कप्तान महमुदुल्लाह और कोच डोमिंगो को उम्मीद है कि खिलाड़ी इससे निराश होने के बजाय प्रेरणा लेंगे। शाकिब और तमीम इकबाल की अनुपस्थिति में बांग्लादेश की बल्लेबाजी कमजोर हो गई है। ऐसे में महमुदुल्लाह, लिटन दास, मुशफिकुर रहीम और सौम्या सरकार जैसे अनुभवी बल्लेबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण बन जाती है। गेंदबाजी में उसकी निगाह मुस्तफिजुर रहमान पर टिकी रहेगी। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि रोहित टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करते हैं या लक्ष्य का पीछा करना पसंद करते हैं। परिस्थितियों को देखकर पहले बल्लेबाजी करना सही हो सकता है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने जिन पिछले छह मैचों में पहले बल्लेबाजी की उनमें से चार में उसे शिकस्त मिली।

टीमें : भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, कृणाल पंड्या, खलील अहमद, युजवेंद्र चहल, दीपक चाहर, राहुल चाहर, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर, वाशिंगटन सुंदर में से।

बांग्लादेश : महमूदुल्लाह (कप्तान), लिटन दास, सौम्या सरकार, नईम शेख, मुशफिकुर रहीम, मोहम्मद मिथुन, आफिफ हुसैन, मोसद्देक हुसैन, अमीन इस्लाम, अराफात सनी, तयाजुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, शफीउल इस्लाम, अबू हैदर, अल अमीन हुसैन में से।

मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे से शुरू होगा।

सैमसन

खलील

राठौर व शिखर

प्रदूषण पर नहीं अब क्रिकेट पर है ध्यान : महमुदुल्लाह

नई दिल्ली। बांग्लादेश टीम की बैठक में खराब वायु गुणवत्ता का मुद्दा भी उठा लेकिन कप्तान महमुदुल्लाह रियाद ने कहा कि अब समय क्रिकेट पर ध्यान देने का है क्योंकि मौसम की परिस्थितियां उनके हाथ में नहीं है। बढ़ते प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जन स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित की गई है। महमुदुल्लाह ने भारत के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पूर्व कहा, असल में हमने इन परिस्थितियों पर चर्चा की। यह हमारे नियंत्रण में है। हम कल होने वाले मैच और उसे जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे है। हम यहां नहीं खेले है। जब हम यहां आए तो धुंध थी और यह हम सभी जानते है। लेकिन खिलाड़ी पिछले तीन दिनों से अभ्यास कर रहे है और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहे है। यह हमारे नियंत्रण में नहीं है और हमें अपनी क्रिकेट पर ध्यान देना होगा।

कायद–ए–आजम ट्राफी में गेंद से छेड़छाड़ के कारण शहजाद पर जुर्माना

कराची। पाकिस्तान के टेस्ट सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद पर कायद-ए-आजम ट्राफी में सिंध के खिलाफ उनकी टीम सेंट्रल पंजाब की गेंद से छेड़छाड़ का दोषी पाए जाने के बाद 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि शहजाद को धारा 2.14 के अंतर्गत लेवल एक के आरोप का दोषी पाया गया जो मैच के दौरान गेंद की स्थिति में बदलाव करने से संबंधित है। यह घटना सिंध की पहली पारी के 17वें ओवर के दौरान घटी जब गेंद के सामान्य निरीक्षण के दौरान मैदानी अंपायर मोहम्मद आसिफ और जमीर अहमद ने पाया कि क्षेत्ररक्षण कर रही टीम के एक सदस्य ने गलत तरीके से गेंद बदल दी है। इस मामले को मैच रैफरी के समक्ष रखा गया जिन्होंने हुए मैच के बाद मामले की सुनवाई की। अहमद ने इस आरोप को स्वीकार नहीं किया इसलिए मैच के बाद सुनवाई हुई जिसमें अहमद को दोषी पाया गया।

हफीज ने एनओसी रद्द करने के पीसीबी के कदम पर सवाल उठाए

कराची। सीनियर आल राउंडर मोहम्मद हफीज ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के उस फैसले पर सवाल उठाए जिसमें उसने इस महीने अबुधाबी में टी10 लीग के लिए खिलाड़ियों को खेलने के लिए जारी अनापत्ति पत्र (एनओसी) को रद्द करने का फैसला किया। पहले उन्होंने खिलाड़ियों को एनओसी जारी कर दी और अब उन्होंने इसे रोक दिया। मुझे समझ नहीं आ रहा। लीग में भाग लेने के लिए उनकी एक स्पष्ट नीति होनी चाहिए। मैं केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं हूं और न ही मुझे पाकिस्तानी टीम में चुना गया है, न ही मेरा कोई अस्थाई अनुबंध है और न ही मैं प्रथम श्रेणी घरेलू क्रिकेट में खेल रहा हूं इसलिए मैं वहां जाकर लीग में खेलना चाहता हूं। पीसीबी ने पहले हफीज सहित 15 खिलाड़ियों को एनओसी जारी कर दी थी जिसके बाद उसने इसे रद्द करने की घोषणा की क्योंकि वह चाहता था कि खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट और शिविर में भाग लें। पाकिस्तान के इस यू-टर्न की एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड पहले ही आलोचना कर चुका है जिसने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से लीग को भारी नुकसान होगा।

पीसीबी ने सीएसए को टी20 श्रृंखला के लिए आमंत्रित किया

कराची। मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) को अगले साल मार्च में पाकिस्तान में टी20 श्रृंखला में खेलने के मद्देनजर अपनी राष्ट्रीय टीम भेजने के लिए आमंत्रित किया है। लाहौर में मीडिया से खान ने कहा कि उन्हें श्रीलंकाई बोर्ड से भी सकारात्मक संकेत मिले है कि वह दिसंबर में रावलपिंडी और कराची में दो टेस्ट खेलने के लिए अपनी मजबूत टीम भेजगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई बोर्ड एक हफ्ते में दौरे की पुष्टि करेगा। पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट लौटने का रास्ता उचित तरीके से खुल रहा है और इसमें कोई शक नहीं कि श्रीलंकाई टीम के हालिया दौरे में टी20 और वनडे श्रृंखला खेलने से उसे काफी मदद मिली है। पीसीबी अधिकारी ने कहा कि टी20 श्रृंखला के लिए उनकी टीम भेजने के बारे में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ बातचीत चल रही है।

शाकिब का वापसी में शानदार स्वागत किया जाएगा: महमूदुल्लाह

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश के टी20 कप्तान महमूदुल्लाह रियाद ने शनिवार को यहां कहा कि शाकिब अल हसन उनके देश के क्रिकेटरों के काफी प्रिय हैं और उनका वापसी में शानदार स्वागत किया जाएगा तथा उनकी टीम इस शानदार आलराउंडर की अनुपस्थिति में आगे की चुनौतियों के लिए तैयार है। शाकिब पर आईसीसी ने दो साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था क्योंकि उन्होंने कथित भारतीय सट्टेबाज द्वारा बांग्लादेश प्रीमियर लीग के दौरान की गई भ्रष्टाचार की पेशकश की रिपोर्ट नहीं की थी। कुछ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों जैसे इंग्लैंड के माइकल वान ने इस बात की आलोचना की कि शाकिब पर आईसीसी ने कड़ा प्रतिबंध नहीं लगाया। हालांकि बांग्लादेश में वह काफी लोकप्रिय हैं जो महमूदुल्लाह की टिप्पणी से साफ झलकता है। उन्होंने भारत के खिलाफ शुरूआती टी20 से पहले पत्रकारों से कहा, आपको बताऊं हम शाकिब को बहुत पसंद करते हैं और करते रहेंगे। जब वह वापसी करेंगे तो उनका स्वागत किया जाएगा। जब वह ड्रेसिंग रूम में आएंगे तो हम सभी उन्हें गले लगाएंगे। महमूदुल्लाह ने कहा कि शाकिब ने निश्चित रूप से गलती की लेकिन साथ ही उनका मानना है कि उन्होंने अपराध नहीं किया। लेकिन अब कप्तान चाहते हैं कि युवा खिलाड़ियों को इस मुद्दे को भुलाकर अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। अब यह मुद्दा हो चुका है। हम कल खेलने पर ध्यान लगा रहे हैं और मैच जीतना चाहते हैं। शायद यह युवा खिलाड़ियों के पास बांग्लादेशी टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का उचित मौका होगा।

शाकिब की अनुपस्थिति खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद : शहरियार

कोलकाता। पूर्व टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान शहरियार नफीस ने कहा कि आलराउंडर शाकिब अल हसन की टी20 श्रृंखला से अनुपस्थिति बांग्लादेश के लिए फायदेमंद हो सकती है क्योंकि इससे युवा खिलाड़ियों के पास रातोरात चमकने का अच्छा मौका है। बांग्लादेश को भारत रवाना होने से पहले बड़ा झटका लगा था जब आईसीसी ने उनके टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान शाकिब पर दो साल का प्रतिबंध लगाया क्योंकि उन्होंने तीन बार भ्रष्टाचार की पेशकश की रिपोर्ट नहीं की थी। दुनिया के नंबर एक वनडे आल राउंडर शाकिब के प्रतिबंध और व्यक्तिगत कारणों से दौरे में नहीं खेलने वाले सीनियर बल्लेबाज तमीम इकबाल की अनुपस्थिति से बांग्लादेश की टीम में अनुभव की कमी होगी। शहरियार ने 24 टेस्ट, 75 वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। उन्होंने पीटीआई से कहा, भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ युवा बांग्लादेशी खिलाड़ियों को खुद को साबित करने के लिए इससे बड़ा मौका नहीं हो सकता। जब भारतीय टीम खेलती है तो पूरी दुनिया देखती है। बांग्लादेश के लिए स्टार बनने का बड़ा मौका है।

कप्तानी करते हुए खुद को आगे रखना पसंद नहीं करता : रोहित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले मजबूत मध्यक्रम तैयार करने के लिए विकल्पों की कमी नहीं है तथा साफ किया कि युवाओं के दिमाग में सुरक्षा का भाव पैदा करने के लिए वह लगातार बदलाव करने की नीति के खिलाफ भी हैं। जब भी भारतीय शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन करता है तो टीम बेहतर स्थिति में होती है जबकि जब ऐसा नहीं होता है तो मध्यक्रम की कमजोरी खुलकर सामने आ जाती है। रोहित ने आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले इस बारे में कहा, हमारे पास बहुत विकल्प हैं। युवा खिलाड़ियों को आत्मविश्वास हासिल करने के लिए अधिक मैच देने होंगे। कुछ साल पहले टीम संतुलित थी जिसके कारण युवाओं के लिए ज्यादा मौके नहीं थे। इसके अलावा 4, 5, 6 और सात नंबर के बीच काफी बदलाव होता रहा। इसलिए यह हमारे लिए इन खिलाड़ियों को आजमाने का सर्वश्रेष्ठ समय है। श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, मनीष पांडे और ऋषभ पंत हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ए भूमिका निभा सकते हैं। रोहित ने हालांकि कहा कि मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम में इन खिलाड़ियों के लिए जगह पक्की करना आसान नहीं होगा। जब आप आईपीएल टीम में खेलते हैं तो यह अलग तरह का है और राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलना उससे भिन्न होता है। वे आईपीएल टीम में ऊपरी क्रम में खेलते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह चुनौती होती है कि जो आप चाहते हैं वह आपको नहीं मिलता। आपको इस पोजीशन को हासिल करना होता है। आपको मौके का अधिक से अधिक फायदा उठाना होता है। आईपीएल में 15 मैचों की गारंटी होती है लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं। अगले साल विश्व कप की तैयारियों के संदर्भ में रोहित ने आगे कहा कि टीम को पहले बल्लेबाजी करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। हम कुछ खास आंकड़ों पर गौर करते हैं। भारत हो या विदेश लक्ष्य का पीछा करते हुए हमारा रिकार्ड अच्छा है। हमें पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़े स्कोर बनाने और उनका बचाव करने पर ध्यान देने की जरूरत है। रोहित ने कहा, हम चाहते हैं कि आस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप से पहले हम हर विभाग में अव्वल बन जाएं। यह ऐसा करने के लिए सबसे सही समय है लेकिन इसके साथ ही हम मैच भी जीतना चाहते हैं। रोहित का मानना है कि कप्तान को खुद को सबसे अहम व्यक्ति नहीं मानना चाहिए तथा वह नियमित कप्तान विराट कोहली के तय मानदंडों पर ही आगे बढ़ेंगे। टी20 में आपको कई तरह की रणनीतियां बनानी होती है। आपको खिलाड़ियों को समझना होता है। मुंबई इंडियन्स में मैं यही करता हूं। मैं इसे इस तरह से देखता हूं कि जब आप टीम की अगुवाई कर रहे होते हैं तो आप बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं बन जाते हो, अन्य दस सबसे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आपको उनसे बेहतर प्रदर्शन करवाना है। निश्चित तौर पर हमारा प्रदर्शन मायने रखता है लेकिन मैं खुद को आगे रखना पसंद नहीं करता। अन्य खिलाड़ी अधिक अहम होते हैं। मैं उन पर ध्यान देता हूं और उन्हें नैसर्गिक खेल खेलने की छूट देता हूं। कप्तान के रूप में मेरा काम आसान है। मैं नियमित कप्तान नहीं हूं और मेरा काम वहीं से आगे बढ़ना है जहां विराट ने उसे छोड़ा है। मुझे जो भी सीमित मौके मिले उनमें मैंने उन चीजों को बरकरार रखने की कोशिश की जो पूर्व में विराट ने किए।

रविवार को पदार्पण कर सकते हैं दुबे

नई दिल्ली। भारतीय कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को संकेत दिया कि मुंबई के आलराउंडर शिवम दुबे को रविवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ शुरूआती टी20 मैच में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का मौका दिया जा सकता है। कप्तान ने युवा दुबे और संजू सैमसन की काफी प्रशंसा की, उन्होंने केरल के विकेटकीपर के अनुभव की बात भी कही। रोहित ने कहा कि इन दोनों में से एक खिलाड़ी को अंतिम एकादश में खेलते हुए देखा जा सकता है और जिस तरह से वह युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत का समर्थन कर रहे थे, यह स्पष्ट था कि दुबे को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण दिया जा सकता है। रोहित ने मैच से पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम अभी आकलन करेंगे और मैच से पहले भी विचार किया जाएगा। लेकिन दोनों (संजू और दुबे) निश्चित रूप से दौड़ में है। इनमें से एक को निश्चित रूप से खिलाया जाएगा। आप इन्हें अंतिम एकादश में खेलते हुए देख सकते है। हर किसी के लिए दरवाजे खुले है। किसी भी समय कोई भी अंतिम एकादश में खेल सकता है।

कोहली ने तीन सेकेंड में दिन रात्रि टेस्ट पर सहमति दे दी थी : गांगुली

एजेंसी। कोलकाता

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शनिवार को खुलासा किया कि बांग्लादेश के खिलाफ दिन रात्रि टेस्ट मैच में खेलने के लिए भारतीय कप्तान विराट कोहली ने केवल तीन सेकेंड में अपनी सहमति जता दी थी। गांगुली ने बीसीसीआई अध्यक्ष बनने के एक सप्ताह के अंदर भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दृष्टिकोण में बदलाव करने में सफल रहे। गांगुली जब तकनीकी समिति के सदस्य थे तब तीन साल पहले घरेलू स्तर पर भी गुलाबी गेंद से मैच खेले गए थे। भारत हालांकि पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 22 से 26 नवंबर के बीच ईडन गार्डन्स में बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला दिन रात्रि टेस्ट मैच खेलेगा। पहला दिन रात्रि टेस्ट मैच चार साल पहले आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। गांगुली ने मुंबई में 24 अक्टूबर को चयनसमिति की बैठक से पहले कोहली से बैठक के संबंध में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि वे क्या कारण थे जो वे (एडीलेड में) दिन रात्रि टेस्ट मैच नहीं खेलना चाहते थे। मैंने उससे एक घंटे तक बात की और पहला सवाल था कि हमें दिन रात्रि टेस्ट खेलना होगा और तीन सेकेंड में जवाब मिल गया कि आप ऐसा कर सकते हैं। गांगुली यहां पांच बार के आईसीसी के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ अंपायर रहे साइमन टफेल की पुस्तक फाइंडिंग द गैप्स के लोकार्पण के अवसर पर बोल रहे थे। भारतीय टीम ने इससे पहले पिछले साल एडीलेड ओवल में गुलाबी गेंद से खेलने का आस्ट्रेलिया का आग्रह नामंजूर कर दिया था। इसके अलावा वेस्टइंडीज के खिलाफ दिन रात्रि टेस्ट खेलने का सुझाव भी मूर्तरूप नहीं ले पाया था। मैं नहीं जानता कि पूर्व में क्या हुआ और इसके क्या कारण थे लेकिन मैंने पाया कि उन्हें (कोहली) दिन रात्रि टेस्ट मैच खेलना स्वीकार्य है। वह भी मानता है कि टेस्ट मैचों में खाली दर्शक दीर्घा आगे बढ़ने का सही तरीका नहीं है। मैं जानता हूं कि टी20 में प्रत्एक स्टैंड खचाखच भरा होता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उचित प्रबंधन से दर्शकों की वापसी हो सकती है। यह भारत के लिए शुरुआत है। मेरा मानना है कि इससे टेस्ट क्रिकेट के अच्छे दिन फिर से लौट आएंगे।

अक्षर व मार्कंडे ने इंडिया सी को जीत दिलाई

- देवधर ट्राफी के तीसरे और अंतिम मैच में इंडिया बी को 136 रन से रौंदा

एजेंसी। रांची

आलराउंडर अक्षर पटेल की 61 गेंद में 98 रन की पारी के बाद लेग स्पिनर मयंक मार्कंडे के चार विकेट से इंडिया सी ने शनिवार को यहां देवधर ट्राफी के तीसरे और अंतिम मैच में इंडिया बी को 136 रन से रौंदा। इंडिया सी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 280 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसमें अक्षर की पारी के अलावा विराट सिंह की 96 गेंद में 76 रन की पारी अहम रही। इसके बाद उन्होंने इंडिया बी को 43.4 ओवर में 144 रन पर समेट दिया। इंडिया बी के लिए बाबा अपराजित शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 90 गेंद में 53 रन की पारी खेली लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें सहयोग नहीं मिला। इंडिया बी और इंडिया सी पहले ही फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं क्योंकि इंडिया ए को अपने दोनों मुकाबलों में हार मिली इससे अब ए दोनों सोमवार को एक दूसरे के खिलाफ खिताबी मैच खेलेंगी। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया बी के बल्लेबाजों ने लगातार अंतराल पर विकेट खो दिए। सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ (20) और यशस्वी जयसवाल (28) के आउट होने से टीम ने 17.5 ओवर में 74 रन पर दो विकेट खो दिए। इसके बाद केदार जाधव (05), नीतिश राणा (01), पार्थिव पटेल (01), विजय शंकर (09) और अंकुल रॉय (01) दोहरे अंक तक भी नहीं पहुच सके जिससे 35वें ओवर तक टीम का स्कोर सात विकेट पर 115 रन हो गया। शाहबाज नदीम (12) भी आते ही लौट गए जिससे अपराजित दूसरे छोर पर थे। अपराजित भी 44वें ओवर में आउट हुए जबकि रूश कलारिया (06) आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इससे पहले इंडिया सी ने धीमी शुरूआत की और 13.1 ओवर में 54 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। शुभमन गिल (01) दूसरे ओवर में आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे। इसके बाद 13वें ओवर में प्रियम गर्ग (18) और अनमोलप्रीत सिंह (23) 14वें ओव में पवेलियन पहुंचे। सूर्यकुमार यादव (10) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और नदीम का दूसरा शिकार बने। नीतिश राणा ने दिनेश कार्तिक (34) का विकेट झटका। विराट सिंह (नाबाद 76) और अक्षर पटेल (नाबाद 98) ने फिर मिलकर 112 गेंद में नाबाद 154 रन की साझेदारी निभाकर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में मदद की। अक्षर ने पारी के दौरान 61 गेंद में 13 चौके और तीन छक्के जड़े। पार्थिव पटेल ने इन दोनों की साझेदारी को तोड़ने के लिए आठ गेंदबाजों को आजमाया लेकिन कोई भी सफल नहीं रहा।

अक्षर पटेल की 61 गेंद में 98 रन की पारी

अभ्यास करती बांग्लादेश की टीम

मैं आमिर और आसिफ जैसे फिक्सरों से घिरा रहा : अख्तर

एजेंसी। नई दिल्ली

मैं 21 लोगों के खिलाफ खेल रहा था – 11 विरोधी टीम के और दस हमारे। यह कहना है पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर का जिन्होंने पाकिस्तान के अपने पूर्व साथियों के खिलाफ फिर से मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट हाल में कई विवादों से गुजरा जिनमें तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और मोहम्मद आसिफ तथा बल्लेबाज सलमान बट पर 2011 में स्पॉट फिक्सिंग के लिए प्रतिबंध लगना भी शामिल है। अख्तर ने रिवाइंड विद समीना पीरजादा नामक कार्यक्रम में कहा, मेरा हमेशा से यह विश्वास था कि मैं पाकिस्तान को धोखा नहीं दे सकता, मैं मैच फिक्सिंग नहीं कर सकता लेकिन मैं मैच फिक्सरों से घिरा हुआ था। मैं 21 खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा था – 11 विरोधी टीम के और दस हमारे। कौन जानता है कि कौन मैच फिक्सर था। बहुत अधिक मैच फिक्सिंग होती थी। आसिफ ने मुझे बताया था कि उन्होंने किन मैचों को फिक्स किया था और यह कैसे होता है। अख्तर ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि आमिर और आसिफ इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में भ्रष्ट गतिविधियों में संलिप्त थे तो वह बहुत निराश हुए। मैंने आमिर और आसिफ को समझने की कोशिश की। प्रतिभा का कैसा दुरुपयोग था। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मैं इतना निराश हुआ कि मैंने दीवार पर जोर से मुक्का मारा था। अख्तर ने कहा, पाकिस्तान के दो चोटी के गेंदबाज और बेहतरीन तेज गेंदबाज बर्बाद हो गए थे। उन्होंने कुछ पैसों के लिए खुद को बेच दिया था।

कश्मीर मुद्दे पर भारत को अमेरिका से मिला पूरा समर्थन : श्रृंगला

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका में भारतीय राजदूत हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने कहा है कि कश्मीर पर भारत को अमेरिका से पूरा समर्थन मिला है और नई दिल्ली को खुशी है कि ट्रंप प्रशासन ने इस मुद्दे पर बहुत समझदारी दिखाई है।

शुक्रवार को अपने आवास पर दीपावली मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान श्रृंगला ने यह टिप्पणी की। इस आयोजन में नामी गिरामी भारतवंशी, ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ सदस्य और राजनयिक शामिल हुए।श्रृंगला ने कहा, हमें खुशी है कि अमेरिकी प्रशासन में मौजूद हमारे दोस्तों ने हमारा समर्थन किया।

भारत द्वारा पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने पर श्रृंगला ने कहा, यह नया

हर्षवर्द्धन श्रृंगला

प्रतिमान है, जिसका पहले कभी प्रयास नहीं हुआ। इतना निर्णायक और साहसी कदम उठाने का पहले कभी प्रयास नहीं किया गया। हमें यह देखते हुए बहुत खुशी है और मैं कह सकता हूं, हमें हमारे दोस्तों खासकर अमेरिका से पूरा समर्थन मिला है।

उन्होंने कहा कि यह भारत में संवैधानिक संशोधनों से संबंधित है। यह आंतरिक मामला है और बेहतरी के लिए किया गया है। यह क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि ही नहीं बल्कि सुरक्षा में भी योगदान देगा।

भारतीय राजदूत ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन ने मुद्दे पर बहुत समझदारी दिखाई। श्रृंगला ने कहा, कांग्रेस (संसद) में दोनों दलों का समर्थन मिला। हमें इस बात पर गर्व है कि हमारे संबंध द्विदलीय समर्थन पर आधारित हैं।

उन्होंने सितंबर में ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से स्टेनी होएर की मौजूदगी का हवाला भी दिया। श्रृंगला ने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए कांग्रेस की लाइब्रेरी में एक कार्यक्रम में सदन की स्पीकर नैंसी पेलोसी की मौजूदगी का भी जिक्र किया।

संरा सुरक्षा परिषद में कश्मीर पर चर्चा नहीं होगी : पीयर्स

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इस महीने कश्मीर मुद्दे पर चर्चा नहीं करेगा। संरा में ब्रिटेन की स्थाई प्रतिनिधि और नवंबर के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष केरन पीयर्स ने यह जानकारी दी।

पीयर्स ने कहा कि दुनिया में कई और मुद्दे चल रहे हैं। ब्रिटेन द्वारा संयुक्त राष्ट्र की इस 15 सदस्ईय प्रमुख संस्था की अध्यक्षता संभालने के मौके पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, नहीं, कश्मीर के लिए हमारे पास कुछ भी पूर्व निर्धारित नहीं है। एक सीरियाई पत्रकार ने उनसे पूछा था कि क्या ब्रिटेन के परिषद की अध्यक्षता के दौरान कश्मीर पर कोई बैठक या चर्चा निर्धारित है?

पीयर्स ने कहा, दुनिया में कई मामले चल रहे हैं और हर महीने अध्यक्ष उनमें से कुछ मुद्दों को चुनते हैं जो सुरक्षा परिषद के कामकाज में नियमित रूप से सूचीबद्ध नहीं होते हैं।उन्होंने कहा, हमने कश्मीर को नहीं चुना है क्योंकि सुरक्षा परिषद ने हाल में इस पर चर्चा की थी और सुरक्षा परिषद के किसी अन्य सदस्य ने हमसे बैठक निर्धारित करने को नहीं कहा है। पाकिस्तान और चीन द्वारा कश्मीर पर बैठक बुलाए जाने की मांग के बाद सुरक्षा परिषद ने अगस्त में भारत द्वारा जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा रद्द किए जाने के मामले में बंद कमरे में चर्चा की थी। पाकिस्तान द्वारा इस मामले में सुरक्षा परिषद को पत्र लिखे जाने के बाद चीन ने मामले पर बंद कमरे में परिचर्चा की मांग की थी। यह चर्चा बिना किसी नतीजे या बयान के खत्म हुई थी। परिषद के अधिकतर सदस्यों ने इसे भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मुद्दा बताया था।

दक्षिणी फ्रांस के सेंटेस मरिस डे ला मेर में अक्टूबर तीर्थयात्रा के दौरान अपने संतों को समुद्र में लौटाते हुए श्रद्धालु

क्विक न्यूज

इमली की टॉफियों के अंदर हेरोइन की तस्करी

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको मे एजेंट्स ने इमली के स्वाद वाली टॉफियो के 59 पैकेटो के अंदर हेरोइन बरामद की है। नेशनल गार्ड ने शुक्रवार को बताया कि लंदन मे एक पते पर भेजे जा रहे गत्ते के डिब्बे की जांच करने के लिए एजेंटो ने एक्स-रे मशीन का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने बताया कि जब उन्होने डिब्बे को खोला तो हर रोल के बीच मे काले रंग का एक पदार्थ मिला। मेक्सिको मे उत्पादित हेरोइन को अक्सर ब्लैक टार कहा जाता है क्योकि यह सफेद या लाल चूरा हेरोइन से अलग तरह से तैयार की जाती है। ए टॉफियां इमली से बनाई गई थी जो आम तौर पर लाल-भूरे रंग की होती है। बाद मे परीक्षण मे इस बात की पुष्टि हुई की इन टॉफियो मे हेरोइन भरी थी।

ट्रंप ने नए कार्यवाहक गृह सुरक्षा प्रमुख की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वरिष्ठ अधिकारी चाड वुल्फ देश के नए कार्यवाहक गृह सुरक्षा प्रमुख होंगे। यह पद अवैध प्रवासियो के खिलाफ ट्रंप की मुहिम के केंद्र मे रहा है। वुल्फ के इस पद पर नियुक्त होने की अफवाह के बारे मे पूछे जाने पर ट्रंप ने पत्रकारो को बताया, फिलहाल वह इस पद पर कार्यवाहक के रूप मे कार्य करेंगे और आगे देखते है क्या होता है। हमारे पास काफी अच्छे लोग है। ट्रंप ने तीन सप्ताह पहले अपने मौजूदा कार्यवाहक सचिव केविन मैकएलीनन के इस्तीफे की घोषणा की थी।

ब्रिटेन ट्रक शव मामला: प्रवासियों के वियतनामी होने की आशंका

लंदन। लंदन के पास एक रेफ्रिजरेटर ट्रक मे से जिन 39 प्रवासियो के शव बरामद हुए थे अब उनके वियतनाम के नागरिक होने की आशंका जाहिर की गई है। पुलिस ने पहले इन पीड़ितो के चीनी नागरिक होने की बात कही थी। ए शव पिछले महीने बरामद हुए थे। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने जांच मे मदद करने के लिए फिर से दो लोगो से अपील की है। एस्सेक्स पुलिस के प्रमुख टिम स्मिथ ने एक बयान मे कहा, अभी हमारा ऐसा मानना है कि यह वियतनाम के नागरिक थे और हम वियतनाम सरकार से सम्पर्क मे भी है।

भारत सरकार की मदद से नेपाली स्कूल में बुनियादी संरचना का निर्माण

काठमांडू। नेपाल में भारत के दूत मंजीव सिंह पुरी ने देश के दारचुला जिले के खालांगा कस्बे के श्री महेंद्र मॉडल उच्चतर माध्यमिक स्कूल में नव निर्मित बुनियादी संरचना का शनिवार को उद्घाटन किया। उप प्रधानमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री उपेंद्र यादव, नेपाली कांग्रेस सांसद दिलेंद्र प्रसाद बाडू और महाकाली नगरपालिका के मेयर हंसराज भी उद्घाटन समारोह के दौरान मौजूद थे। भारत सरकार द्वारा तीन करोड़ नेपाली रुपए की मदद से नव निर्मित संरचना में 13 क्लास रूम, एक मीटिंग हॉल, प्रत्एक मंजिल पर लड़के और लड़कियों के लिए अलग- अलग शौचालय शामिल हैं। वर्ष 1960 में स्थापित श्री महेंद्र मॉडल उच्चतर माध्यमिक स्कूल में बारहवीं में विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन विषयों की पढ़ाई होती है।

नवाज शरीफ की स्थिति नाजुक प्लेटलेट फिर कम हुआ

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के स्वास्थ्य की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है क्योंकि उनका प्लेटलेट काउंट फिर कम हो गया है। इससे एक दिन पहले यह बढ़कर 51000 हो गया था। यह जानकारी उनके निजी फिजिशियन ने शनिवार को दी।

69 वर्षीय शरीफ का प्लेटलेट काउंट कम होकर 2000 तक हो गया था जिसके बाद उन्हें सोमवार रात में सर्विसेज हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। शरीफ भ्रष्टाचार निरोधक इकाई की हिरासत में थे। बृहस्पतिवार को पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल..एन) प्रमुख के स्वास्थ्य में कुछ सुधार हुआ और उनका प्लेटलेट काउंट 35000 से बढ़कर 51000 हो गया। अदनान खान ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की स्थिति नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज करने वाले चिकित्सकों ने उन्हें दिए जाने वाले स्टेरायड की खुराक कम करने का प्रयास किया लेकिन दुर्भाग्य से इसका परिणाम यह हुआ कि कल उनका प्लेटलेट एक बार फिर कम हो गया। जियो न्यूज की खबर के अनुसार चिकित्सक ने कहा कि प्लेटलेट काउंट में गिरावट के कारण का पता लगाना जरूरी है और यह जल्दी किया जाना चाहिए। मंगलवार को चिकित्सक ने ट्वीट करके कहा

माली में सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमला, 53 सैनिकों की मौत

एजेंसी। बमाको

देश के पूर्वोत्तर हिस्से में शुक्रवार को माली सेना के एक ठिकाने पर हुए आतंकवादी हमले में 53 सैनिकों की मौत हो गई। सरकार ने कहा कि अभी तक 53 लोगों के मारे जाने की खबर है। हालांकि स्थिति अब नियंत्रण में है।वहीं सेना ने कहा कि मेनका क्षेत्र में इंडेलिमने स्थित चौकी पर हुए हमले की जांच जारी है। हमले की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

माली सरकार ने इसे आतंकवादी हमला बताते हुए इसकी निंदा की। साथ ही बिना कोई सटीक आंकड़ा दिए कई लोगों के मारे जाने तथा घायल होने की बात भी कही। सुरक्षा मजबूत करने और हमलावरों को पकड़ने के लिए मौके पर अतिरिक्त बल भेज दिए गए हैं। माली सेना के 2012 में हुई बगावत में विद्रोहियों को मात देने में विफल रहने के बाद से उत्तरी माली अल-कायदा से जुड़े जिहादियों के नियंत्रण में है। गौरतलब है कि करीब एक महीने पहले ही बुर्किना फासो से लगी सीमा के पास जिहादियों के हमले में 40 सैनिक मारे गए थे।

अफगानिस्तान में बारूदी सुरंग विस्फोट में नौ बच्चों की मौत

कुंदुज (अफगानिस्तान)। उत्तरपूर्व अफगानिस्तान में शनिवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट में नौ बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। यह विस्फोट तखार प्रांत के अशांत दरकद जिले में हुआ। यह विस्फोट उस समय हुआ जब बच्चे तालिबान के नियंत्रण वाले एक गांव की एक सड़क पर लगाए गए बारूदी सुरंग के ऊपर चढ़ गए।

तखार के प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता जवाद हेजरी ने कहा, आज सुबह साढ़े आठ बजे दुखद रूप से नौ स्कूली बच्चे तालिबान द्वारा लगाए गए एक बारूदी सुरंग विस्फोट में मारे गए। उन्होंने बताया कि इन बच्चों में से सभी लड़के थे जिनकी आयु सात से 11 वर्ष के बीच थी। किसी भी समूह ने इस विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है और तालिबान ने टिप्पणी के अनुरोध का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें कहा गया था कि इस वर्ष जुलाई से सितम्बर के बीच अफगानिस्तान में अभूतपूर्व संख्या में नागरिक मारे गए या घायल हुए।

चीन के एप टिकटॉक के खिलाफ अमेरिका ने शुरू की जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने चीन की वीडियो एप टिकटॉक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा जांच शुरू की है। कई खबरों में इसका दावा किया गया है। समाचार एजेंसी रायटर्स , समाचार पत्र न्यूयॉर्क टाइम्स और अन्य की खबरों के अनुसार अमेरिका में विदेशी निवेश पर अंतर-एजेंसी समिति (सीएफ आईयूएस) ने एक जांच शुरू की है। कई सांसदों ने टिकटॉक की सेंसरशिप और उसके डाटा एकत्र करने पर सवाल उठाए थे। वित्त विभाग ने कहा कि वह विशिष्ट मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा। सीएफआईयूएस वित्त विभाग के अधीन ही काम करता है। इस बीच, टिकटॉक ने कहा कि वह जारी नियामक प्रक्रियाओं पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता लेकिन अमेरिकी लोगों और उसके नियामकों का विश्वास हासिल करना उसकी प्राथमिकता है।

सांता पाउला, कैलिफ़ोर्निया के पास शुक्रवार को मारिया फायर एक एयर टैंकर मंद पड़ता हुआ।

बगदाद में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प, एक प्रदर्शनकारी की मौत

एजेंसी। बगदाद

इराक की राजधानी बगदाद में तहरीर चौक के नजदीक शनिवार तड़के सुरक्षा बलों और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

झड़प दजला नदी के पश्चिमी तट को तहरीर से जोड़ने वाले दो पुलों के आसपास हुई, जहां अधिकतर सरकारी इमारतें और अमेरिकी तथा ईरानी दूतावासों समेत विदेशी दूतावास स्थित हैं। पुलों पर तैनात दंगा विरोधी पुलिस ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, और मूलभूत सुविधाओं के अभाव समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। एक अक्टूबर से जारी प्रदर्शनों में अबतक 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं।

सरकार विरोधी प्रदर्शनों की पहचान बनी इमारत

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में स्थित एक इमारत बीते एक महीने से जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों का पहचान स्थल बन गई है। यहां कई दिनों से लोग भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, और मूलभूत सुविधाओं के अभाव को लेकर डटे हुए हैं। सद्दाम हुसैन के जमाने की 14 मंजिला इमारत दजला नदी के किनारे स्थित है। इमारत 2003 से खाली पड़ी है जब अमेरिकी बलों ने यहां बमबारी की थी। हालांकि 25 अक्टूबर से यहां हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी जमा हैं, जो वापस जाने को तैयार नहीं हैं।

अमेरिकी प्रतिबंध बड़ी विफलता दिखाते हैं

● ईरान के वित्त मंत्री जावेद जरीफ ने कहा

एजेंसी। तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जावेद जरीफ ने शुक्रवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य के खिलाफ नए अमेरिकी प्रतिबंध उसकी ईरान विरोधी नीति की अधिकतम विफलता को दर्शाते हैं।

अमेरिका ने ईरान के निर्माण क्षेत्र पर गुरुवार को प्रतिबंधों का ऐलान किया था। वह इसे देश के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स से जोड़ता है। जरीफ ने ट्वीट किया, निर्माण क्षेत्र में लगे कर्मचारियों को आर्थिक आतंकवाद से जोड़ना अमेरिका की अधिकतम दबाव की नीति की अधिकतम विफलता को दर्शाता है। उन्होंने 2015 के परमाणु करार, संयुक्त समग्र कार्य योजना (जेसीपीओए) के संदर्भ में कहा, खुद को और गहरे तक फंसने से बचाने के लिए अमेरिका को विफल नीतियों को त्यागकर वापस जेसीपीओए पर लौटना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले साल परमाणु करार से अलग होने और अपने अधिकतम दबाव अभियान के तहत एकपक्षीय प्रतिबंध लगाने के बाद ईरान के साथ उसके तनाव में काफी इजाफा हो गया था। इसके बाद ईरान कई बार परमाणु करार के अनुपालन की शर्तों का उल्लंघन कर अपना विरोध जता चुका है। उसने चेतावनी दी थी कि वह करार की शर्तों के उल्लंघन में और आगे बढ़ सकता है।

इजराइल के हवाई हमले में एक फलस्तीनी की मौत

एजेंसी। यरुशलम

फलस्तीन की तरफ से किए गए रॉकेट हमले के जवाब में इजराइली विमानों ने शनिवार को गाजा पट्टी क्षेत्र पर हमला किया जिसमें एक फलस्तीनी की मौत हो गई। हमास द्वारा शासित गाजा पट्टी में स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह दावा किया।

गाजा में सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि फलस्तीनी क्षेत्र में तड़के दर्जनों हमले हुए जिनमें इस क्षेत्र के इस्लामी शासकों और उनसे जुड़े संगठनों को निशाना बनाया गया। इजराइली सेना ने कहा कि वे हमास आतंकी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं जिनमें गुट का एक नौसैनिक ठिकाना, एक सैन्य परिसर और हथियार निर्माण स्थल शामिल है।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा में मारे गए व्यक्ति का नाम अहमद अल शहरी (27) है। उन्होंने यह नहीं बताया कि शहरी किसी गुट से सम्बंधित था या नहीं। एक एएफपी संवाददाता के अनुसार धमाकों की आवाज पूरे क्षेत्र में सुनी जा सकती थी। हमास के एक सूत्र ने बताया कि उन्होंने हमला कर रहे इजराइली विमान को निशाना बनाते हुए गोले दागे। इजराइली सेना ने गाजा की ओर से ताजा हमलों की पुष्टि की। इजराइल का हवाई हमला गाजा से शुक्रवार देर रात दक्षिणी इजराइल पर कम से कम 10 रॉकेट दागे जाने की प्रतिक्रियास्वरूप किया गया।

इजराइली सेना ने कहा कि देश की आयरन डोम प्रक्षेपास्त्र रोधी रक्षा प्रणाली ने इनमें से आठ रॉकेट को बीच में ही नष्ट कर दिया था।

सीरिया में रूसी हवाई हमले में छह नागरिकों की मौत: मॉनिटर

बेरूत। उत्तर-पश्चिम सीरिया में शनिवार को एक रूसी हवाई हमले में एक बालक समेत छह आम नागरिकों की मौत हो गई। सीरियन आब्जर्वेटरी फॉर ह्यूम राइट्स ने बताया कि इस हमले में इदलिब क्षेत्र के एक गांव को निशाना बनाया गया। हमले में मारे गए सभी सदस्य एक ही परिवार के थे। ब्रिटेन स्थित मॉनिटर ने कहा कि वह हमले उड़ान के तरीके, विमान और विस्फोटकों के आधार पर कह रहा है कि यह हमला किसने किया। संस्था ने कहा कि पिछले दो महीने में यह सबसे भीषण रूसी हमला था क्योंकि रूस ने 31 अगस्त को क्षेत्र में युद्धविराम की घोषणा की थी। सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद के सैनिकों ने अप्रैल में इदलिब के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया था जिसमें एक हजार से ज्यादा आम नागरिक मारे गए जबकि चार लाख से ज्यादा लोगों को अपने घरों से भागना पड़ा। रूस सीरिया सरकार का सहयोगी है।

देश में अस्थिरता उत्पन्न नहीं होने दी जाएगी

पाकिस्तानी सेना ने आजादी मार्च प्रदर्शनकारियों को किया आगाह

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सेना ने शनिवार को आगाह किया कि देश में किसी को भी अस्थिरता या अराजकता उत्पन्न नहीं करने दी जाएगी। इससे एक दिन पहले ही धर्मगुरु एवं राजनीतिज्ञ मौलाना फजलुर रहमान ने प्रधानमंत्री इमरान खान के पद छोड़ने के लिए दो दिन की समयसीमा तय की थी।

कट्टरपंथी धर्मगुरु रहमान ने वर्तमान सरकार को हटाने के लिए आयोजित प्रदर्शन रैली को यहां शुक्रवार को संबोधित किया था। प्रदर्शन रैली को आजादी मार्च नाम दिया गया है। रहमान ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान के बोर्बाच्व को शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के धैर्य की परीक्षा लिए बिना इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान पर शासन करने का अधिकार केवल देश के लोगों को है, किसी संस्थान को नहीं। उन्होंने शुक्रवार को कहा था, हम हमारे संस्थानों के साथ कोई टकराव नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि वे तटस्थ रहें। हम संस्थानों को (भी) यह निर्णय करने के लिए दो दिन का समय देते हैं कि क्या वे इस सरकार को समर्थन जारी रखेंगे। रहमान की टिप्पणी पर पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर

● धर्मगुरु एवं राजनीतिज्ञ मौलाना फजलुर रहमान ने प्रधानमंत्री इमरान खान के पद छोड़ने के लिए दो दिन की समयसीमा तय की थी

जनरल आसिफ गफूर ने कहा, मौलाना फजलुर रहमान एक वरिष्ठ नेता हैं। उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वे किस संस्थान के बारे में बात कर रहे हैं। पाकिस्तान का सशस्त्र बल एक तटस्थ संस्थान है जिसने हमेशा ही लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों का समर्थन किया है।

उन्होंने आगाह किया, किसी को भी अस्थिरता उत्पन्न नहीं करने दी जाएगी क्योंकि देश अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। गफूर ने कहा कि सेना तटस्थ है और वह संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकारों का ही समर्थन करती है। उन्होंने 2018 आम चुनाव के दौरान सेना की तैनाती का बचाव किया और कहा कि इससे चुनावों में संवैधानिक जिम्मेदारी पूरी हुई। उन्होंने कहा, यदि विपक्ष को (परिणामों के बारे में) कोई आपत्ति है तो उसे

सड़कों पर आरोप लगाने की बजाय प्रासंगिक मंचों पर जाना चाहिए।

गफूर ने कहा कि लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों को लोकतांत्रिक रूप से सुलझाया जाना चाहिए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सरकार के बीच सम्पर्क की सराहना की। रहमान ने विपक्षी नेताओं के साथ बैठक के बाद गफूर की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया में मीडिया से कहा कि सैन्य प्रवक्ता को ऐसे बयान देने से परहेज करना चाहिए जो सेना की तटस्थता का उल्लंघन करे।

उन्होंने कहा, यह बयान किसी नेता की ओर से आना चाहिए था, सेना की ओर से नहीं। उन्होंने घोषणा की कि यदि प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा दो दिन की समयसीमा का पालन नहीं किया जाता है तो विपक्ष शनिवार को बैठक करेगा और आगे के कदम पर निर्णय किया जाएगा।रहमान की जमीयत उलेमा ए इस्लाम फजल के नेतृत्व वाला आजादी मार्च बृहस्पतिवार को अपने अंतिम गंतव्य स्थल पहुंचा। मार्च सिंध प्रांत से शुरू हुआ था और बुधवार को लाहौर से निकला था।

प्रधानमंत्री खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ की सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आयोजित इस मार्च में रहमान के साथ पाकिस्तान मुस्लिम लीग.. नवाज (पीएमएल.. एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और आवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के नेता भी हैं। वहीं प्रदर्शन से बेपरवाह प्रधानमंत्री खान ने शुक्रवार को गिलगिट..बाल्टिस्तान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदर्शनकारियों से कहा कि उनसे किसी तरह की राहत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, वे दिन लद गए जब लोग सत्ता में आने के लिए इस्लाम का इस्तेमाल करते थे। यह नया पाकिस्तान है। जब तक चाहें, बैठें। जब आपकी खाद्य सामग्री समाप्त हो जाएगी तो और भेज दी जाएगी। यद्यपि हम आपको राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश (एनआरओ) नहीं देंगे। एनआरओ अक्टूबर 2007 में भ्रष्टाचार, धनशोधन, हत्या और आतंकवाद के आरोपी नेताओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और नौकरशाहों को माफी प्रदान करने के लिए जारी किया गया था।

पायनियर
रविवार, 3 नवंबर, 2019
एजेण्डा

मैं खुद को गंभीरता से नहीं लेता : अक्षय

खनन उद्योग का बदलता चेहरा

खनन अधिनियम,1952 में हालिया संशोधन महिलाओं को रात्रिकालीन शिफ्ट में काम करने का अवसर देते हैं। इस उद्योग को, जो अभी तक पुरुष प्रधान क्षेत्र हुआ करता था, अब महिलाओं ने अपनी आजीविका का हिस्सा बनाया है। उन्होंने इस क्षेत्र को क्यों अपनी आजीविका का हिस्सा बनाया, इस पर कुछ महिलाओं के साथ चर्चा करती, शालिनी सक्सेना की रिपोर्ट।

4 फरवरी, 2019 को सरकार ने महिलाओं को खनन क्षेत्र में, भूमिगत एवं धरातल दोनों स्तरों पर, दिन में व रात में काम करने की अनुमति प्रदान की। हालांकि उन्हें वहां नियुक्त करने से पहले महिलाओं से लिखित अनुमति लेना व उन्हें एक शिफ्ट में न्यूनतम तीन के समूह में नियुक्त करने जैसी कुछ शर्तें अनिवार्य हैं।

खनन अधिनियम, 1952 अभी तक ऐसा रोजगार क्षेत्र था जिसमें महिला कामगारों को भूमिगत खानों में तथा रात्रिकालीन शिफ्ट के दौरान खान में धरातल पर काम करने पर पाबंदी लगी हुई थी। देश में महिला कामगार शक्ति की भागीदारी दर सिर्फ 27 फीसदी है जबकि यह दर इंडोनेशिया में 51 फीसदी, बांग्लादेश में 58 फीसदी, चीन में 64 फीसदी तथा वियतनाम में 73 फीसदी है।

इस संशोधन से, जेंडर विविधता को प्रोत्साहित करने के लिए टाटा स्टील ने अपने नोआमुंडी आयरन माइन में 10 महिला अधिकारियों को नियुक्त किया है।

जे लिरिल, जिन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, 2002 में एसएनटीआई, जमशेदपुर से ट्रेड अप्रेंटिस के रूप में टाटा स्टील में नियुक्ति पाई थी, कहती हैं कि वह 2006 में आयरन-ओर प्रोसेसिंग प्लांट में फिटर कम आपरेटर के रूप में शामिल हुई और बाद में मैकेनिक के रूप में पदोन्नत हुईं। उन्हें उसके बाद चार्जहेंड के रूप में पदोन्नति मिली, आज वह इसी पद पर कार्यरत हैं।

लिरिल याद करती हैं, ''मैं नोआमुंडी की रहने वाली हूं। मेरे पिता टाटा स्टील के साथ काम करते थे। मैं दूसरी पीढ़ी हूं जो यहां पर काम कर रही है। मैंने 2006 में ट्रेड अप्रेंटिस के रूप में शुरुआत की। शुरुआत में, थोड़ी आशंकाएं थीं, क्योंकि मेकेनिकल रोजगारों में कोई भी महिला कार्य नहीं करती थी। इसे पुरुषों का काम समझा जाता था। मुझे फील्ड में उनके साथ काम करना पड़ता था क्योंकि वहां बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थी। हम अपने पुरुष सहकर्मियों की सहायता से अपना काम करते थे। समय के साथ चीजें बेहतर हो गयीं। ''

हालांकि पुरुषों द्वारा कुछ ताने कसे जाते थे फिर भी उनमें से ज्यादातर ने कभी लिरिल को असहज महसूस नहीं कराया कि वह गलत विभाग में थी। लिरिल कहती हैं, ''उन्होंने कभी नहीं कहा कि चूंकि मैं एक महिला हूं इसलिए कुर्सी पर बैठने वाली मेरे लिए ज्यादा अनुकूल है। वर्तमान में, मेरा काम दूसरों को प्रशिक्षण प्रदान करना है कि मशीन को कैसे चलाएं और इस क्षेत्र में अपना काम कैसे पूरा करें। ऐसे मौके आए हैं जब मशीन में दिक्कत आती है। मुझे इस समस्या से निपटने के लिए सहायक की मदद लेनी पड़ती है।''

तेरह साल हो गये हैं जब उन्होंने पहली बार वो काम करना शुरू किया था जो कि उस समय पुरुष के हिस्से में आता था। एक सबक, जो लिरिल ने सीखा है, वो यह कि व्यक्ति को अपने समक्ष उपस्थित होने वाले किसी भी काम से मुंह नहीं चुराना चाहिए।

ऐसा महसूस नहीं होता कि मैं माइनिंग सेक्टर में काम कर रही हूं। मैं फिल्म देखने या तैराकी करने जा सकती हूं

– करिश्मा कंडोई

मुझे कहा गया कि यह सेक्टर महिलाओं के लिए नहीं है। यह एक कठिन कार्यक्षेत्र है

– प्रतीक्षा खेर

42 वर्षीया यह कर्मचारी, जो शादीशुदा है और जिसका एक बेटा है, बताती है, ''आपको जो भी काम दिया गया है उसे अपनी भरपूर योग्यता अनुसार पूरा करना आवश्यक है। कड़ी मेहनत जरूरी है। हमें साबित करना होता है कि हालांकि हम एक ऐसे क्षेत्र में काम रहे हैं जो पुरुष वर्चस्व वाला है, मगर आज हम उनके साथ खड़े होते हैं। उन अन्य महिलाओं के लिए मिसाल खड़ी करना अनिवार्य है जो भविष्य में हमारी जगह लेने के लिए आगे आएंगी। यदि आज, हम कोई विशेष कार्य करने से इंकार कर देती हैं तो आने वाली पीढ़ी भी उस काम को करने के लिए आगे नहीं आएगी।''

लिरिल कहती हैं, ''आज लड़के और लड़की के बीच कोई अंतर नहीं है। मैं अपनी शादी से पहले काम करती आई हूं। मेरे पति ने और मेरे सास ससुर ने मुझे प्रोत्साहित किया। मैं पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ना और शिफ्ट में काम करके अधिक जिम्मेदारियां उठाना चाहती हूं। ''

28 वर्षीया करिश्मा कंडोई, जो आसाम में एक छोटे नगर, धुबड़ी की रहने वाली हैं, 2013 में आसाम इंजीनियरिंग कालेज से मेकेनिकल इंजीनियर में स्नातक करने के बाद आयरन ओर प्रोसेसिंग प्लांट में मैनेजर मैकेनिकल के रूप में कार्यरत हैं। वह बताती हैं कि उनके पिता एक व्यापारी हैं।

कंडोई कहती हैं, ''मेरे पिता आटोमोबाइल स्पेयर पार्टस का काम करते हैं। मेरी मां गृहिणी है। मैं जुलाई में इस ईकाई में नियुक्त हुई इसलिए इसमें मेरे कुछ ही महीने बीते हैं। अभी तक का, यहां का कामकाज आश्चर्यजनक रहा है। मैंने स्नातक के बाद जिंदल स्टील के साथ अपने

मैं शिफ्ट इंचार्ज के रूप में रात्रि शिफ्ट में काम करने को लेकर रोमांचित हूं। यह मेरे लिए गौरवशाली क्षण है

– पुष्पा राय

करियर की शुरुआत की। मैं चिंता नहीं करती हूं कि मैं ऐसे कार्यक्षेत्र में काम कर रही हूं जो परंपरागत तौर पर पुरुषों के लिए था। मैं इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने को लेकर अधिक सोचती हूं। मैं परवाह नहीं करती हूं कि मेरे साथ अन्य महिलाएं काम कर रही हैं या नहीं। मैं सिर्फ खुद को आगे बढ़ाना और अपनी क्षमता को सामने लाना चाहती हूं । आज, टाटा स्टील में, कार्य संस्कृति ऐसी है कि यह भयभीत नहीं करती है। समूह ने हमें सुरक्षित महसूस कराने की विभिन्न सुविधाएं प्रदान की हैं। जीपीएस ट्रेसर के साथ आवागमन होता है। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।''

मेकेनिक्स में उनकी रुचि बच्चे के रूप में आरंभ हुई। वह अपने पिता को आटोमोबाइल पार्टस के साथ काम करते देखा करती थी। इसने उन्हें मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के लिए प्रेरित किया। कंडोई कहती हैं, ''जब मुझे इस विषय को पढ़ने का अवसर मिला तो मैं बहुत रोमांचित थी। मेरे माता पिता ने मुझे प्रोत्साहित किया। उन्होंने मुझे कभी अपना शौक पूरा करने या जहां भी जाना चाहती थी, वहां जाने से नहीं रोका। यहां तक कि मैं इस कोर्स के लिए चुनी जाने वाली अकेली लड़की थी, फिर भी मेरे माता पिता ने मेरा साथ दिया और वे मुझ पर बहुत गर्व करते हैं। अब तो और भी ज्यादा, जब से मैंने यहां काम करना शुरू किया है।'' उन्हें इस सेक्टर में काम करते हुए और अपने घर से दूर रहते हुए छह साल हो गए। कंडोई बताती हैं, ''ऐसी बातें थीं जो आपको हमेशा घर की याद दिलाएंगी। जब आप अपने आराम दायरे से कदम बाहर निकालती हैं तो अनेक कठिनाइयां आना लाजिमी है। लेकिन शहर की सुविधाएं इसे हमारे लिए आसान बना देती हैं। चाहे यह कार्य वातावरण हो या कुछ भी अन्य, ऐसा महसूस नहीं होता कि मैं खनन क्षेत्र में काम कर रही हूं।

>> पेज 3

महिलाओं को खानों में नियुक्त करना नए विचारों व अवधारणाओं की ओर ले जाता है

खनन में महिलाओं को नियुक्त करने की **टाटा स्टील** की पहल के बारे में अरुन मिश्रा से चर्चा करती हैं **शालिनी सक्सेना**

■ खनन में महिलाओं को काम पर रखने के पीछे कौन सा विचार था?

टाटा स्टील में हमने मोजाइक नामक अभियान शुरू किया था जिसके जरिए हमने एक विविधतापूर्ण कार्यक्रम चलाया जिसमें हमने सभी प्रकार की विविधता पर नजर डाली, मसलन यौन समानता, यौन रुझान, व शारीरिक चुनौतियां। हम विभिन्न पदों को भरने से आगे बढ़े, लेकिन कानून द्वारा रोक दिए गए जब हमने खनन क्षेत्र को देखा तो वहां जेंडर समानता के संदर्भ में उन्हें शाम छह बजे के बाद काम पर नहीं रखा जा सकता।

हमने विभिन्न सरकारी संस्थाओं से बात की और अंत में जब इस साल फरवरी में इसे समाप्त किया गया तो हमें चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखने में दो महीने लगे और फिर नियुक्ति चालू की।

■ पुरुष वर्चस्व वाले पेशे में महिलाओं को अनुमति देने के लिए पुरुषों को मनाना कठिन रहा?

खनन, खासतौर पर, पुरुष वर्चस्व वाला क्षेत्र था और यह बहुत सारे शारीरिक कार्य से संबंधित है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, तकनीक ने मशीन के जरिए काम करने के कारण इसे आसान बना दिया है। अधिकांश कार्यस्थल एसीयुक्त है और प्लांट स्वसंचालित हैं । साथ ही, महिलाओं को प्लांटों में शाम छह बजे तक काम करने की अनुमति मिली थी। उन्हें शिफ्ट में नहीं रखा जा सकता था, और इसीलिए वे किन्हीं आपरेशनों में सुपरवाइजर के पद पर नहीं पहुंच सकती थीं। आज, हमारे यहां महिला इंजीनियर हैं जिन्होंने अधिकारियों के रूप में नियुक्ति पाई। उनकी संख्या दस है और यह संख्या कैम्पस सेवायोजन के दौरान बढ़ेगी ही। विभिन्न पदों पर कार्यरत महिलाओं की कुल संख्या 344 है। किसी ने आंखें नहीं तरेरीं क्योंकि कुछ महान घटित हुआ है। हमारे यहां पुरुष अधिकारियों के साथ महिला अधिकारी भी हैं।

■ क्या यह महिलाओं को बड़ी संख्या में मेकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं सिविल इंजीनियरिंग जैसे विषयों की पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करेगा?

बिलकुल, निश्चित रूप से। दो दशकों पहले आईटी ने भी ऐसा किया था जब इसने उन्हें वहां काम पर रखना व उन्हें मंच प्रदान करना शुरू किया था जहां कठिन कार्य की आवश्यकता नहीं थी। आज, तकनीकी के कारण खनन वही काम कर रहा है।

■ वे कौन से कार्य हैं जिनसे महिला सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है?

ऐसे दिशानिर्देश हैं जिन्हें खनन सुरक्षा महा निदेशालय द्वारा जारी किया गया है जिनमें लिखित में महिला की अनुमति शामिल है। फिर हमें विशिष्ट सुरक्षा उपाय लागू करने पड़ेंगे जो आवागमन जैसे स्थान पर पहले से लागू हैं मसलन जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे, महिला केंटीन स्टाफ व अन्य चीजें जो महिलाएं चाहती हैं।

■ क्या इन सुविधाओं को प्रदान करने से पुरुषों के बीच कटुता पैदा हुई है?

शुरुआत से ही हमने इसे स्पष्ट कर दिया कि ऐसे इंतजाम किए जा रहे थे क्योंकि हम इन पदों पर महिलाओं को नियुक्त करना चाहते थे। हमने कहीं भी नहीं कहा कि हम एक विशेष श्रेणी बना रहे हैं।

■ खनन में महिलाओं को नियुक्त करने के पीछे सोच क्या थी?

निश्चित रूप से, एक तो सोच व विचार की विविधता थी। हमारे यहां निरंतर सुधार की संस्कृति है जहां हमारे यहां मंथन सत्रों व विचार सृजन कार्य में सौ फीसदी श्रमिक भागीदारी होती है। महिला श्रमिकों से विविधता आती है। दूसरा, तकनीकी के कारण, इसे पेशे में अब कुछ भी पुरुष केन्द्रित नहीं है।

■ पदोन्नति संबंधी रणनीतियां क्या हैं?

किसी भी अन्य कर्मचारी की तरह, एक मार्गदर्शन कार्यक्रम होता है जहां यही प्रशिक्षण दिया जाता है। वेतन भी समान हैं जो दिए गए पदानुसार हैं। पदोन्नतियां मेरिट आधारित हैं। पुरुषों व महिलाओं को एक ही प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है।

■ इन महिलाओं की आकांक्षा क्या है?

ये महिलाएं खुश हैं और दुनिया के सामने साबित करना चाहती हैं कि यह काम सिर्फ पुरुषों के लिए नहीं है, कोई भी खनन में काम कर सकता है। ये महिलाएं प्रगतिशील हैं और निर्भीक हैं। उनके लिए विवाह एकमात्र विकल्प नहीं है, वे पेशेवर रूप में आगे बढ़ना चाहती हैं।

महारानी सार्वभौमिक उत्पादकता के विचारों तथा गतिविधि की आम समझ के साथ जुड़ी रही हैं
-ए. ई. वेइट

स्वयं के पुनर्जीवन के लिए है दीपावली

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

सबसे पहले, मेरी ओर मूल्यवान पाठकों को दीपावली तथा भविष्य में एक समृद्धशाली जीवन की बहुत बहुत शुभकामना। जैसा कि किंवदंती है कि भगवान श्री राम ने असुर राजा रावण पर अश्विन शुक्लपक्ष के दसवें दिन विजय पाई थी, जिसे आज विजयदशमी कहा जाता है, व सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था। कार्तिक कृष्णपक्ष अमावस्या को वह अयोध्या लौटकर आए थे। अयोध्या के लोगों ने समूचे नगर को भगवान श्रीराम व उनके संगियों के स्वागत में दीयों से सजाया था। अतीत को पीछे छोड़ते हुए, अयोध्या के राजा के रूप में श्री राम के जीवन का नया अध्याय आरंभ हुआ।

कोई इस किंवदंती के ऐतिहासिक प्रामाणिकता पर सवाल कर सकता है, लेकिन इनके शैक्षिक महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

प्राचीन भारत के ऋषियों ने महसूस किया था जीवन का रास्ता आसान नहीं होता है, यह चुनौतियों से भरा होता है। हमें स्वयं को प्रेरित करने व समझदारी से इनका सामना करने की जरूरत है। जैसा कि कथा वृत्तांत है, श्री राम ने वानर सेना की सहायता से रावण से युद्ध किया। यहां यह ध्यान देना दिलचस्प है कि मानव मन आदतन असंख्य आंतरिक विचारों से आंखमिचौनी खेलता रहता है, जो उस जंगली बंदर की तरह है जो पेड़ की एक डाल से दूसरी डाल पर कूदफांद करता रहता है। इसी एकाग्रता के अभाव के कारण मन अपनी समूची शक्तियां उजागर करने में विफल होता है। जो वानर मन को साधने व उसे सफलता सुनिश्चित करने हेतु इच्छित लक्ष्य के प्रति एकाग्र करने की मांग करता है।

ऋषियों ने यह भी अनुभव किया कि लोग, अपने नवोन्मेषी मन का उपयोग करके, अपने समक्ष उपस्थित होने वाली समस्त कठिनाइयों का सामना कर सकते हैं, जिस प्रकार वे दीप जलाकर वर्ष की सबसे घनी रात को प्रकाशमान करते हैं। याद रखें, दीपावली के दिन, भारत उपलब्ध सौर घनत्व अपने निम्नतम छोर पर होता है, क्योंकि संक्रमणरत सूर्य, प्रमुख प्रकाश स्तंभ, दक्षिणी अक्षांश से पश्चिमी क्षितिज पर पहुंचता है। जबकि, भारत उत्तरी अक्षांश में पूर्वी क्षितिज पर स्थित है। अमावस्या होने से, यह चन्द्रमा को भी अपने घेरे में लेता है, जिसे रात्रि नभ को प्रकाशित करने वाला समझा जाता है। इसे संयोगवश, कृषि उत्पाद के नए उत्पादक चक्र की शुरुआत से भी जोड़ा जाता है। मन, हालांकि, अपनी रचनात्मक श्रेष्ठता पर तभी होगा जब यह अपनी स्वभाव प्रवृत्तियों व गांठों से मुक्त होता है। जिसके बाद, मन का संपूर्ण दायरा पहुंच के भीतर आ जाता है

जो किन्हीं भी सीमाओं को नहीं जानता है।

ऋषियों को यह भी समझ में आया कि यह चरिपरिर्वतनशील मौजूदा दुनिया, प्रत्येक उभरते क्षण का गतिशास्त्र, और उससे उत्पन्न उसकी आवश्यकताएं, अतीत से भिन्नता लिए होती हैं। भविष्य को अभी उभरता है, और इसीलिए अनिश्चित है। इसलिए, व्यवहारिक संदर्भों में देखा जाए, तो प्रत्येक क्षण एक नयी शुरुआत है। जो बीज आप इस क्षण बोते हैं और गंभीरता से उसकी देखभाल करते हैं , कालांतर में वही भरपूर फल देने वाला वृक्ष बनकर विकसित होता है। हालांकि, विडंबना यह है कि आमतौर पर अपनी पूर्व आस्थाओं व अवधारणाओं में जकड़े होने से लोग बदलाव का विरोध करते हैं, क्योंकि वे नयी घटनाओं के प्रति आशंकित रहते हैं। लेकिन साथ ही साथ भावी संभावनाओं का पूर्वानुमान भी करते रहते हैं। इस प्रक्रिया में, वर्तमान क्षण की मांगें, जिन पर भविष्य उड़ान भरता है, हाशिए पर चली जाती हैं, और स्वाभाविक दुष्परिणाम सामने आते हैं। और जब हम समय की दौड़ में पीछे छूट जाते हैं तो हम भाग्य को कोसना शुरू कर देते हैं।

नियमित अंतराल पर जीवन की अनिवार्यताओं को याद रखने के लिए, स्वस्थ जीवन तथा अपनी उत्पादक योग्यताओं की उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण, हमारे ज्ञानी गुरुओं ने इन त्योहारों की शुरुआत की। जानबूझ कर, ताकि आसानी से अपनी समस्त क्षमता में भावी समय की आवश्यकताओं से निपटने के लिए बेहतर तैयार हो सकें। दीपावली से काफी पहले, भक्तजन अपने घरों, कार्यस्थलों, व पड़ोसी क्षेत्रों की सफाई करना आरंभ कर देते हैं। स्वच्छता पर जोर दिया जाता है ताकि एक स्वस्थ जीवंत वातावरण एवं सकारात्मक कार्य परिवेश सुनिश्चित हो। समय पर ध्यान दें। जैसे ही जाड़ा आरंभ होता है, कम सौर घनत्व के कारण, बेक्टीरिया के बढ़ने का वातावरण संभावित हो जाता है, जिससे, हमारे तत्काल संक्रमित होने का खतरा उत्पन्न होता है।

दीपावली के दौरान, हमारा प्रमुख जोर देवी मां लक्ष्मी, संपत्ति की परिचायक देवी, पर होता है, जिसमें शारीरिक क्षमता, उत्पादक योग्यताएं साथ ही साथ दुनियावी ज्ञान सम्मिलित होता है। नवरात्र के दौरान, शारीरिक क्षमता पर पहले से काम करने से, इस बार, हम विघ्न विनाशक गणपति की पूजा से प्रार्थना की शुरुआत करते हैं। क्योंकि, वह दुनियावी ज्ञान के प्रतीक देवता हैं, जो अकेले ही हमें अपने समक्ष उपस्थित होने वाली चुनौतियों से समझदारी से निपटने व नये उपलब्ध अवसरों के साथ न्याय करने में सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार अपने आंतरिक स्रोतों से प्रेरित होकर, हम लक्ष्मी का आर्शीवाद पाने के लिए, उन्हें अपनी पूर्जा अर्पित करते हैं। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि उच्चततर दायरों में देवी अस्तित्वमान है या नहीं, जो हमारी प्रार्थना के जवाब में हमें विशेष वरदानों से अनुग्रहीत करेगी। यह स्पष्ट संकेत है कि यदि आप मन से पूरी तरह तैयार हैं और हृदय से इच्छित गंतव्य के प्रति समर्पित हैं तो सफलता अधिक संभावित बन जाती है।

भगवतगीता में योग

आचार्य प्रशांत त्रिपाठी कहते हैं कि महाभारत का विन्यास अत्यंत प्रतीकात्मक है। जीवन की वास्तविक स्थितियों के वास्तविक समाधान तलाशना योग है

भगवतगीता महाभारत, महाकाव्य का हिस्सा है, जो अनेक पीढ़ियों से चले आ रहे, राजसी वंशों की कथा है। और, भगवतगीता के सभी 18 अध्यायों के नाम विभिन्न योगों के अनुसार हैं। ये कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद के 18 अध्याय हैं। जब हम भगवतगीता के विन्यास को समझेंगे तो हम योग के अर्थ को जानेंगे। योग का पहला स्थान होना क्यों आवश्यक है? कृष्ण अर्जुन को एक के बाद एक, 18 अध्याय बताते हैं। विशद योग से आरंभ करके, सांख्य योग, कर्म योग, फिर कर्म संयास ज्ञान योग तक।

योग की आवश्यकता क्या है?

योग की आवश्यकता तभी होती है जब व्यक्ति विरोधाभासी शक्तियों को अनुभव करता है। जब मन को लगता है कि यह प्रभावों के विभिन्न हिस्सों में विभाजित है और वे हिस्से विरोधाभासी तथा परस्पर प्रतिस्पर्धी हैं, तो फिर मन को जो शांति व समाधान प्रदान करता है, उसे योग कहा जाता है।

योग, इसीलिए हर उस व्यक्ति के लिए एकमात्र प्रासंगिक चीज है जो विवाद, तनाव, दुविधा, मोह, दुख, स्मृतियों में घिरा होता है। और यदि, व्यक्ति की स्थिति वैसी नहीं है जैसी कि अर्जुन की थी तो योग अप्रासंगिक है।

महाभारत का विन्यास अत्यंत प्रतीकात्मक है। युद्धभूमि सचमुच की प्रत्यक्ष युद्धभूमि नहीं है। यह अपने आपमें दुनिया का संकेतक है। हमारी दुनिया एक युद्धभूमि है, जिसमें हम उनके खिलाफ तैनात होते हैं, जिनके साथ हमारे संबंध होते हैं। अर्जुन की दुर्दशा हमारा अपना भ्रम है। सभी स्पष्ट संकेतों के जरिए हमें हमारे अपने जीवन की स्थिति दिखाई जाती है, अर्जुन के चरित्र में। और फिर हमें उस चीज से परिचित कराया जाता है जिसे कृष्ण योग कहते हैं। योग वह है जो कृष्ण अर्जुन को उस स्थिति से मुक्ति के रूप में प्रस्तावित करते हैं।

कष्ट से मुक्ति का मार्ग

और अर्जुन के साथ वो पीड़ा किस प्रकार की है? क्या यह शारीरिक पीड़ा है? क्या अर्जुन ईश्वर

को साकार करने की कोशिश कर रहे हैं व विफल हो रहे हैं?

वैसे, अर्जुन एक परम योद्धा है, शारीरिक रूप से प्रबल। यह सर्वोच्च धर्नुधर है और कोई उसकी बराबरी नहीं कर सकता है। उनकी शारीरिक क्षमता में कोई भी कमी नहीं है। इसलिए, योग किसी रोग के उपचार के रूप में प्रस्तावित नहीं किया जा रहा है।

योग मन के विभिन्न खंडित हिस्सों को एक साथ लाना है। यह एक अखंडित मन हासिल करना है, वो मन जो अटल है। एक चीज जो मन में विभाजनों का कारण बनती है, वो पालनपोषण की विविध शक्तियां जिनको मन ने अनुभव किया है।

अर्जुन को सिखाया गया है कि बुजुर्गों का सम्मान करो तथा अहिंसा एक सदगुण है। अर्जुन को यह भी सिखाया गया है कि अपने क्षेत्र की सुरक्षा करना सदगुण है। आज, इन दोनों चीजें परस्पर टकराती हैं। यदि वह अपने इलाके की रक्षा करेगा तो उसे अपने बुजुर्गों से लड़ना पड़ेगा। अर्जुन, को सिखाया गया है कि इंसान को अपने करीबियों व परिजनों के हितों का खयाल करना चाहिए। लेकिन अर्जुन को यह भी सिखाया गया है कि व्यक्ति को अपनी पत्नी का अच्छा खयाल रखना चाहिए। आज, ये दोनों एक दूसरे के खिलाफ खड़े हैं। चचेरे भाइयों ने पत्नी का अपमान किया, अब अर्जुन को पत्नी को बचाना व उनका प्रतीकार करना होगा।

इसी तरह मन विभाजित होता है

समाज, मीडिया, धर्म, बल्कि, अतीत के अनुभव का समूचा भंडार, मन को प्रभावित करता है। व्यक्ति की कोशिकाओं व ऊतकों में अनुवांशिक रूप में मौजूद जीवविज्ञान भी मन को प्रभावित करता है। आप किस देश के हो, किस तंत्र का आपने अनुभव किया है, राजनीति, अर्थशास्त्र यहां तक पारिस्थितिकी तंत्र के मामले ऐसे होते हैं, जो मन को गढ़ते हैं। मन प्रभावों का बंडल है। और ये प्रभाव एक दूसरे से सहमत नहीं होते हैं। इसीलिए, टकराव, व झगड़े, हमारे जीवन को युद्धभूमि बना देते हैं। जो इंसानी कष्ट है। जो एक दुख है।

योग एक सुस्थिर मन पाना है- अपनी परम शुद्धता की ओर लौटना है, जिसमें मन बिलकुल भी ढला या परेशान नहीं होता है।

योग एक तंदरुस्त काया हासिल करना नहीं है। या जागृत होने या अन्य दुनियावी या इस दुनिया से मुक्ति पाना या पारलौकिक अनुभव व, दिव्य चमक हासिल करना नहीं है। योग का अर्थ है कि मैं किस प्रकार रहता हूं? मैं अपने संबंधियों के साथ क्या करता हूं? मैं अपनी पत्नी से कैसा व्यवहार करता हूं? योग का अर्थ है, यदि मुझे किसी लड़ाई में अपना सबकुछ लगा देने की जरूरत है तो क्या मैं अपने बेटे का जीवन का जोखिम लूंगा?

यही वे प्रश्न हैं जिनका अर्जुन सामना करता है। जीवन की वास्तविक स्थितियों का व्यवहारिक, वास्तविक समाधान पाना योग है।

- लेखक अद्वैत फाऊंडेशन के संस्थापक व आध्यात्मिक गुरू हैं।

बदलाव कभी आसान नहीं होता

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि बदलाव लाने के लिए पर्याप्त प्रेरित होने व उसकी प्रक्रिया से गुजरने के लिए व्यक्ति में अपार धैर्य होना चाहिए

हमारे नए साल की प्रतिज्ञाएं क्यों विफल हो जाती हैं? क्योंकि अपने स्वभाव में बदलाव लेक आना बहुत ही कठिन है, भले ही हमें लगता हो कि वैसा करना अत्यंत लाभकारी है। नए साल की प्रतिज्ञाओं में इतना सबकुछ क्यों किया जाता है। दूसरों को हमारी खुलेआम कमजोरियों को अनिवार्यतया इंगित नहीं करना पड़ता है, हम आमतौर पर उनके बारे में जानते हैं। क्योंकि समग्र रूप में हम ऐसे बदलावों का विरोध करते हैं। अपनी आत्म पहचान के साथ शुरुआत करके, हम अपने स्वभावों के इस कदर आदी हो चुके है कि बदलाव की कोई गहन इच्छा नहीं होती है। और अपने स्वभाव में किसी प्रमुख बदलाव को लागू करने में सक्षम होने के लिए, एक प्रचंड इच्छा होनी आवश्यक है। फिर एक आवेग हो, जिसमें प्रबल प्रेरकशक्ति हो।

हमारी समस्त खूबियां, हमारे शरीर से आरंभ होने वाले ऐसे बदलाव का विरोध करती है। उदाहरण के लिए, अति सक्रिय होने समझदारी है, खासतौरपर जब यह स्वयं की देखभाल से संबंध रखती है, लेकिन हम सहायता के लिए दूसरों की ओर देखते हैं। पानी का गिलास लेने के नहीं उठना किस चीज को स्पष्ट करेगा? हमारी इन्द्रियां कम दोषी नहीं हैं। उदाहरणार्थ, हमें नियमित रूप से ऐसा भोजन करना चाहिए, जो समग्र व पौष्टिक हो। कुछ संलिप्तताएं, कभी कभी, स्वीकार्य न हों, लेकिन क्या हम इस सुनहरे नियम का पालन करते हैं? हमारा मन हमारा मित्र नहीं है, यह उन सुखों को महसूस करने वाले विचारों से भरा रहता है, जिन्हें न्यूनतम कहना हानिकारक है। अपने मन व इन्द्रियों को साधने के बावजूद हमारी बुद्धि को कुछ सनकी बहाने मिल जाते हैं। अहंकार भी एक बाधा है। व्यक्ति को लगता है कि वह संभालने में सक्षम होगा, वह विशिष्ट है। अंत में, हमारी चेतना, जो भौतिक रूप में अत्यंत प्रदूषित है और असलियत में सहायता नहीं करती, हमें उस काम को करने के लिए उच्च चेतना की आवश्यकता है। संक्षेप में, व्यक्ति आम तौर पर अपने स्वभाव से गहरे जुड़ा होता है।

चुनौती बड़ी है, बहुत बड़ी लेकिन इस पर काबू पान असंभव नहीं है। हमें अपने हृदयों की खोज करनी व एक सूची बनानी चाहिए कि अपने स्वभाव में क्या क्या बदलाव लाना आवश्यक है।

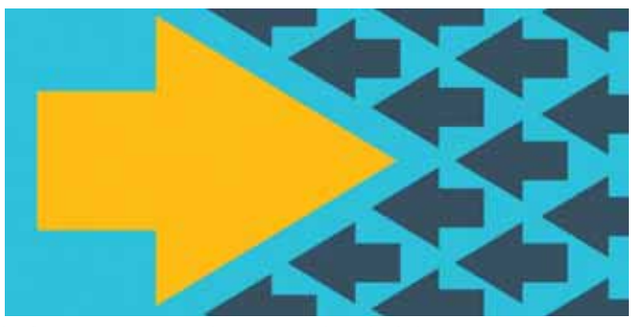

विश्वास कीजिए कि सूची लंबी होगी यदि हम स्वयं के प्रति ईमानदार हैं। फिर, ये प्राथमिकता आधारित होनी चाहिए। हमें एक बार में एक कमजोरी से निपटना चाहिए। पूर्ण बदलाव की कोशिश करना पूर्णतया अव्यवहारिक है। व्यक्तिगत स्तर पर, मैंने चिंता करने की आदत को अपनी सबसे दबावकारी आवश्यकता के रूप में लिया। फिर, हमें लिखने की जरूरत है कि यह किस प्रकार हमें कष्ट पहुंचा रही है ताकि हम खुद को पूरी तरह समझा सके कि इस पर तत्काल कार्रवाई करने से ही हमारा भला है। आवश्यक बदलाव लागू करने के लिए स्वयं को प्रेरित करने की एक गहन इच्छा होनी चाहिए। अपने मामले में मुझे ईश्वर की शरण लेनी पड़ी थी क्योंकि अपनी समस्या से निपटने का कोई दूसरा तरीका नहीं था। यह समाधान, जो ईश्वर का मार्गदर्शन व सहायता है, हर मामले में कारगर होता है, लेकिन कुछ मामलों में शायद इतना प्रत्यक्ष नहीं होता।

ईश्वर, सर्वशक्तिमान, स्वभाव में बदलाव लाने के लिए अत्यावश्यक है। हम, आत्माएं, छोटी व अत्यंत असहाय हैं। ईश्वर समाधान का अंग होना चाहिए, कम से कम दूरगामी स्तर पर। आत्मबल, जो आत्मा को केवल ईश्वर से मिलने वाली शक्ति है। यह शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक क्षमताओं से श्रेष्ठ है। फिर, आध्यात्मिक क्रियाएं करना सहायता करता है क्योंकि वे हमें ईश्वर के साथ जोड़ती हैं। वे शुद्धिकरण प्रक्रिया- वास्तविक उपचार में सहायता करती हैं। विकृत स्वभाव अशुद्ध जीवन का परिणाम है। संत पुरुष भी अपने तन, मन, बुद्धि व इन्द्रियों में आत्मशुद्धि का काम किया करते है। (गीता 5.11) उद्देश्य है अपने भीतर सनकपन व अंधकार की तुलना में अच्छाई का अनुपात बढ़ाना। हमें महसूस करना चाहिए कि कमतर योनियां हमारे कमजोर स्वभाव का कारण है। भौतिक वस्तुओं से अनासक्ति, खासतौरपर व्यक्ति की अपार सहायता करती लगती है। और हमारे पास इन प्रक्रियाओं से गुजरने का अपार धैर्य होना चाहिए। यह आसान नहीं है, यह अपने व्यक्तित्व को बदलने जैसा है।

कहा जाता है, ऐसा करने या करने में सक्षम होने के लाभ अनगिनत हैं। हम प्रभावशाली ढंग से अपना भाग्य बदलते हैं- यह वो हिस्सा है जो हमारे स्वभावों में नजर आता है। यह जीवन में एक वास्तविक उपलब्धि है। न केवल इस जीवन की गुणवत्ता अत्यंत सुधरी है लेकिन अगला जीवन भी सकारात्मक रूप से प्रभावशाली है। क्या हम अपनी आदतों, चेतना, आदि को अगले जीवन में नहीं ले जाते हैं। (गीता 15.8) स्वभाव के बदलाव को व्यक्ति के जीवन की महानतम उपलब्धियों में से एक माना जाता है, किसी भी भौतिक सफलता से बढ़कर, क्योंकि यह चिरस्थायी है। यह कठिन है, लेकिन असंभव नहीं है यदि व्यक्ति मन में ठान लेता है।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

हीनता व आत्मसंदेह आपके स्वस्थ जीवन जीने में बाधा बन सकते हैं। अपनी भावनाओं का पुनर्मूल्यांकन करें व अपनी स्वास्थ्य स्थितियां सुधारने के तरीके तलाशें। समय निकालें और बेहतर जीवनशैली, पौष्टाहार व कार्य-जीवन संतुलन के लिए कार्य करें। करियर मोर्चे पर, यात्रा, ट्रांसफर या नौकरी बदलने के संकेतक हैं। कुछ लोग अपनी नौकरी बदलने या नया काम शुरू करने की योजना बना सकते हैं।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** मंगलवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

इस सप्ताह आप जीवन से भरे मगर साथ ही साथ काम में डूबे होंगे। दूसरों को दिखाने की आपकी रणनीति, कि आप अन्य से भिन्न हैं, आपके लिए तनावकारी हो सकती है। अपने मानसिक व भावनात्मक स्थितियों का भी खयाल रखें। हमेशा की तरह, आप अपने स्वास्थ्य व क्षमता की चाभी रखते हैं। आप तन, मन व आत्मा के संतुलन का भी सुख प्राप्त करेंगे। पेशेवर तौर पर, आप दूसरों को खुश करने का प्रयास करेंगे।

शुभ अंक: 14 **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ दिन:** गुरुवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

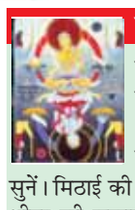

स्वास्थ्य के मामले में आपको व्यवहारिक होने की जरूरत है। भावनाएं उछाल मारती हैं। दिल की नहीं अपने स्वास्थ्य की सुनें। मिठाई की लालसा पर रोक लगाएं। आपके भीतर की सकारात्मक ऊर्जा उचित चयन करने में आपकी सहायता करेगी। पेशेवर रूप में आप नए पद पर जा सकते हैं या नयी जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं। पदोन्नति, वेतन-वृद्धि या बिजनेस लाभ की संभावनाएं हैं। व्यापारियों को धन का लाभ होगा।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

स्वास्थ्य को अपनी पहली प्राथमिकता बनाएं। फिलहाल, आपका स्वास्थ्य उतना अच्छा नहीं है जितना कि इसे होना चाहिए। साथ ही साथ , आप कुछ गलत भी नहीं कर रहे हैं। करियर मोर्चे पर, आप नयी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। आप रचनात्मक एवं उद्यमी हैं। जिन्होंने नौकरी के लिए आवेदन किया है, उन्हें इस सप्ताह इंटरव्यू के लिए बुलावा आ सकता है। आपको विदेश भेजा जा सकता है।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** कोरल **शुभ दिन:** रविवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

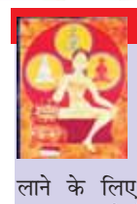

सख्त हों और विशेष स्वास्थ्य मामलों में दृढ़ बनें। स्वास्थ्य मोर्चे पर कोई भी समझौता नहीं होना चाहिए। जीवन में संतुलन लाने के लिए प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष आध्यात्मिक प्रभाव जरूरी है। आपके लापरवाह रवैय्ये से मौसमी रोग लग सकते हैं। सर्दी, खांसी, कब्ज, मोटापा या पेट की समस्याओं के प्रति सजग रहें। कार्यस्थल पर, आपको खुद पर पाबंदियां नहीं थोपनी चाहिए। अपने सहकर्मियों के साथ संवाद में सावधान रहें।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** शुक्रवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

एकरसता को तोड़ें। खुद के लिए समय निकालें। स्वास्थ्य स्तर पर, योग, प्राणायाम व ध्यान करने का यह सही समय है। जैसे ही आप यह करेंगे निराशा को आशा में बदलता हुआ पाएंगे और खुद को एक बेहतर इंसान बनाएंगे। करियर मोर्चे पर, अच्छी खबरें मिलने के संकेत हैं। जटिल मसलों को सुलझाने में किसी की सलाह आपके बहुत काम आएगी। आयात-निर्यात बिजनेस करने वालों को बड़े सौदे प्राप्त होंगे।

शुभ अंक: 23 **शुभ रंग :** हल्के रंग **शुभ दिन:** बुधवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

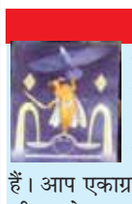

इस सप्ताह आप सकारात्मकता व रचनात्मक ऊर्जा व क्षमता से भरा अनुभव करेंगे। आपके तन, मन व आत्मा परम संतुलन में हैं। आप एकाग्रचित्त हैं व जानते हैं कि आपको जीवन से क्या चाहिए। तनाव से मुक्त होने के लिए, आपको पेशेवर व निजी दायित्वों के संतुलन की आवश्यकता है। करियर मोर्चे पर, आप कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ रहे हैं। आप व आपके सहकर्मी एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग :** सफेद **शुभ दिन:** शनिवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

इस समय अपने स्वास्थ्य की लापरवाही न करने की सलाह है। आपको शारीरिक व मानसिक रूप से सजग होना चाहिए। अपने तन का खयाल रखें, व प्राकृतिक खुराक से इसका खयाल रखें। मांसाहारी, जंकफूड जैसी खुराक से बचने की सलाह है। अपने कार्य एजेंडे को पुन: निर्धारित करने और स्वयं के लिए समय निकालने की संभावना है। करियर मोर्चे पर, पहले से वेतनशुदा लोगों के लिए वेतन वृद्धि या पदोन्नति के संकेत हैं।

शुभ अंक: 30 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** सोमवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

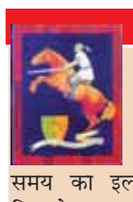

इस सप्ताह स्वास्थ्य अच्छा है। जो लोग जांच नतीजों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, उनके लिए उत्सव मनाने का समय है। कुछ समय का इलाज स्वास्थ्य चिंता से बाहर निकालेगा। खुराक में तरल, जूस या फाइबर भोजन की मात्रा बढ़ाएं। आपकी पत्नी या शुभचिंतक आपके गहरे सहयोगी रहेंगे। आप उनके साथ हेल्थ क्लब, या योग या ध्यान केन्द्र का हिस्सा बन सकते हैं। करियर स्तर पर यह सप्ताह बहुत शुभ है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** गुरुवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह किसी बड़े काम के लिए तैयारी करने की भारी संभावनाएं हैं। आप पूरे मन जीवन की चुनौतियों को सामना करने के लिए उत्साहित व रोमांचित महसूस करते हैं। स्वास्थ्य की आपकी चिंता आपको भारी लाभ प्रदान कर रही है। आपकी सकारात्मक सोच व मस्ती आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे। पेशेवर मोर्चे पर, आपको सही मार्ग पर बने रहने के लिए अंधानुकरण के बजाय अपने फैसलों का उपयोग करना होगा।

शुभ अंक : 24 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शनिवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

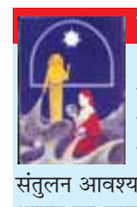

अपने सुरक्षा की समक्ष व सभी संदेहों- आशंकाओं को सुलझाने का आत्मविश्वास जगाएं। जीवन के हर पहलू में संतुलन आवश्यक है। अपनी खुराक,व्यायाम व आराम का खयाल रखें। अपने पेशेवर जीवन में कुछ बेहतरी के लिए गुंजाइश बनाने का यह अच्छा सप्ताह है। प्रतिबद्धता व कार्य के प्रति समर्पण आपके लिए अत्यंत लाभकारी होंगे। यात्रा का लाभ मिलेगा। गलतफहमी के कारण संबंध बिगड़ सकते हैं।

शुभ अंक: 15 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

आंतरिक नकारात्मकता आपको निराशावादी बना सकती है। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पढ़ने, उबरने या आध्यात्मिक किस्म की जानकारियां पाने का यह अच्छा समय है। कार्यस्थल पर, मूल्यवान परियोजना या सौदे सुखद समापन हो सकता है। आपके व आपके साझीदारों के प्रयासों के सकारात्मक नतीजे होंगे। वित्तीय मोर्चे पर सावधान रहें। निवेश को टालें, अपने खर्च में कटौती करें इससे संतुलन बनाने में सहायता मिलेगी।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** कॉपर **शुभ दिन:** मंगलवार

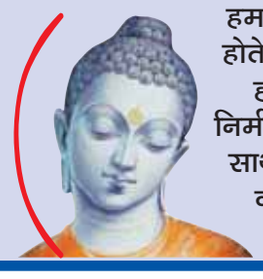

हम अपने विचारों से निर्मित होते हैं, हम वो बनते हैं जैसा हम सोचते हैं। जब मन निर्मल होता है तो आनंद कभी साथ न छोड़ने वाली परछाई की तरह साथ चलता है
- बुद्ध

अंतर्ज्योति का अहसास

संत राजिंदर सिंह कहते हैं कि यदि दीवाली को हम सिर्फ बाहरी प्रकाश के सुख तक सीमित न करके ध्यान में समय बिताएं तो हम असीम प्रकाश व प्रेम अनुभव कर सकते हैं

दीवाली, या प्रकाश व ध्वनि का त्योहार, एक ऐसा अवसर है जब परिजन दीए जलाते हैं, रात को प्रकाशमान करते हैं। यह भगवान राम व उनकी रानी, सीता के, अपनी प्राचीन राज्य की राजधानी, अयोध्या लौटने का उत्सव है। उन्हें 14 वर्षों का वनवास दिया गया था। लोगों अपने घरों को सजा कर तथा साफ करके इसका उत्सव मनाते हैं, और दुकानदार इसे अपने वित्तीय वर्ष की शुरुआत के रूप में लेते हैं। यह भारत के शीत ऋतु की शुरुआत भी है।

दिवाली व विभिन्न परंपराओं में अन्य त्योहार अक्सर मोमबत्तियां व दीए जलाने का उपयोग करते हैं। इन्हें जलाने का एक आध्यात्मिक अर्थ भी है। यह अपने भीतर दीए जलाने तथा आत्मा के प्रकाश का त्योहार मनाने की महत्ता की व्याख्या करता है। दिवाली पर दीए जलाने का संदर्भ देता है कबीर साहिब का एक सुंदर दोहा है, जो कहता है:

अंधे की तरह अनावश्यक दिया जलाना जबकि वे देख तक नहीं सकते, हमारे सच्चे आत्म का राज हमारे घर में मौजूद है, फिर भी हम उसे बाहर ढूंढ़ रहे हैं। कबीर साहब का श्लोक स्पष्ट करता है कि हमारे पास हमारे भीतर रोशनी या दीया है लेकिन हम उसे बाहर तलाशते हैं। आत्मा के भीतर ईश्वर की लौ होती है लेकिन वह बाह्य दायरे में संतुष्टि तलाशती है। यह एक अंधे व्यक्ति की तरह है जो दीया या लैम्प जलाता है जबकि वह देख तक नहीं सकता। ईश्वर की यह विस्मरणीयता आत्मा के उस खुशी केलिए बाह्य जगत में भटकने का कारण बनती है जो कि उसके भीतर पहले से मौजूद है। हममें से प्रत्येक के भीतर छुपी, ईश्वर की यह एक लौ है।

प्रकाश और ध्वनि ईश्वर की दो प्रमुख अभिव्यक्तियां हैं। कहा जाता है कि जब ईश्वर सृष्टि की रचना करनी चाही, तो ईश्वर से एक तरंग जागृत हुई थी। वो तरंग प्रकाश व ध्वनि के रूप में प्रकट हुई थी। यह एक दिव्य प्रवाह था जिसने सारी कायनात को अस्तित्व में लाया। जैसे ही यह मूल से आगे बढ़ी, आवृत्ति दर बदल गयी। इस प्रकार, विभिन्न आवृत्तियों के विभिन्न क्षेत्र अस्तित्व में आए। प्रकाश व ध्वनि सिद्धांत ने निर्णायक ढंग से प्रत्यक्ष ब्रहमांड की उत्पत्ति की। हमारा मौजूदा ब्रहमांड सबसे सघन आवृत्ति दर में कार्यरत है। यह इतना सघन है कि यह पदार्थ के रूप में नजर आता है। यह केवल बीते कुछ दशकों की बात है कि वैज्ञानिक समझने लगे हैं कि जो हमने सोचा था कि ठोस पदार्थ था, वो असलियत में ऊर्जा का नृत्यरत पुंज है। पदार्थ के मूल में ऊर्जा है जो प्रकाश व ध्वनि है। जब हम अणु को विभाजित करते हैं, तो प्रकाश व ध्वनि का एक जबरदस्त विस्फोट होता है। हमारे प्रत्यक्ष ब्रहमांड में मौजूद यह प्रकाश व ध्वनि ऊर्जा ईश्वर से उत्पन्न हुई प्रकाश व ध्वनि की सबसे सघन आवृत्ति है। इसने समूची सृष्टि को अस्तित्व में लाया और यह समूची सृष्टि को कायम रखती है।

प्रकाश व ध्वनि करंट ईश्वर से प्रवाहित होती है, लेकिन यह ईश्वर की ओर लौटती भी है। हम तीसरे या एकल नेत्र के बिन्दु पर इस करंट को पकड़ सकते हैं। जो शरीर में हमारी आत्मा तथा ईश्वर से उत्पन्न प्रकाश व ध्वनि करंट के बीच का एक संपर्क बिन्दू है। यदि हम उस बिन्दू पर अपना ध्यान लगाते हैं तो हम प्रकाश व ध्वनि करंट से संपर्क कर सकते हैं और जीवन के उच्च दायरों के जरिए इन्हें साध सकते हैं। करंट हमें अंततः अपने प्रमुख स्रोत- ईश्वर की ओर ले जाएगी।

जो व्यक्ति प्रकाश व ध्वनि के संपर्क में आ गया है, वो धर्मग्रंथों में मौजूद इसके संदर्भों के सच्चे अर्थ को पहचान सकता है। अक्सर, धर्मग्रंथों को लाक्षणिक एवं अलंकारिक भाषा में पढ़ाया जाता है ताकि जनता को पूर्ण रहस्य बताने से बचा जाए। केवल वही लोग, जिनकी गुरू से शिष्य तक प्रसारित होने वाली मौखिक परंपरा या शिक्षण तक पहुंच होती थी, धार्मिक संदर्भों में निहित अर्थ के बारे में जानते थे। जैसे ही हम भाषा को समझते हैं, अर्थ स्पष्ट हो जाता है और हम प्रत्येक धर्मग्रंथ में उल्लिखित रचनात्मक शक्ति के योगदानों के विवरण को पहचानने में सक्षम होते हैं।

प्रकाश व ध्वनि पर साधना में दो प्रकार के अभ्यास शामिल होते हैं: अंतर्ज्योति पर ध्यान तथा अंतर्ध्वनि पर ध्यान। दोनों अभ्यासों ने आत्मा को प्रत्यक्ष काया चेतना से ऊपर उठाया है तथा आंतरिक दायरों की यात्रा की है क्योकि उनका अंतिम लक्ष्य प्रकाश व ध्वनि के साथ सजग संपर्क बनाना होता है।

ध्यान के इन दोनों प्रारूपों का विभिन्न धर्मों के संतों व सूफियों द्वारा अभ्यास किया गया है। क्योंकि विभिन्न भाषाओं व संस्कृतियों में प्रकाश व ध्वनि के लिए उपयुक्त शब्दावली अलग अलग है, इसलिए हम सोच सकते हैं कि उनकी भिन्न क्रियाएं हैं। लेकिन दुनिया भर में मौजूद अंतर्निहित क्रियाएं मूलतः एक जैसी हैं। प्रकाश और ध्वनि तरंग सूक्ष्म है। इसे अपनी प्रत्यक्ष आंखों व कानो से सुना नहीं जा सकता। यह कुछ ऐसा है जिसे हम अपनी आत्मा की आंख से देखते व सुनते हैं। इसलिए जब बाइबिल हमें बताती है कि ''सुनने से, हम सुनेंगे।'' यह कहावत है कि शब्द हमारे प्रत्यक्ष श्रवण तंत्र से नहीं सुने जाते हैं, बल्कि हमारी आत्मा की एकाग्रता से सुने जाते हैं। जब हम आंतरिक प्रकाश को देखते हैं, तो यह न तो हमारे रेटिना में दर्ज होता है न ही मस्तिष्क से जुड़ी नस के जरिए संप्रेषित होता है, बल्कि इसे आत्मा के स्तर पर देखा जाता है।

मन एक निरंतर गति है। हम जितना ज्यादा मन को स्थिर करने का प्रयास करते हैं, यह उतना ही अधिक हमें विचार भेजता है। मन पारा जैसा है, यह हमेशा बेचैन व हमेशा गतिमान है। यह छवियों व विचारों से लेकर न्यूयार्क, पेरिस, दिल्ली तक की छलांग लगा सकता है और वापस आ सकता है। संतों व सूफियों ने सदियों से इस समस्या का सामना किया है। अनेक धर्मग्रंथ निरंतर भगवान के नाम के जाप के लिए मन को निरंतर व्यस्त रखने के उद्देश्य से इसे रमाए रखने की बात करते हैं। दोहराव मन को व्यस्त रखता है ताकि हमारा ध्यान हमारे सामने मौजूद दृष्टिक्षेत्र पर अपनी नजर बनाए रख सके।

ध्यान के जरिए, एक समूची नयी दुनिया हमारे समक्ष खुलती है। ध्यान सीखकर, हम उस प्रवेशद्वार में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं जो हमें परमानंद, प्रकाश व आंतरिक प्रेम की दुनिया में ले जा सकता है। यदि हम आंतरिक प्रकाश व ध्वनि पर ध्यान लगाएंगे तो हम पाएंगे कि हम अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं।

हम त्रिनेत्र पर अपनी एकाग्रता से शुरुआत कर सकते हैं क्योंकि यही से आत्मा काया का त्याग करती है। चूंकि प्रकाश व ध्वनि की तरंग ईश्वर से प्रवाहित होती है, हम इसके पारलौकिक संगीत को सुन सकते हैं और प्रवाह की तरह इसका अनुकरण कर इसके स्रोत तक पहुंच सकते हैं। हमें दीपोत्सव पर बाह्य प्रकाश का ही आनंद नहीं लेना चाहिए बल्कि ध्यान में समय बिताना चाहिए ताकि हम आंतरिक प्रकाश को अनुभव कर सकें। जो दिवाली का सच्चा उत्सव है, ताकि हम परम ज्योति व प्रेम को अनुभव कर सकें।

- लेखक आध्यात्मिक गुरू हैं।

ध्यान के जरिए, एक समूची नयी दुनिया हमारे समक्ष खुलती है। ध्यान सीखकर, हम उस प्रवेशद्वार में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं जो हमें परमानंद, प्रकाश व आंतरिक प्रेम की दुनिया में ले जा सकता है। यदि हम आंतरिक प्रकाश व ध्वनि पर ध्यान लगाएंगे तो हम पाएंगे कि हम अपने लक्ष्य पर पहुंच सकते हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

एक खुशहाल दिपावली के लिए

एक बार फिर हमने दिपावली का उत्सव मनाया, बधाइयों, शुभकामनाओं की वर्षा हुई तथा लोगों ने सामाजिक सुखों का आदान प्रदान किया। हालांकि, इसे मनाने के तरीके में एक सूक्ष्म मगर गौरतलब बदलाव हुआ है। परंपरागत तरीका था एक सुखद व समृद्धशाली दिवाली की शुभकामना देना। धीरे धीरे, एक बदलाव आया है। आज एक नयी प्रकार की अभिव्यक्ति प्रचलन में है। ज्यादा लोग एक दूसरे को सुरक्षित व शांतिपूर्ण दिवाली की शुभकामना दे रहे हैं। क्या यह महज शैलीगत बदलाव है? या क्या हम उस गहन चिंता को पढ़ते हैं जो उस अवचेतन को परेशान कर रही है जो अभी प्रकट हो रहा है? आज की स्थिति में आंकलन करना कठिन है मगर एक बात निश्चित है, दिवाली की मौजमस्ती व उत्साह अब वैसा नहीं रह गया, जो कभी होता था। त्योहार की सहजता पर एक प्रकार की मायूसी हावी हो रही है जैसे जैसे चिंताएं मौजूदा व भावी समस्याओं का साकार रूप लेती जाती हैं, बल्कि एक विरोधाभासी स्थिति में बदल रही हैं। इंसानी उत्पादकता, क्षमता व योग्यता बढ़ रही है। करोड़पतियों का अरबपतियों के क्लब में शामिल होना बढ़ रहा है। जीडीपी, विकास दर, प्रति व्यक्ति आय व अन्य ऐसे संकेतक, जो आर्थिक समृद्धि व विकास का चित्रण करते हैं, भी निरंतर उभर रहे हैं। लेकिन इन सब आंकड़ागत जानकारी के बीच, आम तौर पर मानवता के असंतोषजनक स्तर में भी वृद्धि हुई है। और यह सिर्फ पूर्वानुमान नहीं है। समाज में, स्थानीय एवं वैश्विक स्तर पर, वैमनस्य की कहानियां, बढ़ती हिंसा, आक्रामक व्यवहार में वृद्धि, आत्महंता करते युवाओं की बढ़ती संख्या, बढ़ती आत्महत्या दरें एक भिन्न चित्र प्रस्तुत करते हैं। सोचने की आवश्यकता है कि इन दिनों घृणा अपराध क्यों सामाजिक रुझान बन रहे हैं। अर्थशास्त्रियों की बढ़ती आबादी के बावजूद, दुख एवं चाहत निरंतर मानवता को परेशान करते हैं। गरीबी राहत पर वैज्ञानिक शोध एवं प्रयोग कार्य के लिए भारतीय मूल के अर्थशास्त्री को नोबल पुरस्कार मिला। दो से थोड़ा अधिक दशक पहले, एक और मिला था। और शुरुआती सत्तर दशक पहले, एक और था। हालांकि, दुख एवं गरीबी से निपटने के प्रयास अभी भी बहुत ज्यादा कारगर होते नजर नहीं आते हैं। एक ऐसे देश के लिए जो सदियों से धन की देवी, लक्ष्मी की धार्मिक भाव से पूजा करता आया है, यह एक चिंता का विषय होना चाहिए और इसका उत्तर अवश्य तलाशा जाना चाहिए। शायद, उस मॉडल के साथ कोई गड़बड़ी है जिस पर गरीबी राहत को लेकर हम भरोसा करते आए है और इसे फिर से डिजाइन करने की जरूरत है। शायद, इसलिए कि वे समाधान जो आज काम नहीं कर रहे हैं, कल भी काम नहीं करेंगे। आर्थिक मॉडल ज्यादातर गणित पर भरोसा करते हैं लेकिन गरीबी सामाजिक समस्या से कहीं बढ़कर है। सामाजिक- मनोवैज्ञानिक समस्याओं पर हमारे अति गणितीय समाधानों में एक कमजोरी है, इकाईगत तरीके पर आधरित मॉडल पर अत्यधिक भरोसा करना। हमारे स्कूली दिनों में, हमें पढ़ाया जाता था कि यदि दस लोग एक काम को बीस दिन में कर सकते हैं तो बीस लोग उसे दस दिन में कर सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह ऐसा करेंगे? कर सकने व करेंगे के बीच की खाई को भरना पड़ेगा। और यह नजरिए में बदलाव की मांग करता है। जैसे जैसे हम अधिक से अधिक मैं केन्द्रित होते जाते हैं, वैसे वैसे समाज की समस्याएं बढ़ती जाती हैं। मैं केन्द्रित नजरिए को हम केन्द्रित नजरिए से बदलने का समय है। विकास के समूचे माडलों में रिसाव प्रणाली की जगह साझा प्रणाली लाने की जरूरत है। निश्चित रूप से, इन प्रारूपों में अर्थशास्त्र की तुलना में मनोविज्ञान अधिक शामिल होगा। और हां, लक्ष्मी के साथ सरस्वती की पूजा करना अधिक समझदारी होगा। लेकिन वह सुखद दिवाली का नुस्खा हो सकता है।

पेज एक का शेष

खनन उद्योग का बदलता चेहरा

मैं फिल्म देखने या तैराकी करने जा सकती हूं । हमें जो कुछ भी चाहिए, वो हमारी पहुंच में होता है।''

यही कारण है कि उनके लिए सुरक्षा क्यों इतनी बड़ी समस्या नहीं है।

कंडोई,जो शिफ्ट इंचार्ज के रूप में काम करती हैं, कहती हैं, ''सुरक्षा उसी क्षण एक मुद्दा है जब हम घर से बाहर कदम रखती हैं। यह अव्यवहारिक है यदि कोई काम करना चाहता है। अगर मैं मेट्रो में भी रह रही होती तो मुझे अपने लिए सहारा ढूंढ़ना पड़ता। मुझे अपनी सुरक्षा की चिंता करनी पड़ेगी। मैं हमेशा दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकती।''

उनके काम में अयस्क की धुलाई करना आता है जो तब आता है जब उसे प्रोडक्‍शन लाइन में नीचे भेजा जाता है। कंडोई बताती हैं, ''अयस्क के खनन के बाद उसे हमारे पास भेजा जाता है। इसमें एक प्रक्रिया निहित होती है। प्राइमरी व सेकेंडरी वाश प्लांट। इसमें प्रत्यक्ष श्रमशक्ति प्रबंधन शामिल होता है। हमें देखना पड़ता है कि किस विभाग कितनी श्रमशक्ति की आवश्यकता है और उन्हें किस प्रकार का काम करने की जरूरत है। हमें सुधारात्मक कार्य भी करना पड़ता है अगर मशीन काम करना बंद कर देती है। समस्या उत्पन्न होने की स्थिति में त्वरित फैसलों की आवश्यकता होती है चूंकि अंतिम लक्ष्य यही है कि उत्पादन कार्य में कोई बाधा न आए।''

वह बताती हैं कि हालांकि वह अभी शादीशुदा नहीं है लेकिन अगर यह मसला सामने आया तो वह उस व्यक्ति को बता देगी कि उसे उसकी नौकरी समेत स्वीकार करना होगा। बकौल कंडोई, ''मैं उसे बता दूंगी कि मैं किसी भी स्थिति में अपनी नौकरी नहीं छोड़ने वाली हूं। उसे समझना पड़ेगा कि मैं वहां नहीं जाऊंगी जहां उसे उसकी नौकरी लेकर जाती है चूंकि मैं यहां काम करती हूं।''

सीनियर मैनेजर माइनिंग के रूप में कार्यरत, प्रतीक्षा खेर ने 2012 में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कालेज, भुज से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक किया था और वह गुजरात में मंगरोल में डायरेक्टोरेट जनरल आफ माइंस सेफ्टी द्व प्रथम श्रेणी माईन मैनेजर दक्षता प्रमाणपत्र धारक हैं।

कंडोई की तरह, उनके पिता भी एक व्यापारी हैं और मां गृहिणी हैं। वह अपने घर से लंबा सफर तय करके यहां आई हैं- पश्चिम से पूर्व का।

''हाल तक लड़कियों को माइनिंग में काम करने की अनुमति प्राप्त नहीं थी। लेकिन सरकार की मेहरबानी है कि अब यह संभव है। मैं अपने बैचे से माइनिंग इंजीनियरिंग में स्नातक करने वाली पहली लड़की थी। यह आसान नहीं था। मेरे माता पिता नहीं जानते थे कि यह कार्यक्षेत्र कैसा था। मुझे बताया गया कि यह कार्यक्षेत्र महिलाओं के लिए नहीं था। यह काम करने के लिए कठिन कार्यक्षेत्र था। यहां तक कि वेदांता हिन्दुस्तान कोल में अपना कैम्पस प्लेसमेंट मिलने के बावजूद, मैं नहीं समझती थी कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। मुझे तब पता चल कि जब मैंने अपनी एक नौकरी में कदम रखा और महसूस किया इस काम से क्या क्या जुड़ता है। वह बहुत बुरा दिन था। लेकिन उसके बाद सात साल बीत गए हैं। मैंने माइनिंग से जुड़े सभी विभागों में काम किया है। व्यक्ति को हर स्थिति में काम करने के लिए तैयार रहना पड़ता है। अब मैं यहां पर हूं। मैं इस साल अगस्त में इस ईकाई का हिस्सा बनी थी।''

उन्होंने अपनी नौकरी क्यों बदली, इसका कारण यह था कि वह शिफ्ट में काम करना चाहती थी। खेर जिन्होंने 2016 में विवाह किया था, कहती हैं, ''मेरी पिछली नौकरी में, कानूनी पाबंदियों के कारण मैं शिफ्ट में काम नहीं कर सकती थी। लेकिन यहां, मैं शिफ्ट इंचार्ज हूं।'' वह बताती हैं कि नोआमुंडी जाने का फैसला करने से पहले, वह और उनके पति, दोनों एक ही विभाग में काम करते थे। आज उनके पति अभी भी हिन्दुस्तान कोल के साथ काम करते हैं।

मजेदार बात यह कि उन्होंने कभी भी घर वापस लौटने और वहां नौकरी तलाशने के बारे में या फिर अपने पिता की उनके कृषि व्यापार में सहायता के बारे में नहीं सोचा। खेर बताती हैं, ''मेरे पिता ने मुझ पर कभी अपनी इच्छा लाने का प्रयास नहीं किया। लेकिन वह चाहते थे कि मैं इंजीनियर बनूं। इसीलिए मैंने स्नातक में इस विषय का चुनाव किया।'' खेर उन महिलाओं से कहती हैं जो इस सेक्टर में अपना करियर बनाना चाहती हैं, ''उन्हें पेशे के रूप में माइनिंग को लेने से इस कारण इंकार नहीं करना चाहिए कि यहां की कार्यात्मक स्थितियां कठिन हैं। यहां धूल होगी, व्यक्ति को ऐसी जगह काम करना पड़ेगा जहां कोई एसी नही है। यह कोई ग्लेमरस कार्य परिवेश नहीं है। व्यक्ति को हमेशा तैयार रहना चाहिए। महिलाओं को किसी विशेष विभाग में काम करने से डरना नहीं चाहिए। एक तरफ, हम इक्कीसवीं सदी और समान वेतन की बात करते हैं। हमें अपने समक्ष उपस्थित हर स्थिति को स्वीकार करने के लिए रहना पड़ेगा।''

पुष्पा राय उत्तर प्रदेश टेक्नीकल युनिवर्सिटी से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री तथा इंडस्ट्रियल एंड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग में मास्टर करने के बाद असिस्टेंट मैनेजर मेकेनिकल के रूप में काम कर रही हैं।

सुश्री राय लखनऊ की रहने वाली हैं। उनके पिता रिटायर्ड एडिशनल एसपी और मां गृहिणी हैं। वह छह भाई-बहन हैं- दो भाई और चार बहनें, सभी नौकरीशुदा है। वह बताती हैं कि वह घर पर रहकर आराम की इच्छा रखने वाले अधिकांश परिवारों व लड़कियों के विपरीत हैं।

राय कहती हैं, ''जब मैंने इंजीनियरिंग को लिया, मुझे कभी भी नहीं लगा कि मुझे घर के करीब काम तलाशना था। मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे माता पिता ने मुझे कभी भी अपना मनचाहा करने से नहीं रोका। यह मेरा फैसला था कि मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई करूं, टाटा स्टील के साथ काम करने का फैसला मेरा था।''

वह बताती हैं कि उनके लिए खास दिन इस बात पर निर्भर करता है कि उनका शिफ्ट किस समय शुरू होता है। ''मैं रात के शिफ्ट में काम करने को लेकर अत्यंत रोमांचित हूं और मैं शिफ्ट इंचार्ज हूं। हमारे लिए यह इतना गौरवपूर्ण क्षण है कि हम समूचे आपरेशन की कमान संभाल सकते हैं।''

वह खेर से सहमत हैं और मानती हैं कि व्यक्ति मौसमी हालात से परेशान नहीं हो सकता। बकौल राय, ''घर पर भी कोई सर्दी महसूस कर सकता है या गर्मी महसूस कर सकता है और बारिश में भी काम कर सकता है। यह एक मानसिकता है। हमें मौसमी हालातों के बीच काम करना पड़ता है।''

हालांकि वह शादीशुदा नहीं हैं, मगर वह बताती हैं कि हर व्यक्ति योजनाएं बनाता है भले ही वो साकार होती हों या नहीं, यह अलग मसला है। जैसे ही उनका शिफ्ट समाप्त होता है, कई ऐसी चीजें होती हैं कि राय को अपना खयाल रखना पड़ता है।

राय कहती हैं, ''बहुत सारी ऐसी चीजें हैं जो व्यक्ति यहां कर सकता है। यहां बहुत सारी सुविधाएं हैं। लोगों को किस प्रकार का मनोरंजन प्रस्तावित है उसे समझने के लिए व्यक्ति को इस जगह आना पड़ना है। अधिकांश शनिवार फिल्म देखते हुए बीतते हैं।''

हालांकि उनके माता पिता अभी तक यहां नहीं आए हैं, क्योंकि उन्होंने हाल में अपनी नौकरी पाई है, दीवाली में परिवार से मिलने की योजना बनी है। राय के मुताबिक, ''सबसे छोटा होने का अर्थ है कि मैं सबसे जिद्दी बच्ची हूं। मुझे परिवार से मिलने जाना है।'' महिलाओं के नाम उनका एक संदेश है। ''बहुत सारी महिलाएं हैं जो मेकेनिकल इंजीनियरिंग पढ़ती हैं लेकिन किसी अन्य सेक्टर में नौकरी तलाशती हैं। जो मैं काटूंगी वही भावी पीढ़ी सीखेगी मसलन मैंने सीखा है कि मैं कुछ भी कर सकती हूं जो मैं अपने मन में करने का तय करती हूं।''

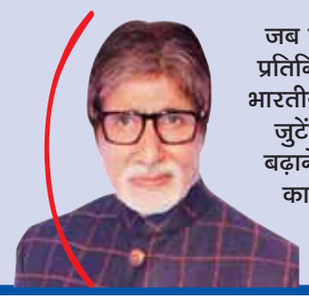

जब हमारे एथलीट विदेश में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे तो ज्यादा से ज्यादा भारतीय उनकी हौसलाअफजाई के लिए जुटेंगे। यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें प्रेरित करने के लिए काफी है। हमें उनका तहे दिल से स्वागत करना चाहिए।
- अमिताभ बच्चन

'संपूर्णता की चाह रखने वालों को अपूर्णता को स्वीकार करना ही होगा'

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने पायनियर संवाददाता आयुषी शर्मा को एक विशेष बातचीत में बताया कि जिस भी बात से आपको प्रसन्नता और संतुष्टि मिलती है वो वस्तु या विचार आपको सुंदर बनाने में सहायक होता है। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट-

यद्यपि हमें बताया जाता है कि बाहरी हाव-भाव कई बार भ्रामक भी हो सकते हैं लेकिन हम अक्सर लोगों की बाहरी लुक के आधार पर ही उनके बारे में राय बना लेते हैं। अन्यथा उन मैगज़ीनों में लिखी बातों का क्या अर्थ होता है जिनमें अधिक आकर्षक, सुंदर तथा स्मार्ट बनाने के ढंगों के बारे में लिखा जाता है? अब सोशल मीडिया के आने के बाद तो आपकी शारीरिक बनावट का महत्व और भी अधिक हो गया है।

अभिनेत्री यामी गौतम का मानना है कि समाज में दो प्रकार के लोग होते हैं। पहले वे जो असहज रहते हैं क्योंकि उनके लिए सुंदरता केवल मोटे और चमकीले बालों या फिर लंबे काले और सुंदर बालों के लिए सदैव व्यथित रहते हैं। लेकिन दूसरे प्रकार के लोगों के लिए इन सब बातों की कोई प्रासंगिकता नहीं होती। वे लुक या एपीयरेंस की परवाह किये बिना ही आत्मविश्वास से भरे रहते हैं। अपनी हाल ही में रिलीज़ होने वाली फिल्म बाला के माध्यम से वो इस गैप को पूरा करना चाहती हैं। उनके लिए लोगों की अवधारणा ही सुंदरता का परिचायक होती है, 'आपको जो वस्तु या भाव प्रसन्नता देता है वो आपको सुंदरता प्रदान करता है। किसी को आपको ये बताने की आवश्यकता नहीं है कि एक विशिष्ट तरह की लुक ही तुम्हारे लिए उपयुक्त होगी फिर चाहे आपकी त्वचा के रंग, बाल या फिर कुछ और ही क्यों न हो। किसी को आपको निर्देश देने की जरूरत नहीं है ये तो केवल और केवल आपका ही अधिकार होता है कि आप क्या और कैसे करते हैं। यदि आप संपूर्णता चाहते हैं तो आपको अपनी अपूर्णता को स्वीकार करना ही होगा।'

फिल्म की कहानी बाला बने आयुष्मान के आस-पास ही घूमती है वो कानपुर के रहने वाले हैं और एलोपेशिया नामक रोग से ग्रस्त हैं। कहानी उनके आत्मविश्वास में आई कमी तथा गंजेपन को लेकर दबाव में जीने पर आधारित है।

यामी इसमें परी का चरित्र कर रही हैं। चरित्र नाम के ही अनुरूप है और वो कल्पना की दुनिया में रहती है और स्वयं को एक राजकुमारी मानती है। उसके लिए सबकुछ कल्पना पर आधारित है। यामी ने बताया कि उनका चरित्र ऐसी मानसिकता पर आधारित है जो सुंदरता को एक विशेष मानदंडों वाली चीज मानती है। वो ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर प्रसन्न हैं जिसमें किसी धारणा में बदलाव हेतु काम किया गया हो जो वास्तविकता में है ही नहीं। ये जीवन की कटु सच्चाई है और इसमें बदलाव का समय आ चुका है। ये बदलाव आपमें और हममें ही नहीं बल्कि छोटे नगरों में रहने वाले लोगों के लिए ये और भी प्रासंगिक है।

मेट्रो नगरों में तो लोग समझदार हैं और उदार मानसिकता वाले होते हैं। जबकि छोटे नगरों में स्थिति इसके ठीक विपरीत है, 'आप और हम तो बात कर सकते हैं मेरे पास एक माइक है और आपके पास आवाज। हमारे पास सोशल मीडिया है हम किसी भी समय अपनी राय और विकल्पों के बारे में बता सकते हैं। मुझे प्रसन्नता इस बात की है कि अब अंततः एक संवाद तो प्रारंभ किया गया है अब कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया जा रहा है। लेकिन यक्ष प्रश्न आज भी वही है? क्या ये उस स्थान तक पहुंच रहा है जिसके लिए ये लक्षित है? ऐसे लाखों लोग है जिन्हें कई बातों की जानकारी होनी चाहिये लेकिन होती नहीं है। कई लोगों को पता भी नहीं होता कि एलोपेसिया एक वास्तविक समस्या होती है जबकि उनके लिए ये एक जीवनपद्धति बन जाती है। हमें ऐसे विमर्श प्रारंभ करने होंगे।'

हम फिल्मों के माध्यम से किसी महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश को लक्षित वर्ग तक पहुंचा सकते हैं क्योंकि हम मनोरंजक ढंग से बात को कहते हैं। कहानी में बात को ऐसे ढंग से रखा गया है कि उसे समझना आसान हो जाता है। हम कह सकते हैं कि फिल्म में सशक्त संदेश पिरोया गया है।

आजकल बॉलिवुड में भी हीरो की छवि में व्यापक बदलाव आया है। पहले कलात्मक ढंग से कही गई ऐसी फिल्मों को अधिक महत्व नहीं दिया जाता था। लेकिन अब ये फिल्में मुख्यधारा का हिस्सा बन चुकी हैं। यामी उड़ी द सर्जिकल स्ट्राइक में काम कर चुकी हैं उन्होंने कहा कि बॉलिवुड फिल्मों से हम सदैव ही कुछ अधिक उम्मींद रखते आए हैं, 'यदि आप अतीत में जाएं तो जब हम बड़े हो रहे थे हम परदे को देखते ही कहते थे कि हम उस अभिनेता या अभिनेत्री जैसा दिखना चाहते हैं।' ये हर व्यक्ति के जीवन में होता आया है, फिर चाहे हम लड़के की बात करें या लड़की की। फिल्म विकी डोनर में भी असामान्य कहानी प्रस्तुत की गई थी। कई अर्थों में ये एक पथप्रदर्शक फिल्म थी क्योंकि इसने एक आम आदमी को परदे पर उस स्थान तक पहुंचाया था।' यामी मानती हैं इस कहानी की सफलता ने कई ऐसी कहानियों का मार्ग प्रशस्त किया, 'मेरा मानना है और अनेक लोग इस बात से सहमत होंगे कि अब सिनेमा में बड़े परिवर्तन करनें ही होंगे।' यदि आप दर्शकों को सही विषय, सही फिल्म और इसका सही क्रियान्वयन वाली कहानी देते हैं तो ये हमेशा सफल होगी। यही कारण है कि अब कई कहानियां दूरस्थ प्रदेशों से निकल कर सामने आ रही हैं।

ये पूछे जाने पर कि क्या कॉमेडी सभी सामाजिक समस्याओं के समाधान का आदर्श माध्यम हैं? उन्होंने हां, कहते हुए जोड़ा कि वास्तविक जीवन में भी आप हास्य के माध्यम से कुछ भी और सबकुछ अभिव्यक्त कर सकते हैं, 'जीवन की सबसे गंभीर समस्या को भी यदि हम सपाट चेहरे के माध्यम से व्यक्त करते हैं तो अलग असर होगा लेकिन यही बात यदि एक मुस्कुराहट के माध्यम से कही जाए तो ये अपना असर तत्काल दिखाती है। सामने वाले पर इसका स्पष्ट और सकारातमक प्रभाव पता चल जाता है।'

यामी का सदैव से ये प्रभाव रहा है कि उनके फिल्मी रोल्स में विविधता रहे। तो फिर वो अपनी फिल्मों का चयन किस आधार पर करती हैं? उनके अनुसार वो स्वयं का अन्वेषण करती रहती हैं और ग्राफ में भी बदलाव करती हैं। उनके अनुसार फिल्म की स्क्रिप्ट उत्साहजनक और भूमिका ऐसी हो जो उन्होंने अब तक न की हो, 'मैं कुछ ऐसी भूमिका करना चाहती हूं जो मैंने पहले न निभाई हो। कुछ ऐसा जिसे देखकर दर्शक अचंभित रह जाएं और कहने पर बाध्य हों 'अरे यामी क्या ये भी कर सकती थी।'

ये पहली बार नहीं है जब यामी और आयुष्मान एकसाथ बड़े परदे पर दिखाई देंगे। इससे पहले भी विकी डोनर में भी उन्हें देखा गया था। तो आयुष्मान के बारे में अब उनकी क्या राय है? अब जबकि ये साथ में उनकी पहली फिल्म नहीं है तो क्या दोनों आपस में सहज हैं? यामी बताती हैं, 'आयुष्मान अब राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेता हैं मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। वो दर्शकों के प्यार और पहचान के योग्य हैं। प्रदर्शन में ऐसी निरंतरता बनाए रखना आसान नहीं होता। लेकिन आयुष्मान आज भी वैसे ही हैं। हमारे काम और आपसी संबंध भी पहले जैसे हैं। विकी डोनर के समय भी हम ऐसे ही थे। अंतर केवल इतना था कि हम दोनों ही उस समय पदार्पण कर रहे थे। हमें पता ही नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। हम तो केवल अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते थे और बाला में भी हम यही कर रहे हैं हमारे बीच कई मीठी यादें हैं। उस समय ये सोचा भी नहीं था कि एक दिन हम अपनी दूसरी फिल्म के बारे में बात कर रहे होंगे और लोग हमसे पूछेंगे कि अब आगे का क्या प्लान है?'

आजकल महिला आधारित कहानियों पर कई फिल्में बन रही हैं। लेकिन यामी को इनमें से किसी में नहीं देखा गया। यामी का कहना है कि ऐसा नहीं था कि उनके पास कोई प्रस्ताव नहीं आया लेकिन जो प्रस्ताव आए वो पर्याप्तगंभीर नहीं थे। वो काम को केवल काम के तौर पर नहीं देखतीं बल्कि 'मेरा सोचना है कि फिल्म की कहानी महत्वपूर्ण और रोचक होनी चाहिये, इसके निर्देशक और चरित्र भी अच्छे होने चाहिये। जिस दिन ऐसा लगेगा कि मैं एक अलग प्रकार की कहानी को निभा ले जाउंगी तो मैं उसे तुरंत स्वीकार कर लूंगी।

(उनकी फिल्म बाला 7 नवंबर को रिलीज़ हो रही है)

यामी उड़ी द सर्जिकल स्ट्राइक में काम कर चुकी हैं उन्होंने कहा कि बॉलिवुड फिल्मों से हम सदैव ही कुछ अधिक उम्मींद रखते आए हैं, 'यदि आप अतीत में जाएं तो जब हम बड़े हो रहे थे हम परदे को देखते ही कहते थे कि हम उस अभिनेता या अभिनेत्री जैसा दिखना चाहते हैं।' ये हर व्यक्ति के जीवन में होता आया है, फिर चाहे हम लड़के की बात करें या लड़की की। फिल्म विकी डोनर में भी असामान्य कहानी प्रस्तुत की गई थी। कई अर्थों में ये एक पथप्रदर्शक फिल्म थी क्योंकि इसने एक आम आदमी को परदे पर उस स्थान तक पहुंचाया था।'

भंसाली की फिल्म बैजू बावरा में रणवीर सिंह के साथ रोमांस करेंगी प्रियंका!

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली ने हाल ही में अपनी दो फिल्मों का ऐलान किया है। गंगूबाई कठियावाड़ी और बैजू बावरा। गंगूबाई में भंसाली आलिया भट्ट के साथ काम कर रहे हैं। गंगूबाई के बाद भंसाली ने दीवाली पर सभी को तोहफा देते हुए अपनी अगली फिल्म बैजू बावरा का ऐलान किया है। फिल्म की कहानी एक कलाकार के बदले पर आधारित होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा दिवाली 2021 को रिलीज होगी। हालांकि अभी तक फिल्म की कास्ट को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसमें रणवीर सिंह का नाम पक्का माना जा रहा है।

वहीं अब खबर है कि प्रियंका चोपड़ा फिल्म बैजू बावरा में रणवीर सिंह के अपोजिट काम करेंगी। प्रियंका लंबे समय से संजय लीला भंसाली की फिल्म में काम करना चाह रही हैं। फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली की तरफ से इस पर कोई घोषणा नहीं की गई है। लेकिन ऐसा होने पर रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा चौथी बार स्क्रीन शेयर करेंगे। दोनों अब तक बाजीराव मस्तानी, दिल धड़कने दो और गुंडे में साथ काम कर चुके हैं। वहीं रणवीर की भंसाली के साथ यह चौथी फिल्म होगी। रणवीर और भंसाली ने रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में साथ काम किया है। कुछ दिन पहले ही रणवीर सिंह को संजय लीला भंसाली के दफ्तर में देखा गया था।

बैजू बावरा एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है जिसमें मुगल कालीन गायक बैजू बावरा की कहानी दिखाई जाएगी। बैजू बावरा के बदले की कहानी को फिल्म में दिखाया जाएगा। बैजू बावरा पर बॉलीवुड में पहले भी फिल्म बन चुकी है।

मैं खुद को गंभीरता से नहीं लेता: अक्षय

मुंबई। अक्षय कुमार बॉक्स ऑफिस की सफलता के पर्याय बन चुके हैं लेकिन उनका कहना है कि वह खुद पर भरोसा करने के बजाय निर्देशक के कहे अनुसार काम करने में विश्वास रखते हैं। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने जो सफलता अर्जित की है उसके लिए कोई छोटा रास्ता नहीं है और उन्होंने सब कुछ अनुभव से ही सीखा है। अक्षय ने यहाँ एक सामूहिक साक्षात्कार में कहा, मैं कभी किसी अभिनय स्कूल में कुछ सीखने नहीं गया। मैंने चीजों को अपने अनुभव से सीखा है। इसलिए (सफलता के लिए) मैंने कोई तरीका इस्तेमाल नहीं किया था। मैं खुद को गंभीरता से नहीं लेता हूँ और धारा के साथ बहता हूँ। मैं निर्देशक का हाथ पकड़ता हूँ और जैसा वह कहते हैं, मैं करता हूँ क्योंकि निर्देशक जहाज का कप्तान होता है। हां, वह जहाज टाइटैनिक नहीं बनना चाहिए।

अक्षय राजकुमार संतोषी और प्रियदर्शन जैसे निर्देशकों को इसका श्रेय देते हैं कि उन्होंने उनको लीक से हटकर रोल दिए और एक्शन अभिनेता की भूमिका में बंधने नहीं दिया।

अक्षय ने कहा कि संघर्ष , हेरा फेरी और जानवर जैसी फिल्मों में उन्होंने विभिन्न भूमिकाएं अदा कीं जिससे उन्हें एहसास हुआ कि वे अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकते हैं।

गौरतलब है कि अक्षय की प्रतिवर्ष लगभग चार फिल्में रिलीज हो रही हैं और सभी व्यावसायिक रूप से सफल रही हैं। इस साल रिलीज हुई केसरी , मिशन मंगल , और हॉउसफुल के बाद 27 दिसंबर को गुड न्यूज़ रिलीज होने वाली है।

अक्षय ने कहा कि वे फिल्मों के चयन को लेकर बहुत आश्वस्त नहीं रहते। उन्होंने कहा कि किसी फिल्म को बनाने में वे बहुत मेहनत करते हैं और फिल्म के रिलीज होने से पहले उन्हें चिंता होती है कि फिल्म जगत के लोगों, दर्शकों और उनके परिजनों को फिल्म पंसद आएगी या नहीं। उन्होंने कहा कि फिल्म की रिलीज तनावपूर्ण काम होता है। अक्षय इस समय अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हॉउसफुल 4 की सफलता से उत्साहित हैं। फिल्म 25 अक्टूबर को रिलीज हुई थी और अब तक 140 करोड़ की कमाई कर चुकी है।

डिजिटल क्वीन राधिका आप्टे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई अपनी पहचान

इंडी-सुपरस्टार राधिका आप्टे को हाल ही में एक लीडिंग मैगजीन के कवर पर डिजिटल क्वीन के टाइटल से संबोधित किया गया था और हम इससे शतप्रतिशत सहमत है।

राधिका ने बहुसंख्यक डिजिटल प्लेटफार्म पर अपनी शानदार उपस्थिति के साथ आम जनता को बेहद प्रभावित किया है, और हर बार अपनी परफॉर्मेंस के साथ दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं है।

हाल ही में राधिका को उनकी लोकप्रिय फिल्म लस्ट स्टोरीज में त्रुटिहीन प्रदर्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कारों में नामित किया गया था। बॉलीवुड की यह खूबसूरत दिवा निस्संदेह एक डिजिटल सेंसेशन है और विभेदित कंटेंट के लिए पहली पसंद है।

राधिका आप्टे समकालीन समय की सबसे भरोसेमंद अभिनेत्री हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म का मुख्य चेहरा हैं।

राधिका आप्टे को बॉलीवुड में सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक के रूप में जाना जाता है और हाल ही में अंधाधुन और पैडमैन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, एमी नामांकन ने अभिनेत्री की उपलब्धियों में चार चांद लगा दिए है।

अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर राधिका एक ऐसी भूमिका में दिखाई देगी जहां वह एक जासूस का किरदार निभा रहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध की वास्तविक घटनाओं पर आधारित, इस फिल्म में अंधाधुन स्टार नूर इनायत खान उर्फ नोरा बेकर की भूमिका में नजर आएंगी जो फ्रांसीसी प्रतिरोध में मदद करने के लिए नाजी के कब्जे वाले फ्रांस में जाने वाली पहली